OPERATION SINDOOR CONTINUES

* ओड़िशा संस्करण

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा

रांची 09 मई, 2025, शुक्रवार, वर्ष 10, अंक 198, वैशाख, शुक्ल पक्ष, द्वादशी, संवत 2082, पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

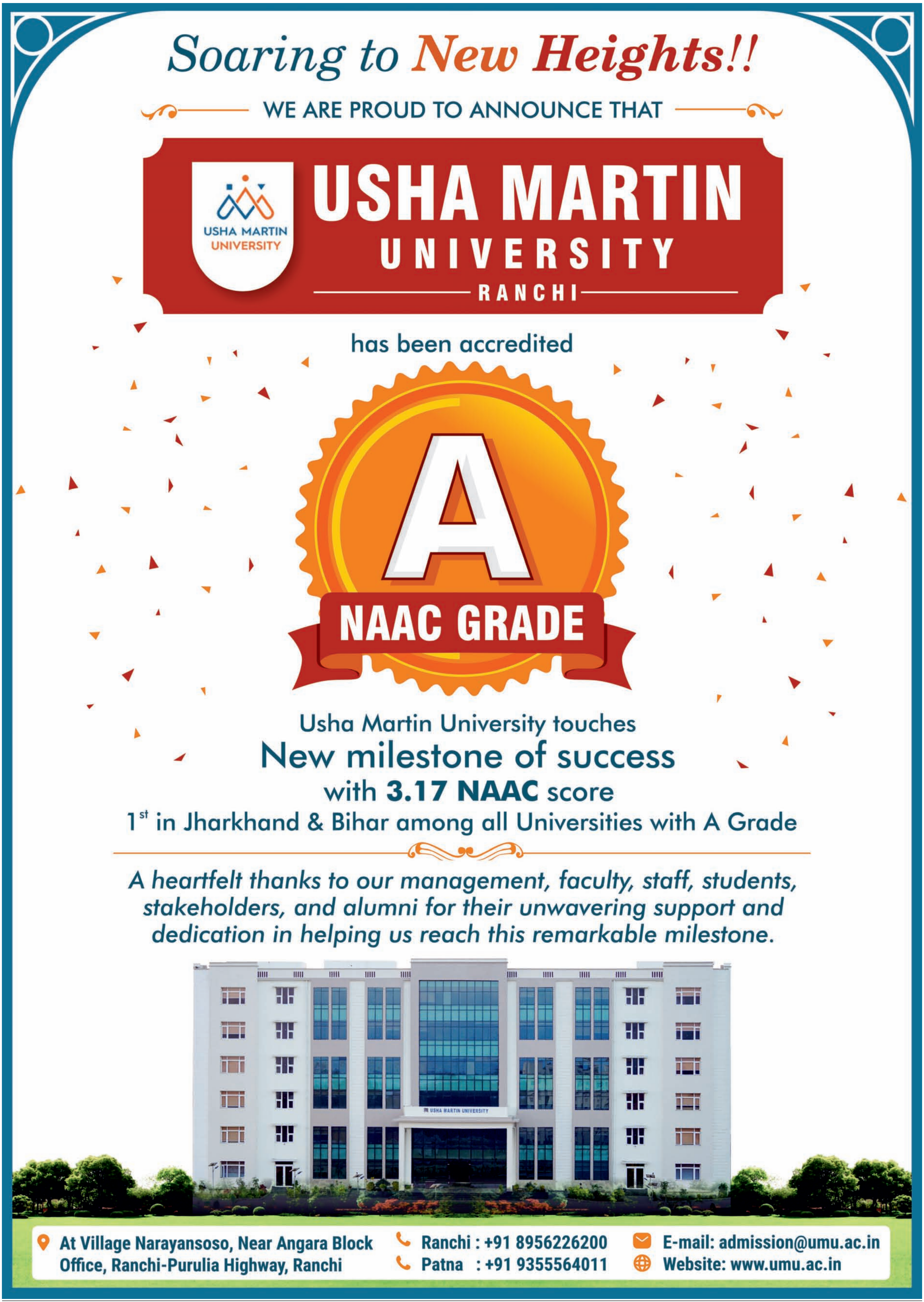

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

भारत ने हर मोर्चे पर पाकिस्तान को ठोका लेफ्ट राइट एंड सेंटर

■ पहलगाम नरसंहार के जवाब में भारत ने पाकिस्तान की चौतरफा घेराबंदी की
■ पहले पानी रोका, फिर व्यापार पर प्रतिबंध, कूटनीतिक कदमों से घेरा
■ फिर 'ऑपरेशन सिंदूर' चला कर ध्वस्त कर दी आतंकवाद की फैक्टरी

आजाद सिपाही विशेष

22 अप्रैल को पहलगाम में इस्लामी आतंकवादियों द्वारा किये गये बर्बर नरसंहार के बाद पूरा देश गुस्से से उबल रहा था। पाकिस्तान में तैयार किये गये इन आतंकवादियों के ठिकानों को भारतीय सेना ने ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ण चला कर ध्वस्त कर दिया है। इससे देश का गुस्सा थोड़ कम जरूर हुआ है। दरअसल भारत द्वारा आतंकवाद के खिलाफ चलाया गया यह ऑपरेशन बेहद ठोस रणनीति और सटीक कूटनीतिक कदमों के तहत उठाया गया। भारत ने जोश से नहीं, होश से काम लिया और पाकिस्तान की चौतरफा घेराबंदी की। इसके बाद पाकिस्तान के आतंकी शिविरों पर हवाई प्रहार कर भारत ने पहलगाम हमले के 15वें दिन बदला लिया। हालांकि हमले के बाद से ही भारत लगातार पाकिस्तान की घेराबंदी करने में जुटा हुआ था। सिंधु जल संधि को निलंबित करने से लेकर आयात प्रतिबंध तक भारत ने कुछ ऐसे प्रमुख दंडात्मक कदम उठाये, जिनसे पहले से ही रसातल में चल रही पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त होने की कगार पर पहुंच गयी। व्यापार, संचार, समुद्री पहुंच और हवाई क्षेत्र को निशाना बनाते हुए उठाये गये कदमों से पाकिस्तान को करारी आर्थिक चोट पहुंची। यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही संभव हो सका, क्योंकि उन्होंने पहलगाम घटना के फौरन बाद सेना को कार्रवाई की खुली छूट दे दी थी। भारत ने पाकिस्तान की न केवल आर्थिक और सामाजिक घेरेबंदी की, बल्कि कूटनीतिक नाकेबंदी के बाद ही सैन्य कार्रवाई जैसा कदम उठाया, जिसका जवाब पाकिस्तान के पास नहीं है। पहलगाम घटना के बाद भारत ने कैसे पाकिस्तान की घेरेबंदी की और उसका क्या असर पड़ा, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

राकेश सिंह

भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों पर किये गये हवाई प्रहार, जिसे ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ण का नाम दिया गया, एक ऐसी कार्रवाई थी, जिसका मकसद केवल आतंकवाद की फैक्टरी को नेस्त-नाबूद करना था। लेकिन इस सैन्य कार्रवाई का पूरा ताना-बाना एक दिन में नहीं बुना गया। भारतीय सशस्त्र बलों की ठोस रणनीति, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तैयार आर्थिक, सामाजिक और कूटनीतिक रणनीति ने पाकिस्तान की ऐसी घेरेबंदी की, जिससे पाकिस्तान पूरी दुनिया के सामने बेपर्दा हो गया और उसकी असलियत दुनिया के सामने आ गयी।

पहलगाम नरसंहार के बाद भारत ने कठोर कदम उठाते हुए पाकिस्तान से सभी तरह के आयात और निर्यात पर पाबंदी लगा दी। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने इस संबंध में अधिसूचना भी जारी कर दी। इसमें वे वस्तुएं शामिल हैं, जो तीसरे देशों के माध्यम से भेजी गयी हैं, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार का एक और रास्ता बंद हो गया। इस कठोर कदम से दोनों देशों के बीच सीमित व्यापार पर काफी असर पड़ेगा, जो पहले से ही बहुत कम है। भारत ने अप्रैल 2024 से जनवरी 2025 के बीच पाकिस्तान को 1.18 अरब डॉलर का सामान निर्यात किया, जबकि आयात केवल 28.8 लाख डॉलर था। भारत की तरफ से उठाये गये कदमों का असर पाकिस्तान की आम जनता का अपनी सरकार के प्रति नाराजगी के रूप में भी देखने को मिल रहा है।

सिंधु जल संधि निलंबित

पहलगाम हमले के बाद भारत ने सबसे पहली जवाबी कार्रवाई सिंधु जल संधि को निलंबित कर की थी। दोनों देशों के बीच चार युद्धों और दशकों से जारी सीमा पार आतंकवाद के बावजूद इस संधि को बरकरार रखा गया था। सिंधु नदी के जल पर पाकिस्तान की 70 फीसदी कृषि निर्भर करती है। कई शहरों के लिए पेयजल की आपूर्ति भी इस नदी से की जाती है। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि 1960 की सिंधु जल संधि तत्काल प्रभाव से स्थगित रहेगी, जब तक कि पाकिस्तान विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को त्याग नहीं देता।

सार्क वीजा छूट योजना की निरस्त

भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए सार्क वीजा छूट योजना (एसवीइएस) भी रद्द कर दी है।

पहलगाम हमले के एक दिन बाद हुई सुरक्षा मामलों पर कैबिनेट समिति की बैठक में यह फैसला किया गया था। बैठक के बाद सरकार ने घोषणा की थी कि पाकिस्तानी नागरिकों को अब सार्क वीजा छूट योजना (एसवीइएस) के तहत भारत की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जायेगी। इस वीजा पर आने वाले पाकिस्तानी नागरिकों को सरकार ने 48 घंटे में देश छोड़ने का आदेश भी दिया था।

पाकिस्तानी सैन्य सलाहकार का निष्कासन

भारत ने 24 अप्रैल को पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा, नौसेना और वायु सेना सलाहकारों को भी अवांछित घोषित कर दिया था और उन्हें एक सप्ताह के भीतर देश छोड़ने को कहा था। सरकार ने इस्लामाबाद स्थित अपने उच्चायोग से रक्षा, नौसेना और वायु सलाहकारों को वापस बुलाने की घोषणा भी की थी। भारत ने इन पदों को निरस्त करने का भी एलान किया था।

डाक का आदान-प्रदान भी निलंबित

व्यापार पर प्रतिबंध के साथ ही भारत ने पाकिस्तान के साथ सभी तरह के डाक सेवाओं के आदान-प्रदान को निलंबित कर दिया है। इस संबंध में डाक विभाग ने हवाई और जमीनी मार्गों से दोनों देशों के बीच पत्र और पार्सल के आदान-प्रदान पर रोक लगाने का आदेश जारी किया है।

डिजिटल हमला

भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ डिजिटल हमला करते हुए 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों को ब्लॉक कर दिया है, जो पहलगाम हमले को लेकर भ्रामक और भड़काऊ सामग्री प्रसारित कर रहे थे। प्रतिबंधित चैनलों के कुल सब्सक्राइबरों की संख्या 6.3 करोड़ से अधिक है। इसके अतिरिक्त भारत ने पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्री अताउल्लाह तरार और रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के सोशल मीडिया अकाउंट पर रोक लगा दी है और उन पर भड़काऊ बयान देने और गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया है। इंस्टाग्राम ने भारत में कई पाकिस्तानी हस्तियों के अकाउंट ब्लॉक कर दिये हैं। इनमें फवाद खान, आतिफ असलम, मावरा होकेन और आबिदा परवीन शामिल हैं।

हवाई क्षेत्र बंद किया

पाकिस्तान को अलग-थलग करने के लिए भारत ने पाकिस्तान में पंजीकृत विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को पूरी तरह से बंद कर दिया है। इसमें सैन्य विमानों के प्रवेश पर रोक लगायी गयी है। पाकिस्तान ने भी अपने हवाई क्षेत्र को भारतीय विमानों के लिए बंद कर दिया है।

नौ आतंकियों के घर ध्वस्त

पहलगाम हमले के बाद आतंकियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर में नौ आतंकियों के घरों को ध्वस्त कर दिया। इसकी शुरूआत लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी आदिल अहमद थोकर के घर से शुरू हुई, जिसके बारे में माना जाता है कि वह पहलगाम हमले में शामिल था। पुलवामा, बांदीपोरा और कुपवाड़ा में अन्य संदिग्धों के घरों को भी जमींदोज कर दिया गया।

अटारी-वाघा सीमा को बंद किया

पहलगाम हमले के बाद भारत ने कम अवधि की वीजा पर आये पाकिस्तानी नागरिकों को 30 अप्रैल तक भारत छोड़कर चले जाने का समय दिया था। इस समय सीमा की समाप्ति के बाद एक मई को भारत ने अटारी-वाघा सीमा को पूरी तरह से बंद कर दिया। 25 अप्रैल को अटारी में एकीकृत चेक पोस्ट बंद होने के बाद से 780 से अधिक पाकिस्तानी नागरिक भारत छोड़कर जा चुके थे, जबकि भारतीय नागरिकों और दीर्घकालिक वीजा वाले पाकिस्तानियों सहित लगभग 1,560 लोग पैदल सीमा पार कर चुके थे।

पाकिस्तानी जहाजों के लिए भारतीय बंदरगाह बंद

भारत ने पाकिस्तानी झंडे वाले जहाजों के अपने बंदरगाह पर आने पर रोक लगा दी है। नौवहन महानिदेशालय (डीजीएस) की तरफ से इस संबंध में निर्देश जारी किये गये हैं, जिसमें कहा गया है कि ये उपाय राष्ट्रीय सुरक्षा और भारत के शिपिंग बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं। नये नियम तत्काल प्रभाव से लागू कर दिये गये हैं।

उच्चायोग कर्मियों में कटौती

पाकिस्तान के साथ कूटनीति जुड़ाव को कम करते हुए भारत ने राजनयिकों की संख्या में भी कटौती कर दी है। भारत ने पाकिस्तान स्थित उच्चायोग में अपने राजनयिक कर्मचारियों की कुल संख्या 55 से घटाकर 30 कर दी है, जो एक मई से प्रभावी हो गयी है। पाकिस्तान को भी नई दिल्ली स्थित अपने उच्चायोग में इसी तरह की कटौती करनी पड़ी है।

अंत में सैनिक कार्रवाई

भारतीय रणनीति की सटीकता इसी बात से साफ होती है कि इस बार सैनिक कार्रवाई सबसे अंत में की गयी, ताकि पाकिस्तान को कोई बहाना बनाने का मौका नहीं मिले। आर्थिक और सामाजिक स्तर पर पाकिस्तान की घेरेबंदी करने के बाद उसे कूटनीतिक तरीके से दुनिया के सामने बेपर्दा किया गया, ताकि उसकी असलियत सामने आ सके। भारत की यह रणनीति काम आयी और आज दुनिया का कोई भी देश पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सशस्त्र बलों के ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ण की खिलाफत करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। यही है नया भारत, जो अपने दुश्मन को घर में घुस कर मारता है।

घुटनों पर आया पाक, लगाने लगा कार्रवाई रोकने की गुहार

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के भीतर घुसकर आतंकवादी ठिकानों पर भारतीय सेना द्वारा किये गये हमले के बाद पड़ोसी देश घुटनों पर आ गया है। इस ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि अगर भारत अपना ऑपरेशन यहीं रोक दे, तो उनकी सेना अपने कदम खींचने के लिए तैयार है। उनका यह बयान काफी मायने रखता है। माना जा रहा है कि भारतीय सेना की ओर से पाकिस्तान के भीतर मौजूदा आतंकवादी ठिकानों पर हमले के बाद वहां व्यापक स्तर पर तबाही हुई है। इन हमलों में सैकड़ों आतंकवादियों के मारे जाने की आशंका है। ख्वाजा आसिफ के इस बयान से एक बात और स्पष्ट हो गयी है कि पाकिस्तान ने भारत के एक्शन की बात को स्वीकार कर लिया है। भारत ने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत और उसके कब्जे वाले कश्मीर के कुल नौ ठिकानों पर बमबारी की है। ये हमले बेहद नपे-तुले थे। भारत ने इस हमले को आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने का अपना अधिकार बताया है। भारत के इस हमले की तमाम तस्वीरें अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने भी जारी की है। इन तस्वीरों से पता चलता है कि भारत की ओर से किये गये ये हमले बेहद घातक और व्यापक थे।

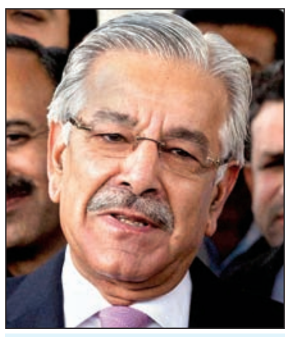

दुनिया की सधी प्रतिक्रिया

भारत की इस कार्रवाई पर दुनिया के तमाम देशों ने बेहद सधी हुई प्रतिक्रिया दी है। यहां तक कि पाकिस्तान का सबसे खास दोस्त चीन ने भी कहा कि वह हर तरह के आतंकवाद की मुखालफत करता है। उसके इस बयान को बेहद संयमित और संतुलित माना जा रहा है। आतंकवाद के खिलाफ भारत के इस एक्शन की दुनिया के करीब-करीब किसी भी बड़ी शक्ति ने मुखालफत नहीं की है। दुनिया के इस रुख और भारत के व्यापक हमले को देखते हुए ऐसा लगता है कि पाकिस्तान घुटनों पर आ गया है। इसी कारण उसके रक्षा मंत्री ने जवाबी सैन्य कार्रवाई नहीं करने की बात कही है।

अलग-अलग कारणों से पाकिस्तान के नौ ठिकानों को किया गया ध्वस्त

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। पहलगाम की वादियों में जब लाल सिंदूर बिखरा था, तो वो एक आतंकवादी हमला नहीं था। भारत की आत्मा पर आघात था। भारत का धैर्य जवाब दे गया था और इसके बाद भारत ने लाल मस्जिद से लेकर लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद के तमाम अड्डों को राख में बदल दिया। भारत ने बताया कि इस बार हमला आतंकियों पर हुआ है। लेकिन पाकिस्तान अपनी नापाक हरकते खत्म नहीं करेगा, तो फिर भारत हर एक खून का बदला खून से लेगा। लेकिन भारत के एक्शन के बाद सबसे बड़ा सवाल कि करीब नौ लाख वर्ग किलोमीटर में फैले पाकिस्तान के नौ ठिकानों को क्यों चुना गया।

भारत के हवाई क्षेत्र में रह कर ही हमला

आर्मी और एयरफोर्स की स्ट्राइक एक वक्त पर एक साथ हुई। फाइटर जेट ने भारत के एयरस्पेस में रहकर ही स्टैंडऑफ वेपन (यानी अपनी जगह पर रहकर ही मार कर सकते हैं) से वार किया। माना जा रहा है कि फाइटर जेट मिराज-2000 से स्पाइस 2000 बम का इस्तेमाल किया गया। यह इस्राइली बम है, जिसका इस्तेमाल बालाकोट एयरस्ट्राइक में भी किया गया था। स्पाइस-2000 में 60 किलोमीटर तक की ग्लाइड रेंज है, जिसका मतलब है कि फाइटर जेट को दुश्मन के एयर स्पेस में प्रवेश किये बिना छोड़ा जा सकता है। इसमें रफाल फाइटर जेट का इस्तेमाल किया गया है। भारत ने जिन नौ ठिकानों को ध्वस्त किया, वे इस प्रकार हैं।

पीओजेके में सवाई नाला कैंप, मुजफ्फराबाद: ये लाइन ऑफ कंट्रोल से 30 किलोमीटर दूर है। ये लश्कर-ए-तैयबा का ट्रेनिंग सेंटर था। 20 अक्टूबर 2024 को सोनमर्ग, 24 अक्टूबर 2024 को गुलमर्ग में आतंकी हमले और 22 अप्रैल को पहलगाम में हमले में शामिल आतंकियों ने यहीं से ट्रेनिंग ली थी।

पीओजेके में सेदना बिलाल कैंप: जैश-ए-मोहम्मद का स्टेजिंग एरिया है। यहां आतंकियों को हथियारों, विस्फोटकों और जंगल में सर्वाइवल की ट्रेनिंग दी जाती थी।

पीओजेके में कोटली गुलपुर: ये एलओसी से करीब 30 किलोमीटर दूर था। ये लश्कर-ए-तैबा का बेस था, जो रजौरी, पुंछ में सक्रिय था। 20 अप्रैल 2023 और 9 जून 2024 को तीर्थयात्रियों के बस हमले में शामिल आतंकियों को यहीं ट्रेंड किया गया था। मुंबई अटैक का मास्टरमांड जकिउर रहमान यहां लगातार आता रहता था।

पीओजेके, बिंबर: ये एलओसी से करीब 9 किलोमीटर दूर है। यहां पर हथियार चलाने और जंगल सर्वाइवल की ट्रेनिंग दी जाती थी।

पीओजेके में अब्बास कैंप, कोटली: ये एलओसी से 13 किलोमीटर दूर है। यहां आतंकी संगठन लश्कर का फिदायीन तैयार होता था। इसकी कैपिसिटी 50 आतंकियों को ट्रेंड करने की थी।

पाकिस्तान में सरजल कैंप, सियालकोट: इंटरनेशनल बॉर्डर से 6 किलोमीटर दूर है। सांभा-कठुआ के सामने। मार्च 2025 में जम्मू-कश्मीर पुलिस के 4 जवानों की हत्या में शामिल आतंकियों को यही ट्रेंड किया गया था।

पाकिस्तान में महमूना जोया कैंप, सियालकोट: यह इंटरनेशनल बॉर्डर से 12 किलोमीटर दूर है। यहां हिजबुल मुजाहिद्दीन का बड़ा कैंप था। कटुवा, जम्मू में आतंक फैलाने का नियंत्रण केंद्र था। पठानकोट एयरफोर्स बेस पर हुआ हमला भी इसी कैंप से प्लान और डायरेक्ट किया गया था।

पाकिस्तान में मरकज तयिबा, मुरीदके: इंटरनेशनल बॉर्डर से 25 किलोमीटर दूर है। लश्कर का हेडक्वॉर्टर था। मुंबई हमले के आतंकी यहीं से प्रशिक्षित हुए थे। अजमल कसाब, डेविड हेडली भी यहां ट्रेंड हुए थे। स्ट्राइक का जो वीडियो दिखाया गया, उसमें दिखाई दे रहा है कि यहां एक के बाद एक कुल चार हिट किये गये।

पाकिस्तान में मरकज सुभानअल्ला, बहावलपुर: यह इंटरनेशनल बॉर्डर से 100 किलोमीटर दूर है। आतंकी संगठन जैश का मुख्यालय था। यहां आतंकियों की रिक्रूटमेंट, इन डाक्टिरेशन, ट्रेनिंग का केंद्र भी था।

अमेरिका ने अपने नागरिकों को लाहौर छोड़ने को कहा

एजेंसी

वाशिंगटन। भारत से बदले का सपना देखना वाला पाकिस्तान इस समय बैठ कर आंसू बहा रहा है। बैठे बिठाये पाकिस्तान के लिए बड़ी मुसीबत हो गयी है। खबर अब अमेरिका को लेकर आयी है। अब अमेरिका ने अपने नागरिकों को लेकर बड़ा अलर्ट जारी कर दिया है। अमेरिका ने अपने नागरिकों को कहा है कि आप लाहौर को छोड़कर जल्द से जल्द वापस लौट आयें। अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए अमेरिका ने कहा है कि वो वापस आ जायें या फिर कहीं शरण ले लें। पाकिस्तान और भारत के बीच लगातार जिस तरह से तनावपूर्ण स्थिति हो रही है, उसे देखते हुए अमेरिक ने अपने नागरिकों के लिए ये एडवाइजरी जारी की है। अमेरिका ने उन कदमों का भी उल्लेख किया है, जो संघर्ष क्षेत्र में अमेरिकी नागरिकों को उठाने चाहिए। इसमें शामिल हैं: सुरक्षित आश्रय की तलाश करें, ऐसी निकासी योजनाएं बनायें, जो अमेरिकी सरकार की सहायता पर निर्भर न हों, यात्रा दस्तावेज अद्यतित और आसानी से सुलभ हों, अपडेट के लिए स्थानीय मीडिया पर नजर रखें, उचित पहचान पत्र साथ रखें और अधिकारियों के साथ सहयोग करें। अमेरिकी वाणिज्य दूतावास ने सुरक्षा अलर्ट में कहा कि उसे ऐसी

प्रारंभिक रिपोर्ट भी मिली है, जिसमें कहा गया है कि प्रशासन लाहौर के मुख्य हवाई अड्डे से सटे कुछ इलाकों को खाली करा सकता है। इसने अमेरिकी नागरिकों से अपनी सुरक्षा के लिए संघर्ष क्षेत्र छोड़ने के लिए भी कहा है। अमेरिकी वाणिज्य दूतावास ने कहा कि अमेरिका के जो नागरिक संघर्ष क्षेत्र के आसपास हैं, उन्हें वहां से चले जाना चाहिए। यदि वहां से निकलना सुरक्षित नहीं है, तो उन्हेंकिसी सुरक्षित स्थान पर जाकर शरण ले लेनी चाहिए। लाहौर छावनी क्षेत्र में कम से कम चार ड्रोन हमले हुए हैं। सशस्त्र बलों ने गोलीबारी की और सायरन बजाया, जिससे लाहौर के सीमावर्ती क्षेत्रों और डिफेंस हाउस अथॉरिटी के निवासियों में दहशत फैल गयी। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने इस्लामाबाद में कहा कि लाहौर के पास एक ड्रोन गिरा, जिसमें उसके चार सैनिक घायल हो गये हैं।

OPERATION SINDOOR CONTINUES

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा

रांची 09 मई, 2025, शुक्रवार, वर्ष 10, अंक 198, वैशाख, शुक्ल पक्ष, द्वादशी, संवत 2082, पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

भारत ने पाक के डिफेंस सिस्टम को तबाह किया

- हार्पी के हमले से पाकिस्तान में हाहाकार, लाहौर, सियालकोट, कराची समेत नौ जगहों पर हमला
- पाकिस्तान ने 15 शहरों को मिसाइल और ड्रोन से बनाया निशाना, भारत ने 'सुदर्शन चक्र' एस-400 से किया नाकाम

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली/जम्मू कश्मीर। भारत के ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाये और हताश पाकिस्तान ने गुरुवार की रात को भी जम्मू-कश्मीर से लेकर गुजरात तक हमला किया। इससे पहले पाक ने बुधवार को 15 शहरों में सैन्य ठिकानों को मिसाइल और ड्रोन से निशाना बनाने की कोशिश की थी। हालांकि भारत की 'सुदर्शन चक्र' एस-400 की वायु रक्षा प्रणालियों ने इन हमलों को पूरी तरह से नाकाम कर दिया। भारत ने गुरुवार को जवाबी कार्रवाई की। इजरायली हार्पी ड्रोन से भारत ने पाक के डिफेंस सिस्टम को ध्वस्त कर दिया। धमाके से आधा पाकिस्तान दहल उठा।

ड्रोन ने लाहौर से रावलपिंडी तक मचायी तबाही

नयी दिल्ली/इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत ने गुरुवार को पाकिस्तान के लाहौर और कराची सहित 6 बड़े शहरों में इजरायली हार्पी ड्रोन से हमला किया और पाकिस्तान के एयर डिफेंस को तबाह कर दिया। इसके लिए एकीकृत काउंटर यूएएस ग्रिड और वायु रक्षा प्रणालियों का सहारा लिया गया था। भारतीय रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि गुरुवार सुबह भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में कई स्थानों पर वायु रक्षा रडार और प्रणालियों को निशाना बनाया। भारत की प्रतिक्रिया पाकिस्तान की तरह ही तीव्रता के साथ उसी क्षेत्र में रही है। विश्वसनीय रूप से पता चला है कि लाहौर का एयर डिफेंस सिस्टम तबाह हो चुका है।

सेना ने पूरे क्षेत्र को अपने कब्जे में लिया: उधर, पाक मीडिया के मुताबिक कराची के आर्मी बेस पर हुए धमाके के बाद पूरे क्षेत्र को सेना ने अपने कब्जे में ले लिया है।

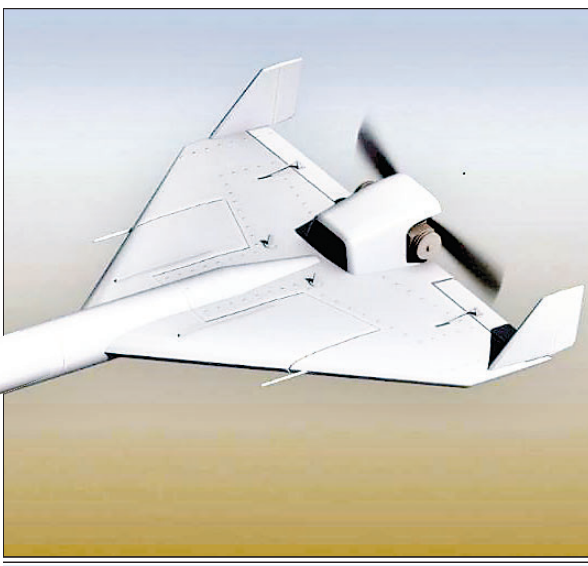

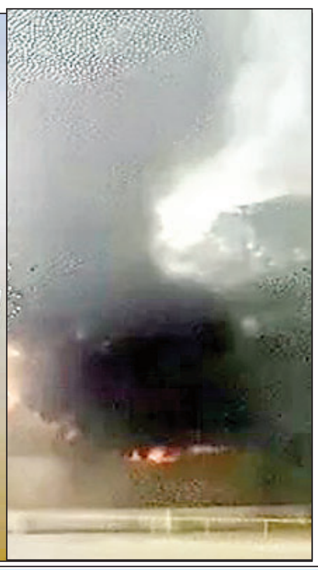

रडार सिस्टम को नष्ट करने के लिए बना

हार्पी ड्रोन इजराइल द्वारा निर्मित मानवरहित हवाई वाहन है, जिसे इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने विकसित किया है। यह एक लॉइटरिंग एम्युनिशन है, जिसे मुख्य रूप से दुश्मन के रडार सिस्टम और हवाई रक्षा प्रणालियों को नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह ड्रोन निगरानी और सटीक हमले दोनों में सक्षम है, जो इसे सैन्य अभियानों में एक प्रभावी हथियार बनाता है। हार्पी ड्रोन को फायर एंड फॉरगेट मिसाइल भी कहा जाता है, क्योंकि हमला करने के बाद ये ड्रोन नष्ट हो जाता है।

पाक के छह शहरों में ड्रोन से अटैक

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के छह प्रमुख शहरों कराची, लाहौर, गुजरांवाला, चकवाल, घोटकी और उमरकोट में ड्रोन धमाकों की पुष्टि हुई है। अकेले लाहौर में तीन धमाके दर्ज किये गये हैं, जिनमें से एक नेवी बेस के पास हुआ। इन हमलों के दौरान पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह फेल नजर आया। भारत के ड्रोन अटैक में रावलपिंडी का क्रिकेट स्टेडियम क्षतिग्रस्त हो गया है। रावलपिंडी में गुरुवार को कराची किंग्स और पेशवार जलमी के बीच होने वाला मैच रद्द कर दिया गया है।

कराची, लाहौर, गुजरांवाला, चकवाल, घोटकी और उमरकोट में कुल 12 ड्रोन धमाके हुए हैं, जिससे कई इलाकों में इमरजेंसी जैसे हालात हैं। कराची के एक आर्मी बेस पर ड्रोन हमला हुआ, जिसके बाद सेना ने इलाके को सील कर लिया है। ब्लास्ट के बाद आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल है और सेना ने पूरे क्षेत्र को अपने नियंत्रण में ले लिया है।

भारत ने पाकिस्तान का एफ 16 मार गिराया

पाक ने जम्मू पर सुसाइड ड्रोन से किया हमला, भारत ने किया नाकाम

जम्मू से राजस्थान बॉर्डर तक ब्लैकआउट

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली/जम्मू कश्मीर। पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। पाकिस्तान ने गुरुवार को रात आठ बजे से फिर भारत पर हमाल करना शुरू किया। पाकिस्तान एफ-16 और सुसाइड ड्रोन से हमला शुरू किया। भारतीय एयर डिफेंस ने एफ-16 विमान मार गिराया। उधर, जम्मू पर सुसाइड ड्रोन से हमला किया। भारतीय एयर डिफेंस मिसाइलों ने सभी ड्रोन को मार गिराया। इस बीच जम्मू में रात आठ बजे से ही ब्लैकआउट कर दिया गया है। पाकिस्तान की तरफ से भारी शेलिंग चली। कई ड्रोन देखे गये हैं। आरएसपुरा सेक्टर में पाकिस्तान की तरफ से भारी शेलिंग की जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कई जगह धमाके की आवाज आयी है। राजस्थान के बॉर्डर वाले जिलों में भी ब्लैकआउट कर दिया गया है। सरहदी राज्य पंजाब, जम्मू-कश्मीर और राजस्थान हाइ अलर्ट पर हैं। इससे पहले पंजाब के गुरुदासपुर, राजस्थान के बाड़मेर, जैसलमेर और जोधपुर में रोजाना रात 9 बजे सुबह 5 बजे तक ब्लैकआउट रखने के आदेश दिये गये थे।

जैसलमेर में ध्वस्त किया गया एफ-16

पठानकोट एयरफोर्स स्टेशन पर भी ड्रोन अटैक किया गया है। भारतीय डिफेंस सिस्टम ने इंटरसेप्ट कर सभी ड्रोन को मार गिराया है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पठानकोट एयरफोर्स स्टेशन पूरी तरह सुरक्षित है। उधर, भारत द्वारा पाकिस्तान का एफ-16 विमान मार कर गिराने की खबर आ रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पाकिस्तान की एफ-16 विमान सरगोधा एयरबेस से उड़ान भरी थी। जम्मू एयरपोर्ट पर रॉकेट फायर हुआ है। जम्मू एयर स्ट्रिप पर रॉकेट दागा गया। इस बीच भारत ने एफ-16 विमान को मार गिराया। सांबा में पाकिस्तान की तरफ से भारी गोलीबारी की गयी। जम्मू में एयर साइरन बजे। जम्मू में सतवारी कैंट पर भी हमले की खबर है।

विदेश सचिव ने पाकिस्तान का मुखौटा उतारा तस्वीर दिखा बता डाला आतंक परस्त है पाक

- विदेश सचिव विक्रम मिसरी, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने दी जानकारी
- बताया कि भारत ने जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के एयर सिस्टम को ध्वस्त किया

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार शाम 5.30 बजे लगातार दूसरे दिन प्रेस कांफ्रेंस की। इसमें बुधवार की तरह विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह मौजूद रहीं। विदेश मंत्रालय की ओर से ऑपरेशन सिंदूर को लेकर चल रही कार्रवाई की जानकारी दी गयी। विदेश सचिव ने कहा कि पाकिस्तान जन्म से ही झूठा है। उनका चेहरा पूरे विश्व के सामने आ गया है। पाकिस्तान ने राजकीय सम्मान देकर आतंकियों का जनाजा निकाला।

भारत तनाव नहीं बढ़ाया, केवल जवाब दे रहा: कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने कहा कि पाकिस्तान ने 7 मई की रात भारत में कई ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइल से हमले का प्रयास किया। अवंतिपोरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नाल, फलोदी, उत्तरलाई और भुज पर अटैक को भारत ने नाकाम कर दिया। इन जगहों पर बरामद मलबा पाकिस्तानी हमले की पुष्टि करते हैं। इसके बाद गुरुवार सुबह भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान के कई ठिकानों पर एयर सिस्टम को निशाना बनाया। इंडियन अटैक में लाहौर में एयर डिफेंस सिस्टम को नाकाम कर दिया गया। पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर अकारण गोलीबारी तेज कर दी है। कुपवाड़ा, बारामूला, मेंढर और पुंछ में भारी गोलाबारी की जा रही है। इसमें 16 लोगों की जान गयी। इनमें तीन महिलाएं और पांच बच्चे शामिल थे। भारत ने इसका जवाब दिया। हम तनाव बढ़ाना नहीं चाहते हैं। भारत केवल जवाब दे रहा और आगे भी हर हमले का जवाब देगा।

पाकिस्तान ने टीआरएफ की भूमिका का विरोध किया था: विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में पहलगाम के बारे में बातचीत चल रही थी, तब पाकिस्तान ने द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) की भूमिका का विरोध किया था। ऐसा तब हुआ जब टीआरएफ ने एक बार नहीं, बल्कि दो बार हमले की जिम्मेदारी ली। कर्नल कुरैशी और विंग कमांडर सिंह ने कल और आज भी साफ तौर पर कहा कि भारत की प्रतिक्रिया गैर-बढ़ाने वाली, सटीक और नपी-तुली है। हमारा इरादा मामले को बढ़ाने का नहीं है और हम केवल बढ़ोतरी का जवाब दे रहे हैं। किसी भी सैन्य लक्ष्य को निशाना नहीं बनाया गया है, केवल पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाया गया है।

विदेश सचिव ने आतंकियों के जनाजे की तस्वीर दिखाकर पूछा- यहां सेना का क्या काम

विदेश सचिव ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में केवल आतंकी इमारतें ही टारगेट थीं। पाकिस्तान दावा कर रहा है कि भारत के ऑपरेशन में सिर्फ आम नागरिक मारे गये। वहां आतंकवादियों के अंतिम संस्कार की तस्वीरें देखिये। अगर आम नागरिक मारा गया है तो अफसरों की फौज आतंकी हाफिज अब्दुल राउफ के साथ क्यों आयीं। आतंकवादियों के शव को पाकिस्तानी झंडे में लपेटा गया था। उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार पूरी सच्चाई बयां करता है। पाकिस्तान का दावा पूरी तरह से झूठा है। हमने जिन्हें टारगेट बनाया उनमें कुछ ऐसी इमारतें थीं, जहां कट्टरता की ट्रेनिंग दी जाती थी और इन्हें धार्मिक इमारतों की आड़ में छिपाया जाता था।

पाकिस्तान ने गुरुद्वारे पर हमला किया

विदेश सचिव ने कहा कि सीजफायर वॉयलेशन के दौरान पाकिस्तान ने सिख गुरुद्वारे पर हमला किया। पाकिस्तानी फायरिंग में 16 नागरिक मारे गये और 59 लोग घायल हैं। पाकिस्तानी आर्मी चीफ ने 16 अप्रैल को भाषण दिया था, जो पूरी तरह धार्मिक रंग में रंगी हुई थी। भारत में सभी धर्मों के लोग बराबरी से रहते हैं। पूरी दुनिया ने पहलगाम हमले की निंदा की है। भारत ने सिर्फ जवाब दिया, पहलगाम हमला वो चीज थी, जिसने तनाव बढ़ाया। पाकिस्तान सिर्फ प्रोपेगैंडा फैला रहा है।

भारत ने 6 दशक तक सिंधु जल समझौते को माना

विक्रम मिसरी ने कहा कि पिछले दो साल से भारत सरकार पाकिस्तान से बात कर रही है। उन्हें नोटिस भेजकर सिंधु समझौते में कुछ मॉडिफिकेशन की बात की है। हमने 6 दशक तक इस समझौते का सम्मान किया। तब भी, जब पाकिस्तान ने हमसे जंग की। पाकिस्तान ने इस समझौते की शर्तें तोड़ी हैं। हमें हमारे अधिकारों का इस्तेमाल करने से रोका गया। भारत की सहनशीलता है जो सिंधु समझौते को 65 साल से निभा रहे हैं। पाकिस्तान ने हमारी अपील पर कोई ध्यान नहीं दिया। यह संधि 50-60 के दशक में हुई थी। टेक्निकल चेंज, डेमोग्राफिक चेंज पर ध्यान देना होगा। आतंकी हमलों के चलते इस समझौते में दिक्कतें आयीं। इसके बाद भारत ने इस संधि को रद्द करने का फैसला लिया।

'सुदर्शन चक्र' ने पाक के मिसाइलों को रास्ते में ही मारकर ध्वस्त किया

नयी दिल्ली/जम्मू (आजाद सिपाही)। भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर चला कर नौ आंतकी ठिकानों को तबाह किया गया। 100 से ज्यादा आंतकी मारे गये। भारत की इस कार्रवाई के बाद भी आतंकवाद को पनाह देने वाला पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। सीमा पर भारी गोलीबारी के अलावा कई जगहों पर मिसाइल हमले करने की कोशिश भी की है। पाकिस्तान ने बुधवार देर रात ड्रोन और मिसाइलों का उपयोग करके अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, भटिंडा, चंडीगढ़, नल, फलोदी, उत्तरलाई और भुज सहित उत्तरी और पश्चिमी भारत में कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का प्रयास किया। भारत के एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 ने इन मिसाइलों और ड्रोन को रास्ते में ही नेस्तनाबूत कर दिया। इन हमलों के मलबे अब कई स्थानों से बरामद किये जा रहे हैं, जो पाकिस्तानी हमलों को साबित करते हैं।

400 किमी तक की दूरी के खतरों को रोकने में सक्षम

बताते चलें कि एस-400 मौजूदा समय में दुनिया की सबसे धांसू वायु रक्षा प्रणाली है। इसे 'सुदर्शन चक्र' का भी नाम दिया गया है। भारत ने इस सिस्टम को अपने सबसे प्रमुख रक्षा सहयोगी रूस से खरीदा है। अपने नाम के अनुरूप एस-400 सिस्टम 400 किलोमीटर तक की दूरी पर मौजूद खतरों को रोकने में सक्षम हैं। वहीं यह 600 किलोमीटर दूर तक के टारगेट को भी ट्रैक कर सकता है। भारत ने अब तक ऐसे चार सिस्टम तैनात किये हैं।

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

BABU DINESH SINGH UNIVERSITY
(Established Under Government of Jharkhand Act-06, 2023 & Section 2(f) of the UGC Act, 1956, Member of AIU, Delhi)
Admission Open 2025-26
Approved by BCI
LL.B. (3 Years) | B.A. LL.B. (Honours) (5 Years) | B.B.A. LL.B. (Honours) (5 Years)
Special Fetures - Traditional and e-Library | Highly Qualified Faculty | Legal Research Cell | Separate Hostels for Boys & Girls | 23-Year of Academic Excellence | Practical court craft & moot court | 100 + Acre Green Campus
Programs Approved by AICTE & Apex Bodies
BCA | MCA | BBA | MBA
B.TECH CSE | CSE (AI) | CE | EEE CSE (CYBER SECURITY) Regular & Lateral
DIPLOMA CSE | EEE | CE ME | EE Regular & Lateral
Others Job Oriented Courses
MERIT BASED SCHOLARSHIP UP TO 30% ON TUITION FEE
B.D.S | B.H.M.S | B.Sc. Nursing | GNM | ANM
B.Sc. (Medical) | B.Sc. (MLT) | M.Sc. (MLT)
B.Ed. | D.El.Ed | M.D. | M.D.S. | M.Sc. (Medical)
PARAMEDICAL | B.A. | B.Sc. | B.Com. | M.A.
M.Sc. | M.Com. | B.Sc. (Agriculture) | B.Pharm
D.Pharm | B.Lib.I.Sc. | M.Lib.I.Sc. | ITI
BDSU : FARATHIYA, GARHWA-822114, JHARKHAND
9661462506, 6206297213, 9934688493
For More Details Visit : bdsu.ac.in email : bdsugarhwa@gmail.com

श्याम महिला मंडल ने धूमधाम से निकाली निशान यात्रा

एकादशी पर भक्तिमय माहौल में सजा बाबा श्याम का दरबार

आजाद सिपाही संवाददाता

झुमरीतिलैया। एकादशी के अवसर पर श्याम महिला मंडल द्वारा 39वीं निशान यात्रा भक्तिमय माहौल में निकाली गयी। यह निशान यात्रा दुर्गा कॉम्प्लेक्स स्थित दुर्गा मंदिर से विधिवत पूजा-अर्चना के बाद आरंभ हुई। जिसकी पूजा पंडित जीवकांत झा द्वारा करायी गयी। इस मौके पर यजमान के रूप में बरही निवासी सोनी केसरी, अशोक केसरी शामिल हुए। निशान यात्रा में एक सजे-धजे वाहन पर बाबा श्याम का दरबार सजाया गया था। निशान यात्रा दुर्गा मंदिर से झंडा चौक, स्टेशन रोड, अड्डी बंगला होते हुए श्याम बाबा पथ स्थित श्याम मंदिर तक पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने

बाबा को निशान अर्पित किया। इस दौरान रास्ते भर श्रद्धालु भावविभोर होकर भजन गा रहे थे– सब कुछ है तेरा सरकार, मेरा तो कुछ भी नहीं..राधे-राधे बोल, श्याम आयेंगे.., और ओ दर्जी सिल दे निशान, मन खाटू जाना से..। यात्रा में कुल 42 श्रद्धालु निशान यात्रा लेकर शामिल हुए। जिसमें 15 श्रद्धालु बरही से थे। यात्रा के समापन के उपरांत श्याम पोद्दार निवास स्थित श्याम मंदिर, पानी टंकी रोड स्थित खेतान निवास और अन्य स्थानों पर ताली कीर्तन की गूंज और भक्तिरस से सराबोर भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ।

इस अवसर पर हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा.., तीन बाणधारी, तीनों बाण चलाओ ना.., और मुश्किल में है दास तेरा, अब जल्दी आओ ना..जैसे भावपूर्ण भजनों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। बाबा श्याम का अलौकिक श्रृंगार किया गया था, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हुए। इस धार्मिक आयोजन में कृतिका मोदी, सोनी केसरी, बेबी केसरी, मोनिका केसरी, ज्योति गुप्ता, मुली शर्मा, ज्योति शेखावत, पूजा शर्मा, प्रिया केसरी, गुनगुन रानी, अशोक केसरी, रितेश सिन्हा,रितेश सिंह, कुसुम चौधरी, बबीता जोशी, शालू सेठ, अंजना केडिया, सारिका केडिया, निशा कौनते, तनु केसरी, गोलू केसरी, रोशनी कुमारी, सिकन्दर कुमार और सीमा कुमारी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शोभा यात्रा में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

विष्णुगढ़ (आजाद सिपाही)। उत्तर वाहिनी जमुनिया नदी, भास्कर धाम, हनुमान धारा में नवनिर्मित सूर्य मंदिर में भगवान भास्कर सह हनुमत प्राण प्रतिष्ठा को लेकर गुरुवार को भगवान के प्रतिमा को का नगर भ्रमण कराया गया। नगर भ्रमण की शुरुआत महायज्ञ स्थल से हुई। नगर भ्रमण में भारी संख्या महिला पुरुष बच्चे श्रद्धालु के रूप में शामिल हुए। ढोल नगाड़े और वाद्य यंत्रों से पूरा विष्णुगढ़ गुंजायमान होता रहा। श्रद्धालु भगवान भास्कर की जय, बजरंगबली की जय, जय श्री राम, तथा भारत माता की जय का नारा लगा रहे थे। इस शोभा यात्रा के आगे आगे भगवान भास्कर और बजरंगबली का पताका लेकर चल रहे थे। शोभा यात्रा विष्णुगढ़ के मुख्य रूप से महावीर चौक, अखाड़ा चौक, तेली मोहल्ला, रामा दुर्गा स्थान, सात मील चौक चौराहा से गुजरते हुए महायज्ञ स्थल पर पहुंचकर समाप्त हुआ। तपती धूप को देखते हुए जगह–जगह पर श्रद्धालुओं के लिए पानी शरबत की व्यवस्था की गयी थी। इस नगर भ्रमण में महिलाऐं झूमते गाते दिखे। हल्की बूंदाबांदी होने से श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा गया। नगर भ्रमण में विष्णुगढ़ प्रखंड की विभिन्न क्षेत्रों के श्रद्धालु शामिल थे। विष्णुगढ़ के सभी वर्गों की एकता दिखाई दे रही थी। मुख्य रूप से समिति के सक्रिय कार्यकर्ता और स्थानीय जनप्रतिनिधि व्यवस्था को व्यवस्थित करने में लगे हुए थे। अध्यक्ष रामेश्वर सिंह, उपाध्यक्ष अजय कुमार बबलू, आंनद राम, सचिव नवल किशोर वर्मा, उप–सचिव शंकर गोस्वामी, विनोद सिंह, कोषाध्यक्ष प्रयाग सोनी, सक्रिय सदस्य त्रिवेणी स्वर्णकार, जगदीश स्वर्णकार, राजेन्द्र प्रसाद सिंह, बबलू सिंह, युगल स्वर्णकार, सुरेश भगत, मोहन लाल बरनवाल, पुरन प्रसाद साहू, चमारी नायक, गुरु प्रसाद साव, अजय साव, शेखर सुमन, निर्मल कुमार, नीतीश कुमार, शशि कुमार लाहकार, अजय बरनवाल, बच्चन राम मेहता, अनुज सोनी, अनुज चंद्रवंशी, निर्मल कुमार, बबिता बरनवाल, प्रकाश सिंह, दीपा बरनवाल, प्रमोद साव समेत सैकड़ों लोगों ने अपनी अहम भागीदारी निभाई।

बच्चों के बीच बैग का वितरण

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। बड़कागांव के पीएम श्री मध्य विद्यालय में बुधवार को प्रधानाध्यापक अशोक कुमार की अध्यक्षता में विद्यार्थियों के बीच बैग और ज्ञानसेतु का पुस्तक वितरण किया गया। मुख्य अतिथि मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार, पंचायत समिति सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि कृष्णा राम, प्रबंधन समिति के अध्यक्ष तारणी प्रसाद के हाथों वितरण किया गया। मुखिया रंजीत कुमार ने कहा कि पीएम श्री मध्य विद्यालय में विद्यार्थियों को किताब, कॉपी, स्टेमन एम बॉक्स ड्रेस और भोजन मिलता है। इसलिए विद्यार्थियों से अपील करता हूं की पढ़ाई लिखाई ध्यान से करें। मौके पर प्रधानाध्यापक अशोक कुमार, शिक्षक चेतलाल राम, हेमेंद्र कुमार, दीपक राणा, नीलू कुमारी, निगार सुलताना, निधि कुमारी सिन्हा, मुनेश कुमार राम, कमलेश श्रीवास्तव, रामवृक्ष राम, देवनाथ कुमार, नकुल महतो, संजय सागर, राजू कुमार, देवेंद्र कुमार, तुलसी कुमार महतो, कार्तिक सोनी, जमशेद अंसारी, कैसर अंजुम, शकुंतला कुमारी, चंद्रामती वर्मा, रजनी कुमारी, पुष्पा कुमारी, बसंती देवी समेत अन्य शिक्षाक मौजूद थे।

भारतीय सेना की सफल नीति का आभार : ओम प्रकाश

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। बीते दिन आतंकवादियों के द्वारा जिस प्रकार पहलगाम में लोगों से धर्म पूछ कर हत्या की गयी उसके जवाब में 15 दिनों के अंदर भारतीय सेना ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकी ठिकानों को नष्ट कर बदला लिया। उसे भारतीयों में काफी खुशी की लहर है। यह केंद्र सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति का परिणाम के साथ-साथ भारतीय सेना की वीरता का परिणाम है। भारतीय सेना के सफल ऑपरेशन सिंदूर से खुशी का इजहार करते हुए भाजपा नेता सह पूर्व सांसद प्रतिनिधि ओम प्रकाश मेहता ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने जिस प्रकार वीरता का परिचय दिया और मिशन को सफल बनाया उसके लिए मैं भारतीयों सेना को तहे दिल से

सैल्यूट करता हूं। भारतीय सेना ने यह साबित कर दिया है कि किसी भी परिस्थिति में हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। आगे श्री मेहता ने कहा कि पाकिस्तान में घुसकर भारतीय सेना ने आतंकवादी के ठिकानों को जिस वीरता के साथ नष्ट किया वह निश्चित तौर पर पूरे भारतीयों के लिए फक्र की बात है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी पूरी टीम की दृढ़ इच्छा शक्ति एवं सफल नीति को भी मैं सलाम करता हूं।

चलंत लोक अदालत सह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

डोमचांच (आजाद सिपाही)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वावधान में दिन गुरुवार को डोमचांच प्रखंड के बगड़ो पंचायत पंचायत सचिवालय भवन में चलंत लोक अदालत सह विधिक जागरूकता आयोजन किया गया। जिसमें अतिथि के रूप में एलएडीसी कोडरमा के अधिवक्ता ललन चौधरी जबकि विशिष्ट के रूप में बगडो पंचायत की मुखिया रेखा देवी, मेडिएटर अधिवक्ता संगीता रानी, मुखिया, पैनल अधिवक्ता रोहित कुमार सिंह, मुखिया प्रतिनिधि प्रतिनिधि राजेंद्र मौजूद थे। मुख्य अतिथि ललन चौधरी ने कहा कि चलंत लोक अदालत सह विधिक जागरूकता शिविर का उद्देश्य यह है कि लोगों को लोगों को कानून के प्रति जागरूक कर उन्हें उनके अधिकारों को दिलवाना। उन्होंने कहा आज लोग जानकारी के अभाव में बहुत सारे अधिकारों से वंचित रह जाता है इसलिए बहुत जरूरी है उनको कानून का जानकारी होना। मेडिएटर अधिवक्ता पैनल अधिवक्ता रोहित कुमार सिंह ने कहा कि समाज में आज भी बाल विवाह घरेलू हिंसा, बाल श्रम, महिला उत्पीड़न जैसे गंभीर मामले देखने को मिलता है इसे दूर करने का एक ही उपाय है सबसे पहले लोगों जागरूक होना होगा तभी इस तरह के गंभीर मामले को रोका जा सकता है। विशिष्ट अतिथि मुखिया रेखा देवी ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारे पंचायत भवन में विधिक जागरूकता शिविर होना बहुत ही बहुत ही गर्व की बात है। मुखिया प्रतिनिधि राजेंद्र यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार सेवा कोडरमा के द्वारा समय-समय पर कानून से जुड़ी जानकारी के लिए इस तरह का शिविर का आयोजन किया जाता है जिससे ग्रामीण लोग जागरुक हो सके। मौके पर रोजगार सेवक मनोज कुमार पंकज, पीएलवी मनोज कुमार, अनिल कुमार यादव, गुंजा कुमारी, श्रुति माला, विक्की पासवान, के अलावे बगड़ो पंचायत के अनिल यादव, सूरज कुमार साहू, सुनील शर्मा, आशा देवी, अनु कुमारी, सुनीता देवी, कुसुम देवी, सोनी कुमारी, बबीता देवी इत्यादि मौजूद रहे।

ट्रैफिक समस्या को लेकर हजारीबाग के व्यापारी परेशान

एसपी और विधायक से मिल कर रखी समस्या

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। फेडरेशन ऑफ हजारीबाग चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह के आवासीय कार्यालय में मुलाकात की। इस बैठक में हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद भी विशेष रूप से शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य शहर में बढ़ती ट्रैफिक समस्या और व्यापारियों को आ रही विभिन्न कठिनाइयों पर चर्चा करना था। प्रतिनिधिमंडल ने शहर

के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में लगातार लगने वाले जाम, अतिक्रमण और यातायात नियमों के असंगत अनुपालन से उत्पन्न हो रही समस्याओं को विस्तार से रखा।

व्यापारियों ने बताया कि ट्रैफिक जाम के कारण व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव। टोटो का आवागमन बंद, वाहन पार्किंग व्यवस्था के अभाव में असंतुलित यातायात। व्यापारिक प्रतिष्ठानों के आसपास अतिक्रमण की समस्या है। पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और कहा आप सभी व्यापारीगण आपस में समन्वय स्थापित कर ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर करने हेतु एक व्यावहारिक नक्शा (ट्रैफिक मैप) तैयार करें। प्रशासन उस मैप के आधार पर कार्य योजना बनायेगा और चरणबद्ध ढंग से समाधान सुनिश्चित किया जायेगा। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने बैठक में आश्वासन देते हुए कहा की व्यापारियों की समस्या मेरी अपनी समस्या है। मैं सदैव आप लोगों के साथ हूं। शीघ्र ही एक विस्तृत बैठक व्यापारियों के साथ आयोजित की जायेगी, जिसमें सभी बिंदुओं पर ठोस निर्णय लिया जायेगा और प्रशासन के साथ मिलकर एक समन्वित कार्य योजना बनायी जायेगी।

अमन साहू को एनकाउंटर में मार गिराने वाले पीके सिंह को रामगढ़ में मिली अहम जिम्मेवारी

एसपी अजय कुमार ने प्रमोद कुमार सिंह को बनाया रामगढ़ थाना प्रभारी

एसपी अजय कुमार ने रामगढ़, रजरप्पा और कुजू थाना प्रभारी बदला

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। कुख्यात गैंगस्टर अमन साहू को एनकाउंटर में मार गिराने वाला प्रमोद कुमार सिंह को रामगढ़ जिला में अहम जिम्मेवारी मिली है। गुरुवार को रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने पीके सिंह को रामगढ़ थाना का प्रभारी बनाया है।

उनके पदस्थापन के बाद अपराध में कमी आने का कयास लगाया जा रहा है। क्योंकि उन्हें झारखंड में एनकाउंटर स्पेसलिस्ट के नाम से जाना जाता है। एसपी अजय कुमार ने गुरुवार को एक आदेश जारी कर रामगढ़, रजरप्पा और कुजू थाना प्रभारी का तबादला कर दिया है। एसपी ने रामगढ़ थाना में पदस्थापित कृष्ण कुमार को रजरप्पा थाना प्रभारी, रामगढ़ थाना में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर आशुतोष कुमार सिंह को कुजू ओपी प्रभारी और रामगढ़ पुलिस लाइन में पदस्थापित प्रमोद कुमार सिंह को रामगढ़ थाना प्रभारी नियुक्त किया है। इसके अलावा उन्होंने रजरप्पा थाना में पदस्थापित थाना प्रभारी नवीन कुमार पांडे और कुजू ओपी प्रभारी मो नौशाद को लाइन हाजिर कर दिया है। उन्होंने निर्देश दिया है कि अविलंब अपने नव पदस्थापन स्थान पर योगदान देकर अनुपालन प्रतिवेदन समर्पित करेंगे।

डीसी ने की टोकीसूद ब्लॉक 2 कोल परियोजना चालू करने को लेकर बैठक

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। रामगढ़ जिला अंतर्गत पतरातू प्रखंड में टोकीसूद ब्लॉक 2 कोल परियोजना चालू करने को लेकर के संबंधित क्षेत्र के निवासियों की उपस्थिति में गुरुवार को डीसी चंदन कुमार की अध्यक्षता में जिला समाहरणालय के सभागार में बैठक आयोजन किया गया। बैठक के दौरान सर्वप्रथम डीसी ने पतरातू प्रखंड अंतर्गत टोकीसूद ब्लॉक 2 कोल परियोजना चालू करने को लेकर आ रही समस्याओं से सभी को अवगत कराया गया। इस दौरान भूअर्जन, नौकरी सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर अपर समाहर्ता, भूमि सुधार उप समाहर्ता, टोकीसूद ब्लॉक 2 कोल परियोजना के पदाधिकारियों और ग्राम के निवासियों के साथ चर्चा की गयी। मौके पर ग्रामीणों द्वारा अपने पक्ष को सभी के समक्ष रखा गया। जिस पर डीसी और परियोजना के अधिकारियों द्वारा कई महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गयी। साथ ही परियोजना चालू करने को लेकर कई महत्वपूर्ण विषयों पर परिचर्चा के क्रम में आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। बैठक में अपर समाहर्ता, भूमि सुधार उपसमाहर्ता, प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा, अंचल अधिकारी पतरातू सहित अन्य उपस्थित थे।

रजरप्पा मंदिर में विधि व्यवस्था रहेगी दुरुस्त: थाना प्रभारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रजरप्पा। रामगढ़ जिला के रजरप्पा थाना के नये प्रभारी बने कृष्ण कुमार ने पदभार संभाला। इस मौके पर पूर्व थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडेय के द्वारा नव पदस्थापित इंस्पेक्टर को बुके देकर थाना परिसर में स्वागत किया गया। इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान नये थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि रजरप्पा मंदिर की विधि व्यवस्था दुरुस्त रहेगी, मंदिर परिसर में देश प्रदेश से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं को पूजा अर्चना करने में बेहतर सुविधा दी जायेगी, मंदिर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था विशेष निगरानी रखी जायेगी। इस दौरान उन्होंने बताया कि रजरप्पा मोड़ से चितरपुर में रोड मे ट्रैफिक व्यवस्था पर विशेष ध्यान रखा जायेगा साथ ही रजरप्पा थाना क्षेत्र के चितरपुर और दुलमी प्रखंड की आम जनता की जन समस्याओं का समाधान करना मेरी प्राथमिकता होगी पूरे क्षेत्र में विधि व्यवस्था दुरुस्त किया जायेगा। कोयला माफिया और कोयला तस्करों पर शिकंजा कसा जायेगा, अवैध तरीके से तस्करी करने वाले लोगों पर सीधे होगी कानूनी कार्रवाई। आम जनता से अपील की गयी है की किसी भी प्रकार की कोई जन समस्या अथवा कोई परेशानी होने पर सीधे फोन से जनसंपर्क कर सकते हैं।

उज्ज्वला फाउंडेशन के अध्यक्ष जगेश्वर ने सिलाई प्रशिक्षण का किया निरीक्षण

कुजू (आजाद सिपाही)। बोंगावार में उज्जवला फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे सिलाई व कंप्यूटर प्रशिक्षण का गुरुवार को फाउंडेशन अध्यक्ष जगेश्वर प्रजापति ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षुओ को सावधानी पूर्वक सिलाई व कंप्यूटर सीखने की बात कही। कहा कि यह प्रशिक्षण संस्था के सदस्यों को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दिलायेगा। तत्पश्चात फाउंडेशन के पदाधिकारियों संग बैठक की। जिसपर फाउंडेशन की मजबूती और विस्तार पर चर्चा करते हुए आगे भी विभिन्न तरह का प्रशिक्षण कराया जायेगा। इस दौरान प्रशिक्षण प्राप्त कर रही 24 महिलाओं के बीच शिफ्ट मैनेज किया। जिसमें 9 बजे से पहला शिफ्ट में श्रीराम चौक, कुजू चटनिया बस्ती, बोंगावार और एक बजे दूसरी शिफ्ट में दिगवार, पैंकी, बुढ़ाखाप की महिलाएं शामिल रहेंगी। सिलाई प्रशिक्षण सुनीता कुमारी की अगुवाई में होगी। मौके पर आशा कुमारी, शांति देवी, मनसरी देवी, कौशल्या देवी, सुमन देवी, सुनिता कुमारी, गुड़िया देवी, पूनम देवी, सुशीला कुमारी, मीना देवी, छोटन प्रजापति आदि शामिल रहे।

चतरा में 52 आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण कार्य प्रारंभ करने का निर्देश

चतरा (आजाद सिपाही)। विकास भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा ने समाज कल्याण विभाग अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण और बिजली कनेक्शन से संबंधित बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें जिला अभियंता, जिला परिषद चतरा, कार्यपालक अभियंता एनआरईपी और विद्युत प्रमंडल, उपस्थित थे। बैठक में पीएम जन मन के तहत बनने वाले 14 और एनआरइपी के तहत 38 आंगनबाड़ी केंद्र भवन का निर्माण अविलंब प्रारंभ करने का निर्देश दिया गया। जिला अंतर्गत सरकारी भवन में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों में विद्युत आपूर्ति माह के अंत तक पूर्ण करने हेतु सूची कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल को उपलब्ध करायी गयी।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। विश्व रेडक्रॉस दिवस पर गुरूवार को प्रखंड कार्यालय के निकट स्थित रेडक्रॉस कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चेयरमेन अनूप कुमार ने किया। इस दौरान रेडक्रॉस के सदस्यों को पिन फ्लैग लगाया गया। मौके पर डीसी चंदन कुमार, डीडीसी रोबिन टोप्पो, सिविल सर्जन डॉ महालक्ष्मी प्रसाद आदि अधिकारियों को पिन फ्लैग लगाकर सम्मानित किया गया। इस दौरान रेडक्रॉस की भूमिका पर चर्चा की गई और इसके माध्यम से लोगों के मदद का निर्णय लिया गया। मौके पर महावीर अग्रावाल, इंद्रपाल सिंह सैनी, अमित कुमार सिन्हा, अजीत जायसवाल, अभिषेक अग्रवाल, दीपक सिन्हा, राजेश प्रसाद, बिनय सिंह, रोहित वर्मा, टिकेश्वर कुशवाहा आदि उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस दिवस पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

गरीबों के बीच साबुन-सर्फ का वितरण किया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी भवन चतरा में 8 मई को अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस दिवस मनाया गया। मौके पर स्वास्थ्य सामग्री का वितरण और निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सदर अनुमंडल पदाधिकारी सह रेड क्रॉस के उपाध्यक्ष जहूर आलम ने झंडोतोलन कर किया। मौके पर उपस्थित रेड क्रॉस के पदाधिकारी, सदस्य और उपस्थित आम जनता को संबोधित करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि 8 मई का दिन मानवता, करुणा और सेवा की भावना को

समर्पित है। मौके पर रेड क्रॉस के सचिव धर्मेंद्र पाठक, कोषाध्यक्ष गोपाल कुमार वर्मा, मेडिकल ऑफिसर डॉ विजय अग्रवाल, रेड क्रॉस कार्यसमिति सदस्य संजय अग्रवाल, जावेद पप्पू रजा, जितेंद्र जैन, रेड क्रॉस कर्मी रत्नेश कुमार, निर्भय कुमार, विजय कुमार, मधुलता कुमारी, सुप्रिया कुमारी, जयंती भेलेन तिर्की, सुमन कुमारी, तापेश्वर सोनी के साथ साथ शत्रुध्न पंजियार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस

मौके पर एक सौ से अधिक गरीब ग्रामीणों के बीच सफाई सामग्री का वितरण किया गया। इसके तहत रिक्शा चालकों, ठेला खोमचा लगाने वालों के साथ साथ दिहाड़ी मजदूरों के बीच दो दो पैकेट सर्फ, एक एक नहाने और कपड़ा धोने का साबुन वितरित किया गया। सफाई सामग्री लेने वाले लाभुकों ने रेड क्रॉस के प्रति आभार व्यक्त किया। अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर उत्क्रमित उच्च विद्यालय गीता आश्रम में निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। जिसमें प्रथम स्थान पर शीतल रानी, द्वितीय स्थान पर मो समीर और तृतीय स्थान पर कक्षा दसम के विक्रम कुमार ने प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को शिक्षण सामग्री भेंट कर समान्नित किया गया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका रेड क्रॉस के सचिव धर्मेंद्र पाठक, विद्यालय के प्रधानाचार्य देवेंद्र कुमार और शिक्षक अमित कुमार ने निभाई। इस मौके पर प्रतियोगिता में शामिल बच्चों को एसडीओ जहूर आलम ने हौसला आफजाई किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रतियोगिता में भाग लेने से छात्रों का मानसिक के साथ साथ बौद्धिक विकास भी होता है।

OPERATION SINDOOR CONTINUES
आजाद सिपाही
कलम कलम बढ़ाये जा
रांची 09 मई, 2025, शुक्रवार, वर्ष 10, अंक 198, वैशाख, शुक्ल पक्ष, द्वादशी, संवत 2082, पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

प्रधानमंत्री ने विभागीय सचिवों को दिया निर्देश

सतर्क रहें और संवाद बनाये रखें: नरेंद्र मोदी

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सचिवों के साथ की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद बने हालात को लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी घटनाओं और तैयारियों की समीक्षा के लिए गुरुवार को विभिन्न मंत्रालयों के सचिवों के साथ बैठक की। बैठक में कैबिनेट सचिव, प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी और रक्षा, गृह, विदेश, सूचना एवं प्रसारण, ऊर्जा, स्वास्थ्य और दूरसंचार सहित प्रमुख मंत्रालयों के सचिवों ने हिस्सा लिया।

पीएम ने विभिन्न मंत्रालयों के सचिवों से कहा कि अपनी मिनिस्ट्री के ऑपरेशंस का विस्तार से समीक्षा करें। साथ ही जरूरी सिस्टम, हर समय तैयार रहने, इमरजेंसी रिस्पॉन्स और इंटरनल कम्युनिकेशन प्रोटोकॉल बनाये रखें। उन्होंने कहा कि सतर्क रहें और कम्युनिकेशन बनाये रखें। आपस में समन्वय रखें। सरकार देश और लोगों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि बैठक के दौरान कई मुद्दों पर चर्चा की गयी। पीएम मोदी ने नागरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने, गलत सूचना और फर्जी खबरों से निपटने के प्रयास, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करने आदि बातों का जिक्र किया। इसके अलावा पीएम मोदी ने बैठक में अधिकारियों से कहा कि मंत्रालयों को राज्य प्राधिकारियों और जमीनी स्तर के संस्थानों के साथ निकट समन्वय बनाए रखना जरूरी है।

रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक

पाक के खिलाफ ऑपरेशन अभी जारी है: राजनाथ

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सर्वदलीय बैठक बुलायी। बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। उन्होंने सभी दलों को ऑपरेशन सिंदूर से अवगत कराया। सूत्रों के मुताबि बैठक में राजनाथ ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, यह अब भी जारी है। राजनाथ सिंह ने इस बैठक में कहा कि ऑपरेशन अभी चल रहा है और बॉर्डर पर हालात तेजी से बदल रहे हैं, इसलिए हम अभी बहुत विस्तार से बातों को साझा नहीं कर पायेंगे। उन्होने आपरेशन सिंदूर के बारे में विपक्षी दल के नेताओं को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान के नौ आंतकी ठिकानों को ध्वस्त किया गया। इस कार्रवाई में 100 से अधिक आतंकी मारे गये।

कांग्रेस ने इस बार फिर प्रधानमंत्री की उपस्थिति का मुद्दा उठाया, लेकिन सभी पार्टियों ने यह कहा कि हम सरकार के निर्णय के साथ हैं। कांग्रेस ने कहा था कि प्रधानमंत्री को बैठक में आना चाहिए था। इसके अलावा विपक्ष ने संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग भी की। इस सर्वदलीय बैठक में सरकार की ओर से केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, एस जयशंकर, जेपी नड्डा और निर्मला सीतारमण ने हिस्सा लिया। वहीं कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे इस बैठक में शामिल हुए। इसके अलावा तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंद्योपाध्याय, द्रमुक के टी आर बालू, समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह, शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत, एनसीपी (एसपी) की सुप्रिया सुले, बीजद के सस्मित पात्रा, माकपा के जॉन ब्रिटास, जद (यू) नेता संजय झा, केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रामविलास) नेता चिराग पासवान और एआइएमआइएम के असदुद्दीन ओवैसी भी बैठक में शामिल हुए।

पाकिस्तानी संसद में आर्मी चीफ का जिक्र कर रोने लगे सांसद

एजेंसी

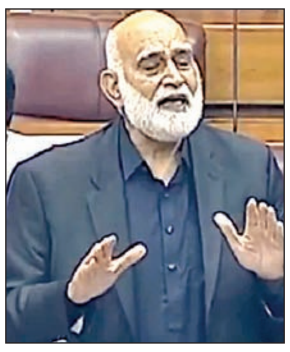

इस्लामाबाद। पुरानी कहावत है कि नमक स्वाद अनुसार और हिमाकत औकात अनुसार ही अच्छी लगती है। पाकिस्तान ने वही हिमाकत 22 अप्रैल को बेगुनाह नागरिकों की हत्या करवा कर की और पहलगाम के रूप में भारत को न भूलने वाला जख्म दिया। भारत की तरफ से उसे दंडित भी किया गया। पाकिस्तान के घर में घुसकर आतंक के ठिकानों को दोजख नसीब करवायी गयी। लेकिन फिर भी पाकिस्तान की हेकड़ी कम नहीं हुई। सीमा पार से वो अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। लेकिन इन सब के बीच पाकिस्तान के नेताओं में खौफ का आलम भी नजर आ रहा है। भारत के प्रतिकार वाले एक्शन का खौफ।

पाकिस्तानी सांसद का एक बड़ा बयान सामने आ गया है। जहां एक तरफ पाकिस्तान धमाकों से दहल रहा है, तो वहां के राजनेता भी घबराये नजर आ रहे हैं। पाकिस्तान की संसद में वहां से सांसद पाकिस्तानी फौज के जनरल से गुहार लगाते नजर आ रहे हैं। पाकिस्तान की फौज में खुद मेजर के पद पर रहने वाले सांसद ने सदन में खड़े होकर कहा कि वे टूट चुके हैं। इसके साथ ही उन्होंने जनरल आसिम मुनीर से पाकिस्तान को भारत से बचाने की अपील भी की है। ऐसा कहते हुए सांसद की आवाज भर्रा गयी और बाद में वह रोते नजर आये।

गुरुवार को पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में एक सांसद अपनी फिक्र जाहिर करते-करते गिड़गिड़ाने लगे। ये सांसद हैं पाकिस्तान की सेना के पूर्व मेजर ताहिर इकबाल। गुरुवार को पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में बोलते-बोलते उनका गला रुंध गया। उन्होंने कहा, मिलकर चलो और रब से दुआ कि हम तेरे आगे दरख्वास्त करते हैं कि इस मुल्क की हिफाजत करो। आपने (रब ने) कायदे-आजम से इंग्लैंड में मुलाकात की थी। आप उनके ख्वाब में आये थे और कहा था कि जाओ और जाकर पाकिस्तान का मसला हल करो, ये मुल्क बनकर रहेगा। अल्लाह-पाक ही इस मुल्क की हिफाजत फरमायेंगे। ...शायद ये हमारी कमी है। हम मजबूर हैं। हम गुनहगार हैं। तू हमें माफ कर दे। हम तेरे आगे सिर झुकाते हैं। माफी मांगते हैं। इसमें दो राय नहीं है कि हम तेरे बड़े गुनहगार हैं। तू रहमत का बड़ा जर्रा भी भेजेगा तो हमारी कामयाबी होगी।

पलवल के लांसनायक को दी गयी अंतिम विदाई

पिता मुखाग्नि देकर बोले-मेरे दो और बेटे भारत मां की सेवा में हैं

आजाद सिपाही संवाददाता

पलवल। भारत की पाकिस्तान पर 'ऑपरेशन सिंदूर' एयर स्ट्राइक के बाद जम्मू कश्मीर के पुंछ में पाकिस्तानी गोलीबारी में शहीद हुए हरियाणा के पलवल के लांसनायक को गुरुवार को अंतिम विदाई दी गयी। पलवल जिले में स्थित पैतृक गांव गुलाबद में उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। पिता दयाचंद ने शहीद लांसनायक बेटे दिनेश को मुखाग्नि दी।

इससे पहले दोपहर 2 बजे उनकी पार्थिव देह दिल्ली से पलवल पहुंची। जहां अंतिम यात्रा में सैकड़ों लोग जुटे। पिता दयाचंद ने बताया कि दिनेश 2014 में आर्मी में भर्ती हुए थे। इन दिनों वह जम्मू के पुंछ में थे। हाल ही में उनकी लांसनायक के पद पर प्रमोशन हुई थी। शहीद के पिता दयाचंद ने कहा कि हमारा एक बेटा शहीद हुआ है। भारत माता के लिए मेरे 2 बेटे और सेना में हैं। शहीद दिनेश की पत्नी सीमा वकील हैं। उनके एक बेटा और एक बेटी है। उनकी पत्नी सीमा इस वक्त 7 महीने की गर्भवती हैं।

ऐसे शहीद हुए लांसनायक दिनेश

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान के 9 ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के नाम से एयर स्ट्राइक की। इसमें 100 से ज्यादा आतंकी ढ़ेर हुए। इसके अगले ही दिन बौखलाए पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर के पुंछ में भारी गोलीबारी शुरू कर दी। पाकिस्तान को जवाब देने के लिए लांसनायक दिनेश ने 4 साथियों के साथ मोर्चा संभाला। इसी दौरान 4 साथियों समेत उन्हें भी गोली लग गयी। सभी घायल सैनिकों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां दिनेश को डॉक्टरों ने शहीद घोषित कर दिया था।

5 भाइयों में सबसे बड़े थे दिनेश

दिनेश अपने परिवार में 5 भाइयों में सबसे बड़े थे। उनके 2 छोटे भाई कपिल और हरदत्त भी अग्निवीर योजना के तहत सेना में भर्ती हुए हैं। वहीं एक भाई पुष्पेंद्र पढ़ाई कर रहा है और एक भाई विष्णु खेती में पिता का साथ देता है। शहीद दिनेश के पिता ने कहा कि सेना में भर्ती 2 और बेटों में एक ढाई साल पहले ही सेना में भर्ती हुआ है। उसकी पोस्टिंग पहले पंजाब के जालंधर में थी, लेकिन अब उसकी पोस्टिंग भी जम्मू में हो गयी है। वहीं दूसरे लड़के की पोस्टिंग अभी मध्यप्रदेश के जबलपुर में है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद रांची एयरपोर्ट पर सुरक्षा चाक-चौबंद

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर ' से पाकिस्तान में खलबली मची हुई है। दूसरी तरफ संभावित खतरों से निपटने के लिए भारत में सभी प्रमुख जगहों पर सुरक्षा व्यवस्था चौक-चौबंद कर दी गयी है। इस क्रम में रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर भी चौकसी बढ़ा दी गयी है। एयरपोर्ट के एंट्री गेट के बाहर भी पैसेंजर के सामान की जांच हो रही है। इस काम में सीआइएसएफ की टीम स्निफर डॉग की मदद ले रही है। एयरपोर्ट पर होनेवाली हर छोटी से छोटी गतिविधि पर भी पैनी नजर रखी जा रही है।

बता दें कि रांची एयरपोर्ट से हर दिन औसतन 25 से 27 विमान अलग-अलग शहरों के लिए उड़ान भरते हैं। यहां से दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु, पटना, पुणे से लिए सीधी विमान सेवा उपलब्ध है। रांची एयरपोर्ट के निदेशक आरआर मौर्य ने बताया है कि रांची से उड़ान भरने वाली कोई भी फ्लाइट कैंसिल नहीं हुई है। यहां आम दिनों की तरह सारे विमान तय समय पर उड़ान भर रहे हैं।

अचानक दिल्ली पहुंचे सऊदी अरब के मंत्री, ईरानी विदेश मंत्री भी आये

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। दुनियाभर के देश शांति बरतने की अपील कर रहे हैं। इस बीच सऊदी अरब के विदेश राज्यमंत्री अदेल अलीजुबैर अचानक से दिल्ली पहुंचे हैं। सऊदी अरब के मंत्री के इस दौरे को भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। सऊदी अरब के मंत्री ने नयी दिल्ली में भारतीय विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर से मुलाकात की।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि आज सुबह सऊदी अरब के विदेश राज्यमंत्री अदेल अलजुबैर के साथ अच्छी बैठक हुई। आतंकवाद का दृढ़ता से मुकाबला करने पर भारत के दृष्टिकोण को साझा किया। सऊदी अरब के विदेश राज्यमंत्री के अलावा ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची बुधवार की मध्य रात्रि नयी दिल्ली पहुंचे और एस जयशंकर से मुलाकात की।

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

ई-निविदा सूचना सं. एवं अपलोडिंग की तारीख: ई-डीवाई-डब्ल्यूडब्ल्यू-5000-डोर-2025, दिनांक 06.05.2025; भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (वैगन)/ खड्गपुर वर्कशॉप, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन हेतु मद के समक्ष उल्लेखित तारीख को अपराह्न 03.00 बजे से पहले खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं तथा अपराह्न 03.00 बजे खोली जाएगी: **कार्य का नाम:** बीओएक्सएन वैगनों के दरवाजों को अवरुद्ध करना एवं ऊंचाई कम करना। **कार्य की अनुमानित लागत:** 18% की दर से जीएसटी सहित रु. 7,15,77,340.91; **बयाना राशि:** रु. 5,07,900; **ई-निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 28.05.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण एवं ब्यौरा: www.ireps.gov.in**। इच्छुक निविदादातागण निविदा के परिपूर्ण विवरण/ब्यौरा/विनिर्देशन के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं तथा अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा करें। किसी भी परिस्थिति में इस कार्य के लिए मैनुअल निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। (PR-134)

बिहार में 12 बच्चों का नाम 'सिंदूर' रखा, लड़की हुई तो उसे 'सिंदूरी' नाम दिया

मां बोली-फौज में भेजूंगी, वह देश की सेवा करेगी

आजाद सिपाही संवाददाता

मुजफ्फरपुर। पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' की रात बिहार के मुजफ्फरपुर में जन्मे 12 नवजात का नाम उनके परिवारों ने 'सिंदूर' रखा है। वहीं, कटिहार का परिवार अपनी बेटी को 'सिंदूरी' बुलायेगा। पहलगाम हमले का बदला लेते हुए भारत ने 6-7 मई की दरमियानी रात पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक थी। इसे 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया गया है।

मां बोली-दो खुशी एक साथ मिली है

कटिहार में जन्मी बच्ची सिंदूरी के परिजन का कहना है कि पाकिस्तान पर हमले और उसी दिन उसी दिन बेटी के जन्म से वे सभी बेहद खुश हैं। कटिहार में बच्ची की मां राखी कुमारी के कहा- दो खुशी एक साथ आयी हैं।

घर में बेटी का जन्म और पाकिस्तान पर हमला। मैं अपनी बेटी को फौज में भेजूंगी, ताकि वह देश की सेवा करे।

सिंदूरी के परिजन ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना के साथ आम भारतीय भी खुद को जुड़ा हुआ महसूस कर रहे हैं।

यह लम्हा सिर्फ एक नामकरण नहीं, देशभक्ति और भावनात्मक जुड़ाव की एक मिसाल बन गया है।

जन्मदिन के साथ ऑपरेशन सिंदूर का जश्न भी मनायेंगे

मुजफ्फरपुर के बोचहा प्रखंड के कन्हारा निवासी हिमांशु राज ने अपनी बहन की बेटी का नाम सिंदूर रखा है। वे हर साल अपनी बेटी के जन्मदिन के साथ ऑपरेशन सिंदूर का जश्न भी मनायेंगे। हिंमाशु राज कहते हैं कि पाकिस्तान पर हमले के दौरान उनकी भांजी का जन्म हुआ है। इसलिए उसका नाम इन्होंने सिंदूर रखा है। हम लोगों ने हमले का वीडियो देखा, तो बहुत अच्छा लगा है। वहीं, बच्ची के पिता कहते हैं, नाम से भी फर्क पड़ता है। इससे बच्चे पर अच्छा असर पड़ेगा।

बड़ा होकर देश की सेवा करेगा पोता

सीतामढ़ी के बेलसंड थाना क्षेत्र की रहने वाली वंदना देवी ने अपने पोते का नाम सिंदूर रखा है। वंदना देवी का कहना है कि उनका पोता बड़ा होकर सेना में जाकर देश की सेवा करेगा। वहीं, मोतिहारी के फेनहारा के रहने वाले दवा कारोबारी अनिकेत कुमार ने भी अपने नवजात बेटे का नाम सिंदूर रखा है। उनका मानना है कि प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान को उचित जवाब दिया है। बच्ची की दादी मधु देवी कहती हैं कि पोता हुआ है। उसका नाम सिंदूर रखा है। क्योंकि ये नाम बहुत अच्छा लगा।

सिंदूर नाम रखना गर्व की बात : डॉ सिद्धार्थ

मुजफ्फरपुर अस्पताल के नवजात शिशु विशेषज्ञ डॉ सिद्धार्थ ने बताया कि हमारे अस्पताल में 12 बच्चों का जन्म हुआ है। लड़का हो, या लड़की हो बच्चे का नाम सिंदूर रखा गया है। ये गर्व की बात है।

DR. SHYAMA PRASAD MUKHERJEE UNIVERSITY
Ranchi, Jharkhand.

NOTICE INVITING TENDER

The Registrar, Dr. Shyama Prasad Mukherjee University, Ranchi invites tenders under two bid system (Technical Bid and Financial Bid), from experienced and reputed contractor/firms/agencies/companies only for various Civil Works (Repair and Renovation Works) & Electrical Worksin Various Departments mentioned below:

Tender ID	Tender Name
DSPMU/G/327/25	Construction of Shade Over Pavilion in Basket Ball/ Akhara Ground at DSPMU Ranchi.
DSPMU/G/328/25	Construction of Classroom, Boys and Girls Toilet in Dept of TRL at DSPMU Ranchi.

The above-mentioned Tender Documents will be published in the University website from **09.05.2025 at 04:00 PM.** Last Date & Time for submission of Tender Documents is **20.05.2025 till 01:00 PM**

The detailed information about the tender document can be obtained from the office of the Section–Officer (General) or from the University **Website: -www.dspmuranchi.ac.in.**

Memo No. : DSPMU/G/329/25 **Sd/- Registrar**
Date : 08.05.2025 DSPMU, Ranchi.

पाकिस्तान को करारा जवाब

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिये पाकिस्तान में फल-फूल रहे आतंकवाद को सधा और करारा जवाब दिया है। भारतीय कार्रवाई सटीक, संतुलित और गैर-उकसावे वाली थी। इसमें भारतीय फौज ने सिर्फ आतंकी ठिकानों को टारगेट किया। इस ऑपरेशन के जरिये भारत ने फिर यह संदेश दिया है कि वह युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर कोई उसकी तरफ आंख उठा कर देखेगा तो उसे जवाब देने से भी नहीं हिचकेगा। भारतीय सेना ने पाक अधिकृत कश्मीर और पाकिस्तान में कुल नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। इन जगहों का इस्तेमाल लश्कर-ए-तैयबा और दूसरे आतंकी संगठन कर रहे थे। यहीं पर आतंकवादियों को ट्रेनिंग दी गयी, जिन्होंने भारत में कई कायराना वारदातों को अंजाम दिया। पाकिस्तान को बार-बार इनके बारे में जानकारी दी गयी, लेकिन कोई कदम उठाने के बजाय वह इनकी मौजूदगी को ही नकारता रहा। उसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की अपीलों पर भी ध्यान नहीं दिया, बल्कि अब तो यह भी साफ है कि भारत पर और हमले करने की साजिश रची जा रही थी। 2016 और 2019 में भी भारतीय फौज ने आतंकवादी हमलों के जवाब में क्रमशः सर्जिकल स्ट्राइक और टेरर लॉन्च पैड को निशाना बनाया था। ऑपरेशन सिंदूर 2019 की कार्रवाई से कहीं बड़ी है। इसमें बड़े इलाके में फैले आतंकी इन्फ्रा को टारगेट किया गया, जो अंतरराष्ट्रीय सीमा से करीब 100 किमी अंदर थे। पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर पूरा देश गुस्से में था। उनका मकसद भारत में सांप्रदायिक तनाव फैलाना था। इसे लेकर कश्मीर सहित देश भर में आक्रोश था और भारत की तरफ से जवाब भी लाजिमी था। दरअसल, पड़ोसी देश की दिलचस्पी इन आतंकवादियों को सजा दिलाने में भारत की मदद करने की नहीं थी। सच्चाई तो यही है कि बरसों से वह आतंक को प्रश्रय देता आया है और उसकी खुफिया एजेंसी आइएसआइ की शह पर भारत में कई आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दिया गया। ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सेना ने हर लक्ष्य का चयन विश्वसनीय इंटेलिजेंस सूचनाओं के आधार पर किया। पहलगाम के 15 दिनों बाद जवाब दिया गया यानी पाकिस्तान को अपनी गलती सुधारने और अपनी जमीन पर पल रहे आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई का पूरा मौका दिया गया। पाकिस्तान ने भारतीय कार्रवाई को एक्ट ऑफ वॉर बताया है और कहा है कि उसे जवाब देने का अधिकार है। उसकी तरफ से झूठे प्रचार का युद्ध शुरू हो चुका है। उसकी मंशा संघर्ष बढ़ाने वाली लगती है। लेकिन पाकिस्तान का हित इसी में है कि वह भारत के साथ लड़ाई न बढ़ाये। आखिर, भारत ने भी यही संकेत दिया है कि वह इसे हवा नहीं देना चाहता।

ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सेना ने हर लक्ष्य का चयन विश्वसनीय इंटेलिजेंस सूचनाओं के आधार पर किया। पहलगाम के 15 दिनों बाद जवाब दिया गया यानी पाकिस्तान को अपनी गलती सुधारने और अपनी जमीन पर पल रहे आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई का पूरा मौका दिया गया।

अभिमत
आजाद सिपाही

झारखंड के अधिकांश छात्र ग्रामीण इलाकों से आते हैं, जिनके पास उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं होते। उन्हें आर्थिक और भौगोलिक दृष्टि से भी कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, कृषि आधारित परिवारों के बच्चे जब फसल के मौसम में काम करने के लिए अपने घरों में जाते हैं, तो उनकी उपस्थिति प्रभावित होती है। यह समस्या उच्च शिक्षा के स्तर पर ग्रामीण छात्रों के लिए एक बड़ी बाधा बन कर सामने आती है।

झारखंड में उच्च शिक्षा के लिए नयी राहें और संभावनाएं

डॉ आशीष आलोक

इन दिनों राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनइपी 2020) पर व्यापक चर्चा हो रही है, खास कर यह देखने की कोशिश की जा रही है कि यह नीति झारखंड जैसे राज्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किस तरह मददगार साबित हो सकती है। झारखंड, जो अपनी अनूठी सामाजिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक स्थिति के कारण कई विशिष्ट समस्याओं का सामना कर रहा है, के लिए यह नीति न केवल एक अवसर है बल्कि चुनौती भी है। झारखंड में उच्च शिक्षा का परिदृश्य कुछ ऐसी चुनौतियां पेश करता है जिनका समाधान एनइपी 2020 द्वारा किया जा सकता है।

झारखंड में उच्च शिक्षा की समस्याएं : झारखंड में उच्च शिक्षा को लेकर कई समस्याएं हैं, जो विकास की गति को धीमा करती हैं। इनमें सबसे प्रमुख हैः **1. ग्रामीण छात्रों की पहुंचः** झारखंड के अधिकांश छात्र ग्रामीण इलाकों से आते हैं, जिनके पास उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं होते। उन्हें आर्थिक और भौगोलिक दृष्टि से भी कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, कृषि आधारित परिवारों के बच्चे जब फसल के मौसम में काम करने के लिए अपने घरों में जाते हैं, तो उनकी उपस्थिति प्रभावित होती है। यह समस्या उच्च शिक्षा के स्तर पर ग्रामीण छात्रों के लिए एक बड़ी बाधा बन कर सामने आती है। उन्हें स्कूलों और कॉलेजों में नियमित रूप से उपस्थिति दर्ज कराना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि वे अपने परिवारों की मदद करने के लिए कृषि कार्यों में शामिल होते हैं। इससे उनके अध्ययन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और उनकी शैक्षिक यात्रा में रुकावट आती है।

उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक संसाधनों की कमी झारखंड में एक बड़ी समस्या है।

2. कौशल आधारित शिक्षा का अभावः वर्तमान शिक्षा प्रणाली में अधिकतर पाठ्यक्रमों में सैद्धांतिक ज्ञान पर जोर दिया जाता है, जबकि कौशल विकास पर ध्यान नहीं दिया जाता। यह खासकर ग्रामीण छात्रों के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरता है, क्योंकि विद्यार्थियों को अक्सर रोजगार की तलाश होती है। जब शिक्षा प्रणाली केवल शैक्षिक या सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित रहती है और कौशल आधारित शिक्षा पर ध्यान नहीं दिया जाता, तो विद्यार्थियों को रोजगार प्राप्त करने में कठिनाइयाँ होती हैं। छात्र तकनीकी और व्यावसायिक कौशलों की कमी के कारण बेहतर अवसरों को प्राप्त करने में असमर्थ होते हैं, और इस प्रकार उनका सामाजिक और आर्थिक उत्थान बाधित होता है।

3. व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की संख्या में वृद्धि के साथ-साथ सुधार : यह देखा गया है कि विश्वविद्यालयों में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की शुरुआत के बाद से इनका प्रदर्शन अपेक्षाकृत अच्छा नहीं रहा है। इसका मुख्य कारण शिक्षकों की कमी और पाठ्यक्रमों का समय पर पूरा न होना है। इसके अतिरिक्त, इन पाठ्यक्रमों की मार्केट ओरिएंटेड (बाजार से जुड़ी) संरचना के कारण छात्रों को नौकरी प्राप्त करने में भी समस्याएं आ रही हैं। क्या व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सीधे उद्योग से जोड़ना होता है, लेकिन यदि ये पाठ्यक्रम सही तरीके से और समय पर नहीं चलते हैं, तो इनकी प्रभावशीलता कम हो जाती है। साथ ही, शिक्षा की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। ऐसे में, यह जरूरी है कि इन पाठ्यक्रमों के संचालन में सुधार किया जाये, साथ ही छात्रों को न केवल रोजगार के अवसर प्रदान किये जायें, बल्कि उन्हें उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा भी मिले ।

4. आधारभूत संरचनाओं की कमी : एनइपी में शिक्षा के क्षेत्र में कई सकारात्मक बदलाव लाने की योजना है, जैसे कि मल्टी-डिसिप्लिनरी कॉलेज और विश्वविद्यालयों का निर्माण, लेकिन झारखंड में अधिकांश उच्च शिक्षा संस्थानों में आधारभूत संरचनाओं (प्रयोगशाला, पुस्तकालय, अनुसंधान) की भारी कमी है विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां कॉलेजों और विश्वविद्यालयों का घनत्व कम है, वहां छात्रों को पर्याप्त शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। नयी शिक्षा नीति का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को अधिक छात्रों तक पहुंचाना है, लेकिन बिना आधारभूत संरचनाओं के यह एक चुनौती बनी रहती है।

5. शिक्षक और शैक्षिक गुणवत्ता की कमी : झारखंड में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी समस्या योग्य और प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी है। एनइपी में शिक्षक शिक्षा को मजबूत करने की योजना है, लेकिन राज्य में अच्छे शिक्षकों की कमी है, जो नीति के उद्देश्यों को पूरा करने में रुकावट डालती है। सरकार को इस क्षेत्र में और अधिक निवेश करने की आवश्यकता है, ताकि उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षक तैयार किये जा सकें।

6. शिक्षण सामग्री और तकनीकी सहायता का अभाव : डिजिटल शिक्षा पर एनइपी का खास जोर है, लेकिन झारखंड में इंटरनेट की पहुंच और डिजिटल संसाधनों की कमी है ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या है, जिससे ऑनलाइन शिक्षा के लिए छात्रों के पास पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। इसके अलावा, शिक्षण सामग्री की गुणवत्ता और उपलब्धता में भी भारी अंतर है। एनइपी के तहत दी जाने वाली तकनीकी सहायता और डिजिटल शिक्षा की दिशा में झारखंड को बहुत ध्यान देने की जरूरत है।

7. भाषाई और सांस्कृतिक ज्ञान (देशज ज्ञान) एवं गांवों का वैज्ञानिक और पारिस्थितिकी-आधारित जीवनः झारखंड के गांवों में निवास करने वाले लोग पारंपरिक रूप से अपने जीवन को विज्ञान और पारिस्थितिकी के सान्निध्य में जीते हैं। उनकी कृषि पद्धतियां, जल प्रबंधन तकनीक और पर्यावरण के प्रति उनका दृष्टिकोण अत्यंत वैज्ञानिक और सुसंगत हैं। इस वैज्ञानिक सोच और पारिस्थितिकी के ज्ञान को अगर शिक्षा के साथ जोड़ दिया जाये, तो यह न केवल ग्रामीणों की जीवन गुणवत्ता को बेहतर बना सकता है, बल्कि एक ऐसा समग्र शिक्षा मॉडल भी तैयार कर सकता है, जो स्थानीय जरूरतों और संसाधनों के अनुरूप हो। झारखंड में कई जनजातीय समुदायों की उपस्थिति है, जिनकी अपनी भाषाएं और सांस्कृतिक विशेषताएं हैं। एनइपी में स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा देने की बात कही गयी है, लेकिन झारखंड में स्थानीय भाषाओं में शिक्षा देने के लिए प्रशिक्षित शिक्षक और शैक्षिक सामग्री की कमी है।

8. आर्थिक पिछड़ापन : उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक संसाधनों की कमी झारखंड में एक बड़ी समस्या है। कई छात्र उच्च शिक्षा के लिए राज्य के बाहर जाने के लिए सक्षम नहीं हैं, और महाविद्यालयों में भी शिक्षा महंगी होती जा रही है। एनइपी में शिक्षा को सस्ता और सुलभ बनाने की दिशा में राज्य सरकार को विशेष कदम उठाने होंगे।

9. आदिवासी और महिला छात्रों की स्थिति : झारखंड में आदिवासी और महिला छात्रों के लिए उच्च शिक्षा की पहुंच एक गंभीर मुद्दा है। एनइपी में लड़कियों और विशेष रूप से आदिवासी बच्चों को प्राथमिकता देने का वादा किया गया है, लेकिन वास्तविकता यह है कि इनके लिए उच्च शिक्षा में प्रवेश पाना एक कठिन कार्य है महिला शिक्षा की स्थिति को मजबूत करने के लिए सरकार को विशेष योजनाएं बनानी होंगी। इस में समाज और परिवार को बहुत जागरूक होना होगा।

(लेखक : शिक्षा और अनुसंधान से जुड़े हैं।)

कोल्हान की खबरें

ऑपरेशन सिंदूर पर भाजपा प्रवक्ता ने दी तीखी प्रतिक्रिया

अब आतंकवाद के खिलाफ आर-पार की लड़ाई अनिवार्य है : अमरप्रीत सिंह काले

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। देश की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए चल रहे ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में झारखंड भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले ने कड़ा संदेश दी। दिल्ली में आयोजित सर्वदलीय बैठक में श्री काले ने कहा बहुत हो चुका अब, आतंकवाद के खिलाफ आर-पार की बात होनी चाहिए। यह केवल युद्ध नहीं,यह धर्म युद्ध है। आतंकवाद को जन्म देने और पालने वालों को अब उनके अंजाम तक पहुंचाना अनिवार्य है। श्री काले ने दिल्ली में आयोजित सर्वदलीय बैठक में सभी प्रमुख राजनीतिक दलों द्वारा भारतीय सेना और सरकार के समर्थन में एकजुट खड़े होने के संकल्प का स्वागत किया। उन्होंने इसे राष्ट्रीय एकता और राजनीतिक परिपक्वता के प्रतीक बताया। काले ने कहा ऑपरेशन ह्यसिंदूर केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं है, बल्कि यह भारत की अखंडता, सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा में उसकी अटूट प्रतिबद्धता के प्रतीक है। भारतीय सेना की यह कार्रवाई दशार्ती है भारत अब आतंक के विरुद्ध किसी प्रकार का समझौता करने को तैयार नहीं।उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा ह्लप्रधानमंत्री का सशक्त नेतृत्व देश को आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई की दिशा में लगातार आगे बढ़ा रहा है। सेना के शौर्य और सरकार की नीति दोनों ने मिलकर भारत की सुरक्षा को नई मजबूती प्रदान की है।श्री काले ने देश के सभी नागरिकों से अपील की ह्लहम सबको एक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक के रूप में सेना और सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा होना चाहिए। हमारी एकजुटता ही सबसे बड़ी ताकत है। देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए हर नागरिक को तैयार रहना चाहिए।

महाली साईं में सरकारी शराब दुकान का विरोध

ग्रामीणों ने किया बुरुडीह ओवरब्रिज जाम

आजाद सिपाही संवाददाता

खरसावां। सरायकेला खरसावां जिले के महाली साईं में संचालित सरकारी शराब दुकान के विरोध में सैकड़ों महिला-पुरुषों ने बुरुडीह रेलवे ओवरब्रिज को जाम कर दिया। गुरुवार को प्रदर्शन के दौरान हाड़ीसाई, शिमला, गुरूडीह, महालीसाई, असुरा, गोजुडीह पोटका और देवली समेत कई गांवों के सैकड़ो ग्रामीण शामिल हुए प्रदर्शनकारियों ने सुबह 10:15 बजे से लेकर दोपहर 12:15 बजे तक सड़क को पूरी तरह अवरुद्ध रखा। जिससे खरसावां जिला मुख्यालय से संपर्क बाधित हो गया और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गयी। महिलाओं ने बताया महाली साईं में संचालित शराब दुकान के कारण क्षेत्र में अपराध, छेड़खानी और असामाजिक गतिविधियों में वृद्धि हुई है। ग्रामीण महिलाओं ने जिला प्रशासन को कई बार आवेदन देकर दुकान को बंद कराने की मांग की, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गयी। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने कहा गांवों में शराब के कारण महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं।

प्रदर्शन में महिला समितियों की सक्रिय भागीदारी रही जिन्होंने सामूहिक स्वर में शराब दुकान को बंद करने की मांग की। वही सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया। एसडीपीओ समीर कुमार सवैया, सर्किल इंस्पेक्टर नितिन कुमार सिंह, बीडीओ प्रधान माझी, सीओ कप्तान सिंकू और एएसआई प्रकाश कुमार मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से वार्ता कर स्थिति को शांत किया और सड़क जाम को हटवाया।प्रशासन द्वारा जल्द उचित कार्रवाई के आश्वासन के बाद ही ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी यदि प्रशासन शीघ्र ठेका रद्द नहीं की तो आने वाले दिनों में जिला स्तरीय आंदोलन किया जायेगा।

शहीद का अस्थि कलश पहुंचा गम्हरिया यादव समन्वय समिति ने किया स्वागत

गम्हरिया (आजाद सिपाही)। अहीर रेजिमेंट स्थापना की मांग को लेकर शहीद सैनिकों का अस्थि कलश गम्हरिया पहुंची। गुरुवार को गम्हरिया पहुंचने पर यादव समन्वय समिति की ओर से गाजे-बाजे के साथ भव्य स्वागत किया गया। उसके बाद अहीर रेजिमेंट स्थापना को लेकर भ्रमण पर निकला। सभी ने अहीर शहीदों के अस्थि कलश को श्रद्धापूर्वक नमन किया।इस दौरान देश भर में अहीर रेजिमेंट स्थापना की मांग की गयी। इसके तहत देश में शहीद हुए अहीर सैनिकों के अस्थि कलश को श्रद्धा पूर्वक भ्रमण कराया गया। इसी कड़ी में श्रीराम डिवाइन अकादमी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में यादव समाज से जुड़े लोग मौजूद रहे। यादव समन्वय समिति के महासचिव सह श्रीराम डिवाइन अकादमी के निदेशक श्रीराम यादव ने बताया कुल 124 अहीर शहीदों की अस्थि कलश भारत भ्रमण पर है। बिहार के छपरा से चलकर यह कलश झारखंड के गम्हरिया पहुंची है। कल यानी शुक्रवार को कोलकाता के लिए रवाना होगी।उन्होंने बताया संपूर्ण भारत भ्रमण कर यह यात्रा 18 नवंबर को दिल्ली पहुंचेगी। सरकार के समक्ष अहीर रेजिमेंट स्थापना की मांग पुरजोर तरीके से रखी जायेगी।

एनइपी 2020 पर अतिथि व्याख्यान सत्र का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। नेताजी सुभाष विश्वविद्यालय के सभागार में शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में एकदिवसीय अतिथि व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। शिक्षाशास्त्र विभाग के द्वितीय और चतुर्थ सत्र के विद्यार्थियों के लिए आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जेकेएम कॉलेज सालबनी के प्राचार्य एवं जेकेएम ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के शिक्षण सलाहकार प्रो डॉ आर श्रीकंठन नायर उपस्थित रहे। उन्होंने एनईपी 2020 के संदर्भ में प्रशिक्षण में सांस्कृतिक मूल्यों का संचरण और संरक्षण विषय पर सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत की। कार्यक्रम की शुरूआत द्वीप प्रज्जलित कर किया गया। जिसके पश्चात शिक्षाशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष ने व्याख्यान सत्र के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के मध्य नई शिक्षा नीति 2020 में वर्णित भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों की प्रासंगिकता पर विमर्श करना और शिक्षा क्षेत्र में इससे जुड़ी अवधारणाओं की गहरी समझ विकसित करना है। प्रो नायर ने कहा भारत की सांस्कृतिक परंपरा अत्यंत समृद्ध है।इसकी शिक्षण पद्धति में इसका स्पष्ट प्रभाव देखने को मिलता है। हालांकि पश्चिमी शिक्षण तकनीकों से लाभ प्राप्त हुए हैं, लेकिन किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था तभी स्थायी और प्रभावी बनती है जब उसमें उस देश की देशज संस्कृति की जड़ें बनी रहें। नयी शिक्षा नीति 2020 भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और आधुनिक तकनीकों के समन्वय का उत्कृष्ट प्रयास है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो डॉ प्रभात कुमार पाणि ने एनइपी 2020 के मुख्य प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को इस परिवर्तनकारी नीति के अनुरूप स्वयं को तैयार करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव नागेंद्र सिंह ने कहा यह व्याख्यान सत्र न केवल शैक्षणिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण रहा,बल्कि विद्यार्थियों के लिए भारतीय शिक्षा व्यवस्था की गहराई और समग्रता को समझने का एक प्रेरणास्पद अवसर भी बना। मौके पर अकादमिक प्रकोष्ठ के अधिष्ठाता प्रो दिलीप शोम, अनुशासन प्रकोष्ठ के अधिष्ठाता प्रो नाजिम खान, परीक्षा नियंत्रक प्रो मोईज अशरफ, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सरयू राय ने कदमा क्षेत्र का किया दौरा, दिये निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने कदमा क्षेत्र का तीन घंटे तक गहन निरीक्षण किया। बुधवार को निरीक्षण के दौरान उन्होंने शास्त्रीनगर, मरीन ड्राइव और आसपास के इलाकों में लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान श्री राय ने साफ-सफाई डिपो की अव्यवस्था पर नाराजगी जताई। उपस्थिति पंजी में कम हाजिरी को लेकर सख्त टिप्पणी की। उन्होंने पार्क की दुर्दशा, टूटी झूलों और गेट की हालत पर गहरी चिंता व्यक्त की और सौंदर्यीकरण व ओपन जिम की स्थापना का सुझाव दिया। वही पुराने शौचालय, जो नशापान और अड्डेबाजी का अड्डा बन चुका है उसे हटाकर नया निर्माण करने की बात कही। सामुदायिक भवनों की अव्यवस्था और बंद पड़े भवनों को खोलने की दिशा में भी विधायक ने गंभीर रुख अपनाया। मरीन ड्राइव में प्रभु जगन्नाथ मंदिर के निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए श्री राय ने वहां रह रहे परिवारों को आश्वस्त किया पहले उन्हें व्यवस्थित किया जाएगा, फिर अन्य कार्य आगे बढ़ेगा। निरीक्षण के दौरान श्री राय के साथ कई स्थानीय प्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सेना को दिया धन्यवाद

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। कांग्रेस कार्यालय बिष्टूपुर में जिलाध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे की अध्यक्षता में जिला स्तरीय तैयारी समिति की बैठक आयोजित की गयी। गुरुवार को बैठक में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सेना को धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया गया। साथ ही पाकिस्तान के खिलाफ निंदा प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पास की गयी। बैठक में निर्णय लिया गया कांग्रेस पार्टी आतंकवाद के विरुद्ध केंद्र सरकार के साथ खड़ी है। कार्यकर्ताओं ने सेना के समर्थन में तिरंगा झंडा लेकर भारत माता की जय का नारे लगाये। जिलाध्यक्ष ने रांची में आयोजित संविधान बचाओ रैली की सफलता के लिए सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया और आगामी जमशेदपुर रैली की घोषणा जल्द किए जाने की बात कही। बैठक का संचालन संजय सिंह आजाद ने किया। मौके पर जिलाध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे, प्रदेश सचिव राकेश कुमार तिवारी, सामंता कुमार,कमलेश कुमार पाण्डेय,के के शुक्ल, उपाध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह, शफीअहमद खान, रामलाल प्रसाद पासवान, शशी कुमार सिन्हा, संजय तिवारी, जसवंत सिंह जस्सी,प्रखण्ड अध्यक्ष बबुआ झा, आशीष ठाकुर,लासा मुर्मू,विनोद यादव,राजू गद्दी, अनिरुद्ध कुमार पुरी,लखिंदर करुवा, चेयरमैन अजा,नलिनी सिन्हा अध्यक्ष महिला कांग्रेस सहित सैकड़ो कांग्रेसी शामिल रहे।

एसडीओ ने की अबुआ आवास योजना के घोटाले की जांच

मुखिया पति पर आवास योजना में रिश्वत लिये जाने की शिकायत को सही पाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

बंशीधर नगर। सगमा प्रखंड के सोनडीहा पंचायत में अबुआ आवास योजना के घोटाले की शिकायत को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी प्रभाकर मिर्धा ने गुरुवार को सोनडीहा ग्राम पहुंच कर मामले की जांच किया। इस दौरान एसडीओ ने जांच के क्रम में बताया कि अबुआ आवास योजना में गड़बड़ी का मामला सामने आया है। ग्रामीणों द्वारा लगाये गये आरोप सही पाया गया। उन्होंने कहा कि इस गड़बड़ी में जो भी दोषी होंगे उनके विरुद्ध 48 घंटे के अंदर कार्रवाई किया जायेगा।

एसडीओ ने सोनडीहा ग्राम के हरिजन टोला में पहुंचे जहां उपस्थित अबुआ आवास योजना के लाभुक ने पंचायत के मुखिया पति हनुमंत यादव पर आवास योजना स्वीकृत को लेकर तीस तीस हजार रुपये लेने की बात कहा। कई आवास लाभुकों ने बताया कि मुखिया पति और आवास योजना से जुड़े सभी लोगों ने आवास योजना दिलाने के नाम पर तीस-तीस हजार लिया गया, इसके बावजूद नाम कटवा दिया गया। लोगो ने एसडीओ को बताया कि पैसा मांगने पर मुखिया पति द्वारा अभद्र व्यवहार किया गया और जाति सूचक शब्द का प्रयोग किया गया जिसके विरुद्ध धुरकी थाने में लिखित शिकायत किया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि मुखिया पति ने कई ऐसे लाभुक को अबुआ आवास योजना दिया गया है जो सरकारी पद पर है। लोगो ने बताया कि कई लाभुक के पति पूर्व में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ ले चुके है उन्हें भी अबुआ आवास योजना का लाभ दिया है। ग्रामीणों के द्वारा किये गये शिकायत के बाद एसडीओ ने उपस्थित आवास कॉर्डिनेटर, पंचायत सचिव, स्वयं सेवक को कड़ी फटकार लगाया। और कार्य प्रणाली में सुधार लाने का निर्देश दिया। जांच के बाद एसडीओ प्रभाकर मिर्धा ने कहा कि जांच के क्रम में काफी गड़बड़ियां पायी गयी है। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टि या पैसे की लेनदेन हुई उन्होंने कहा कि वीडियो जुल्फिकार अंसारी को जांच कर दोषी के विरुद्ध दो दिन के अंदर कार्रवाई करें। अगर उनके द्वारा कार्रवाई नहीं की जायेगी तो स्वयं कारवाई करने की बात कहा।

एसपी दीपक पांडे ने किया मेराल थाना का निरीक्षण, दिये कई निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। एसपी दीपक कुमार पांडे द्वारा बुधवार को मेराल थाना का निरीक्षण किया गया। थाना पहुंचने पर सबसे पहले थाना प्रभारी विष्णु कांत सहित सभी पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस के जवानों ने एसपी को सलामी दी। गार्डन ऑफ ऑनर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद एसपी श्री पांडे ने सबसे पहले मालखाने का निरीक्षण किया उसके बाद थाना की पुरानी बिल्डिंग, रिकॉर्ड रूम, कंप्यूटर कक्ष, जवानों का बेडरूम, थाना परिसर में खड़े जप्त वाहनों एवं थाना की सुरक्षा के लिए बनाए गए फेंसिंग इत्यादि का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कई निर्देश दिए। जांच के क्रम में पुलिस पदाधिकारी की वर्दी, जूता, बैच, बेल्ट, टोपी, इत्यादि का गहनता से जांच की और उसके बारे में एक-

एक लोगों से पूछताछ किया। एसपी दीपक कुमार पांडे ने कहा कि चौकीदार भी पुलिस का एक अंग हैं इसलिए आपको हमेशा ड्रेस कोड को मेंटेन करना चाहिए। जांच के क्रम में एसपी द्वारा ओडी रजिस्टर, गिरफ्तारी पंजी, वारंटी पंजी सहित सभी प्रकार के अभिलेखों का निरीक्षण के समय त्रुटि को सुधार करने का निर्देश दिया। एसपी श्री पांडे ने कहा कि आम जनता और पुलिस के बीच मधुर संबंध रखना प्राथमिकता होनी चाहिए। निरीक्षण के बाद एसपी दीपक पांडे ने थाना परिसर में आम के दो पौधे लगाये जिसे सुरक्षित रखने का निर्देश दिया। मौके पर इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार आजाद, एसआइ रवि कुमार, दिनेश मुंडा, दीपक पासवान, अरविंद साह, संजय सिंह, सत्येंद्र सिंह, एएसआइ अखिलेश्वर सिंह, अखिलेश्वर तिवारी नीतीश कुमार आदि उपस्थित थे।

फाइलेरिया की रोकथाम के लिए एमएमडीपी किट वितरित

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में फाइलेरिया (हांथी पांव) की रोकथाम के लिए एमएमडीपी किट का वितरण एमटीएस विद्यानंद प्रजापति के द्वारा किया गया। जिसमें डेटॉल साबुन, एंटीसेप्टिक क्रीम, टब, मग, तौलिया सहित और अन्य सामग्री दी गयी। ताकि बीमारी से पीड़ित मरीज फाइलेरिया ग्रसित अंगों की नियमित रूप से देखभाल कर सकें। मौके सलाहकार एमटीएस विद्यानंद प्रजापति ने मरीजों को स्वयं की देखभाल के लिए आवश्यक प्रशिक्षण देते बताया कि नियमित दवा के सेवन से और मिले उक्त किट के उपयोग से हांथी पांव से ग्रसित अंग की नियमित साफ-सफाई करके प्रभावित अंग में संक्रमण को रोका जा सकता है। इस मौके पर अस्पताल के कर्मी, सहिया और लाभुक उपस्थित थे।

एसडीएम की बड़ी कार्रवाई, ड्रोन कैमरे की मदद से शराब के ठिकानों पर प्रहार

एक टन से अधिक अर्धनिर्मित शराब नष्ट, चार भट्ठियां ध्वस्त

दुलदुलवा गांव होगा नशामुक्त, शराब माफिया को मुख्यधारा में लौटना ही होगा: एसडीएम

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। सदर एसडीएम संजय कुमार ने उत्पाद विभाग, पुलिस, वन विभाग और सीआरपीएफ की मदद से बुधवार को मेराल के दुलदुलवा क्षेत्र में अवैध शराब को लेकर सघन अभियान चलाया। अभियान के दौरान गांव के रिहायशी इलाकों के साथ-साथ अमवार एवं भहरवा के जंगलों में भी सर्च अभियान चलाया गया। इस दौरान लगभग 10 कुंटल अर्धनिर्मित महुआ शराब को मौके पर ही विनष्ट कर दिया गया, साथ ही चार शराब भट्ठियां भी ध्वस्त की गयीं। उल्लेखनीय है कि बीते शनिवार को भी सदर एसडीएम ने

इसी जंगल क्षेत्र में अबैध शराब को लेकर कार्रवाई की थी, इसी इलाके में आज की कार्रवाई इस सप्ताह की दूसरी बड़ी कार्रवाई थी।

पहली बार ड्रोन कैमरे का इस्तेमाल:

दुर्गम जंगल क्षेत्र में अवैध शराब के अड्डे खोजने के लिए सीआरपीएफ के ड्रोन कैमरा एवं तकनीकी कर्मी की मदद ली गयी। अभियान के दौरान दुलदुलवा गांव में 5 कुंटल से अधिक प्रसंस्करित महुआ जावा मिला, वहीं जंगल क्षेत्र में भी पांच ड्रम अर्धनिर्मित शराब मिली, जिसे उत्पाद विभाग, वन विभाग एवं पुलिस कर्मियों द्वारा मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

जमीन के अंदर गड़े हुए थे ड्रम:

एसडीएम की अगुवाई में पहुंचे संयुक्त धावादल ने दुलदुलवा गांव के 10 से अधिक संदिग्ध घरों में महिला पुलिस की मौजूदगी में छापेमारी की। संजय कुमार ने बताया कि गांव के साव टोला निवासी तीनों आदतन नशा कारोबारी हैं इन पर उत्पाद विभाग की ओर से प्राथमिकी दर्ज कार्रवाई जा रही है। इस दौरान संजय कुमार ने गांव के युवक युवतियों को भी समझाया कि वे नशे के इस दलदल से सतर्क और दूर रहें, भूल कर भी इस नशीले कारोबार में न घुसें और अपना भविष्य अंधकारमय होने से बचायें। उन्होंने यहां के नशा कारोबारियों को भी कड़ी चेतावनी दी कि उन्हें सुधरना ही होगा, क्योंकि उनका धंधा किसी हालत में नहीं चलने दिया जायेगा। संजय कुमार ने कहा कि कुछ दिनों पूर्व ही उन्हें इस गांव के बारे में जानकारी मिली थी, तब से वे इस गांव को सुधारने में जुट गये हैं। उन्होंने कहा कि जो जानकारी मिली है उसके अनुसार पूर्व में भी कभी-कभी इस गांव में शराब भट्ठियों को तोड़ा जाता रहा है किंतु उसके तुरंत बाद पुनः कारोबार शुरू हो जाता था।

नियमित कार्रवाई जारी रहेगी:

अभियान के दौरान मौजूद उत्पाद अधीक्षक निर्मल कुमार ने कहा कि इस इलाके में स्थानीय पुलिस और वन विभाग की मदद से अवैध शराब के विरुद्ध लगातार अभियान जारी रहेगा। एसडीएम संजय कुमार की अगुवाई में अवैध शराब के विरुद्ध चलाए गए आज के बृहद अभियान में उत्पाद अधीक्षक निर्मल कुमार, पुलिस निरीक्षक जितेंद्र कुमार आजाद, मेराल थाना प्रभारी विष्णु कांत, सीआरपीएफ के तकनीकी कर्मी दीपक कुमार सिंह, वनपाल पुष्पराज, वनरक्षी राजकुमार, गार्ड राकेश भारती एवं नागेंद्र कुमार, ग्राम चौकीदार आदि के अलावा जिला पुलिस बल के महिला एवं पुरुष जवान मौजूद थे।

युवक ने एसपी से की थाना प्रभारी का शिकायत, पिटायी का लगाया आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

डंडई। प्रखंड मुख्यालय निवासी युवक अनिकेत ने एसपी से थाना प्रभारी अवधेश कुमार यादव की शिकायत की है। आरोप लगाया कि मंगलवार को पत्नी और उसकी मां के बीच विवाद हुआ था। मां को घायल देखकर उसका पत्नी के साथ विवाद हुआ था। उसके बाद पत्नी ने थाना जाकर शिकायत की। उसके बाद उसे थाना बुलाया गया। थाना से उसे छोड़ने के लिए पांच हजार रुपये की मांग की गयी। उक्त राशि नहीं देने पर उसकी बेरहमी से पिटाई की गयी। आवेदन में अनिकेत ने आरोप लगाया है कि थाना प्रभारी के निर्देश पर उसे रस्सी में लटका कर पीटा गया। उसने आवेदन देकर मामले में जांचोपरांत कार्रवाई करते हुए न्याय की गुहार लगायी है।

आवेदन मिला है, जांच करायी जा रही है: एसपी

उधर मामले में एसपी दीपक कुमार पांडेय ने बताया कि युवक अनिकेत का आवेदन मिला है। आवेदन के आलोक में जांच करायी जा रही है। जांच रिपोर्ट मिलते ही उचित कार्रवाई की जायेगी। वहीं थाना प्रभारी अवधेश ने बताया कि युवक की ओर से लगाया जा रहे आरोप के बारे में जानकारी नहीं है। आरोप निराधार है।

प्रखंड संसाधन केंद्र के 13 लेखापाल-सह-कंम्प्यूटर ऑपरेटरों का हुआ तबादला

12 मई तक नव स्थानांतरित कार्यालय में योगदान करें नहीं तो होगी कार्रवाई: उपायुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। उपायुक्त शेखर जमुआर ने गढ़वा जिला के विभिन्न प्रखण्ड संसाधन केन्द्रों में तीन वर्षों से अधिक समय से पदस्थापित/कार्यरत्त लेखापाल-सह-कम्प्यूटर ऑपरेटरों को स्थानांतरण किया गया है। स्थानांतरित किये गये लेखापाल-सह-कम्प्यूटर ऑपरेटरों में (01) प्रदीप कुमार शुक्ला काण्डी से मझिऑंव, (02) प्रेम नीलम समद रमना से डण्डई (03) मानिक चंद गुप्ता रमकण्डा से चिनियाँ (04) चंदन कुमार नगर उँटारी से खरौन्धी (05) प्रभाकर कुमार सिन्हा गढ़वा से रमकण्डा (06) ब्रम्हदेव राम भवनाथपुर से धुरकी (07) मनुज कुमार सहाय चिनियाँ से मेराल (08) राकेश

कुमार तिवारी डण्डई से नगर उँटारी (09) अरुण कुमार गुप्ता धुरकी से रमना (10) राकेश रौशन तिर्की मझिऑंव से काण्डी (11) अभय कुमार रंका से गढ़वा (12) धनन्जय प्रसाद गुप्ता भंडरिया से बरडीहा तथा (13) धनन्जय प्रसाद गुप्ता को मेराल से रंका का नाम शामिल है। उपायुक्त ने बताया कि स्थानांतरण आदेश जारी करने के पश्चात सभी संबंधित प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी-सह-समन्वयक को निदेश दिया गया है कि स्थानांतरित लेखापाल-सह-कम्प्यूटर ऑपरेटर को नवपदस्थापित प्रखण्ड संसाधन केन्द्र में योगदान के लिए दिनांक-12/05/2025 तक हर हाल में विरमित करना सुनिश्चित करेंगे। सभी स्थानांतरित लेखापाल-सह-कम्प्यूटर ऑपरेटर का माह मई 2025 के मानदेय का भुगतान नवपदस्थापित प्रखंड संसाधन केंद्र से ही देय होगा। जिन कर्मियों के द्वारा आदेश का अनुपालन नहीं किया गया होगा तो 13 मई को उनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की जायेगी।

बीडीएसयू ने बीफार्म प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया

गढ़वा (आजाद सिपाही)। आठ मई को बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय ने फार्मसी के प्रथम सेमेस्टर परीक्षा का परिणाम घोषित किया। इस परीक्षा में समीर राजा और फुजैल अशरफ दोनों का (बराबर) और सबसे अधिक 8.59 एसजीपीए ग्रेड लाकर पहला स्थान मिला है। इसके बाद खुशी कुमारी का दूसरा स्थान रहा जिनको 8.55 एसजीपीए प्राप्त किये। 8.28 एसजीपीए लाकर अनीश राज भगत और सूर्यकांत कुमार पासवान दोनों संयुक्तरूप से तिसरे स्थान पर रहे। बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति दिनेश प्रसाद सिंह ने फार्मसी विभाग के संकयाध्यक्ष एवं उस विभाग के सभी शिक्षक और गैर-शिक्षक को अच्छे परीक्षा फल के लिए बधाई दिया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो डॉ एमके सिंह ने भी सभी परीक्षार्थीयो को बधाई और सुनहरे भविष्य के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दिया है। फार्मसी के संकयाध्यक्ष प्रो डॉ मनीष दुबे ने सभी परीक्षार्थीयो को बधाई एवं और भी बेहतर परीक्षा फल के लिए प्रयासरत रहने को कहा है।

बज्रपात की चपेट में आकर मछुआरे की मौत

कांडी (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत डुमरसोता पंचायत के चौधरी टोला निवासी योगेंद्र चौधरी (36 वर्ष), पिता रामचंद्र चौधरी की बुधवार की दोपहर सोन नदी में मछली मारने के दौरान ठनका की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार योगेंद्र अपने साथियों फुलेंद्र चौधरी, महेंद्र चौधरी पिता जगरनाथ चौधरी, बिक्की पटवा पिता नन्हू पटवा, रणजीत चौधरी पिता नागेंद्र चौधरी के साथ सोन नदी में मछली मारने गये थे। मछली पकड़ने के बाद जब वे लोग बालू तट पर पहुंचे, तभी दोपहर करीब तीन बजे अचानक तेज बारिश के साथ ठनका गिरा, जिसमें योगेंद्र की मौके पर ही मौत हो गयी। मृतक को कांडी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित किया। इसके बाद शव को एंबुलेंस से गढ़वा सदर अस्पताल भेजा गया, जहां गुरुवार को पोस्टमार्टम किया गया। घटना की सूचना पर युवा समाजसेवी शशांक शेखर मौके पर पहुंचे और उन्होंने गढ़वा एसडीओ संजय तिवारी से बात कर सहायता की मांग की। एसडीओ ने आश्वासन दिया कि मृतक के परिजनों को चार लाख की मुआवजा राशि, सरकारी आवास, पेंशन तथा अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जायेगा। शशांक ने प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश सहाय से भी संपर्क किया। बीडीओ ने बताया कि मृतक के परिजनों को शीघ्र ही 20,000 की पारिवारिक लाभ राशि दी जायेगी और यदि मैया सम्मान योजना से मृतक की पत्नी वंचित हो, तो उसकी भी तत्काल स्वीकृति की जायेगी।

AFFIDAVIT

As per Affidavit Ref. No. 59 date 25.04.2025, I Mahendra Oraon S/o Somara Pahan, R/o. Vill- Khwash Ambwa, Po.- Nagjuwa, P.s.- Kairo, Dist.- Lohardaga, (Jharkhand) 835325 do hereby solemnly affirm & declare as follows :-
1. That my ture and correct name is Mahendra Oraon & my father name is Somara Pahan which is in my Voter Card No. FKN1563025.
2. That in Adhar Card no 5226 7382 1826 my name is wrongly written as Pahan Mahendra Somara due to mistake
3. That this Affidavit is made for correction of my name as Mahendra Oraon in my Adhar Card from concerned authority. 4. That the statements made above are true and correct. sworn & signed this affidavit on 25.04.2025 at Ranchi

AFFIDAVIT

As per Affidavit Ref. No. 865 date 17.04.2025, I, LAKHAN BOIPAI, son of Birsingh Boipai, resident of village Gitilpee, PO Gitilpi, PS Manjhari, District WEST SINGHBHUM, State - JHARKHAND-833201, do hereby solemnly affirm and declare that the statements made herein are true to the best of my knowledge, information and belief :-
1. That I am an Indian citizen and residing in the aforesaid address. 2. That I have passed Secondary Examination 2021 from Jharkhad Academic Council, Ranchi, being Roll Code 52049 Roll No 0097 appeared from High School, Kotgarh. The aforesaid institution has been issued certificate in favour of me in which my name is mention as LAKHAN BOIPAI.
3. That I am holder of Aadhar Card bearing Aadhar No. 8644 7175 3291 in which my name has been inserted as LAXMAN GAIPAI in place of LAKHAN BOIPAI.
4. That my correct name is LAKHAN BOIPAI.
5. That I am swearing the present affidavit for correction of my name as LAKHAN BOIPAI in place of LAXMAN GAIPAI in Aadhar Card.

शपथ-पत्र

शपथ पत्र सं.17139 दिनांक:27.12.2024 के अनुसार मैं काजल देवी पति- श्री सोनु सोनी धर्म हिन्दू पेशा कृषि निवासग्राम- बरियातु थाना-गोला जिला- रामगढ़ (झारखण्ड) राष्ट्रीयता भारतीय शपथपूर्वक निम्नलिखित ब्यान करती हूँ कि:-
1. यह कि विवाह पूर्व BOI शाखा खूँटी में मैं एक बचत खाता खुलवाई थी जिसमें मेरा नाम काजल कुमारी पिता स्व. आनन्द साहु ग्राम चालगी पो. गुटजारा थाना खूँटी जिला खूँटी राज्य झारखंड दर्ज है।
2. यह कि विवाह के पश्चात मेरा नया पता नाम काजल देवी पति श्री सोनु सोनी ग्राम+पो. - बरियातु, थाना-गोला, जिला-रामगढ़, राज्य झारखंड है।
3. यह कि मैं अपना बचत खाता संख्या 615410110000677 BOI शाखा हुटार जिला खूँटी से BOI शाखा साडम में स्थानान्तरण कर रही हूँ।
4. यह कि यह शपथ में BOI शाखा हुटार जिला खूँटी में दर्ज नाम काजल कुमारी, पुराना पता हटकर BOI शाखा साड़म के बचत खाता में नाम काजल देवी एवं नया पता दर्ज करने हेतु ले रही हूँ।
5. यह है कि उपरोक्त शपथ पत्र में सभी बातें सत्य वा सही है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, हजारीबाग।

शुद्धिपत्र /सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–BCD/EE/HAZARIBAG/13/2025-26 ,PR संख्या– 351643 Building (25-26)-D द्वारा प्रकाशित निविदा को अपरिहार्य कारणवश रद्द की जाती है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमण्डल, हजारीबाग।

PR 351923 Building(25-26)D

उपायुक्त का कार्यालय, कोडरमा
(जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग)
–:: आम सूचना ::–

जिलान्तर्गत "झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना" का क्रियान्वयन विभाग द्वारा समय–समय पर निर्गत निदेशों के आलोक में किया जा रहा है। विभागीय निदेश के आलोक में "झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना" के लाभुकों को सूचित किया जाता है कि इस योजना की राशि का भुगतान उनके आधार सीडेड खाते में की जानी है।

अतः वैसे लाभुक जिन्होंने अब तक अपना बैंक खाता आधार से लिंक नहीं कराया है, अविलम्ब अपने बैंक में आधार कार्ड एवं बैंक खाता के साथ उपस्थित होकर अपने बैंक खाते को आधार से लिंक कराना सुनिश्चित करें।

ह0/–
सहायक निदेशक,
जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग,
कोडरमा।

PR 351964 Women, Child Development & Social Security(25-26)D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, लोहरदगा
e-mail ID: eedwsd.lohardaga1@gmail.com

अति–अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना – 01/2025–26 (द्वितीय आमंत्रण)

1	विभाग का नाम	:–	पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड, रांची।
2	विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता	:–	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, लोहरदगा।
3	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	:–	10.05.2025 के पूर्वाह्न 11.00 बजे से।
4	बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	:–	16.05.2025 को 4.30 बजे अपराह्न तक।
5	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई– गवर्नेस, झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि Online जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	:–	16.05.2025 को 4.30 बजे अपराह्न तक।
6	तकनीकी बीड खोलने की संभावित तिथि एवं समय	:–	17.05.2025 को 11.00 बजे पूर्वाह्न से।
7	तकनीकी बीड खोलने का स्थान	:–	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल, लोहरदगा।
8	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम/पदनाम	:–	ई0 अनुप कुमार हांसदाः, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल, लोहरदगा।
9	निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का टेलिफोन नं0	:–	8084784990
10	ई– प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्प लाईन सं0	:–	8084784990

क्र0	कार्य का नाम	ग्रुप संख्या	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Repair and maintenance (Ordinary Repair) of Existing Tube well by supplying labour, vehicle (including driver) with fuel and lubricant to be different rural sites etc. all complete work in ***Sub Division Lohardaga*** for the year 2025-26. ***(For Major - 262/Minor - 102 nos., Total – 364 nos.)***	RMDT -01	2,87,619.00	5,800.00	750.00	Till 30 Sep 2025
2	Repair and maintenance (Ordinary Repair) of Existing Tube well by supplying labour, vehicle (including driver) with fuel and lubricant to be different rural sites etc. all complete work in ***Sub Division Senha*** for the year 2025-26. ***(For Major - 454/Minor - 208 nos., Total – 662 nos.)***	RMDT -02	5,18,209.00	10,500.00	1,250.00	Till 30 Sep 2025

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, लोहरदगा

PR 351973 Lohardaga(25-26).D

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 09 मई, 2025
www.azadsipahi.in

छोटानागपुर बॉक्साइट एंड कोल वर्कर्स यूनियन के वार्षिक महाधिवेशन में उमड़ा जनसैलाब

श्रमिक हितों के लिए लाभदायक होगा यह महाजुटान : कमलेश

मजदूरों का अधिकार दिलाना मेरा कर्तव्य, मरते दम तक निस्वार्थ सेवा करुंगा : धीरज प्रसाद साहू

आजाद सिपाही संवाददाता

किस्को/ लोहरदगा। लोहरदगा जिले के किस्को मिडिल स्कूल मैदान में आयोजित छोटानागपुर बॉक्साइट एंड कोल वर्कर्स यूनियन के वार्षिक महाधिवेशन कार्यक्रम का भव्य आयोजन रंगारंग कार्यक्रम के साथ धूमधाम से संपन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह लोहरदगा विधायक डॉ रामेश्वर उरांव, सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा, कोलेबिरा विधायक नमन विक्शल कोनगाड़ी, खिजरी विधायक राजेश कच्छप, विधायक रामचंद्र सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व सांसद प्रदीप कुमार बालमुचू, कांग्रेस के कार्यकारी जिलाध्यक्ष हाजी सकील अहमद, कांग्रेसी नेता रोहित उरांव, पूर्व प्रदेश कांग्रेस महामंत्री अजय नाथ शहदेव, विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, एनएसयूवाई प्रदेश अध्यक्ष विनय उरांव, जिला परिषद अध्यक्ष रीना कुमारी, उप प्रमुख कुडू ऐनुल अंसारी, युवा जिलाध्यक्ष विशाल डूंगडूंग, प्रखंड अध्यक्ष युनूस अंसारी, बीस सूत्री अध्यक्ष सामुल अंसारी, राजू उरांव के द्वारा संयुक्त रूप से कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर किया गया। स्वागत भाषण यूनियन के महासचिव सह पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू के द्वारा संबोधित किया गया। इधर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि छोटानागपुर बॉक्साइट एंड कोल वर्कर्स यूनियन द्वारा महाजुटान मजदूरों और दबे-कुचले श्रमिकों को एकसूत्र में बांधने और उनके अधिकारों को दिलाये जाने हेतु बेहतर सिद्ध होगा। वहीं वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि धीरज प्रसाद साहू मजदूरों को उनका शत-प्रतिशत हक अधिकार दिलाने हेतु हमेशा कृतसंकल्पित रहेंगे। उन्होंने कहा ऑपरेशन सिंदूर के तहत हमारे देश के जांबाज जवानों ने आतंकियों और पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है जो काफी सराहनीय है। वहीं यूनियन के महासचिव सह पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि हमारा एकमात्र उद्देश्य है कि मजदूरों और दबे-कुचले श्रमिकों को उन्हें उनका शत-प्रतिशत हक अधिकार मिले। उन्होंने कहा कि हमारा डीएनए में लेने की नहीं बल्कि गरीब शोषित पीड़ित मजदूर और श्रमिकों को देने को लेकर शुरू से ही उद्देश्य रहा है, इसे भविष्य में भी बरकरार रखा जायेगा। इस बीच कार्यक्रम को पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सह पूर्व सांसद प्रदीप बालमुचू, लोहरदगा विधायक डॉ रामेश्वर उरांव, खिजरी विधायक राजेश कच्छप, सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा कोलेबिरा विधायक नमन विक्शल कोनगाड़ी, विधायक रामचंद्र सिंह, कार्यकारी जिलाध्यक्ष हाजी सकील अहमद और अन्य के द्वारा किया गया।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पर झूमे मजदूर और ग्रामीण

किस्को मिडिल स्कूल मैदान में आयोजित छोटानागपुर बाक्साइट एंड कोल वर्कर्स यूनियन का वार्षिक महाधिवेशन कार्यक्रम में मजदूरों और ग्रामीणों को रिझाने हेतु सांस्कृतिक प्रोग्राम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में झारखंड के प्रसिद्ध नागपुरी कलाकार नीतेश कच्छप, पवन रॉय, चिंता देवी, सुमन गुप्ता, कयुम अब्बास, बसीर अंसारी, मांदर वादक हुलास महतो, स्थानीय गायक आलोक राज और अन्य कलाकार मंडली के द्वारा कार्यक्रम के दौरान एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी गयी। जिससे कार्यक्रम में भाग लेने वाले मजदूरों और ग्रामीणों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

सात सेवानिवृत्त शिक्षकों को डीसी ने किया सम्मानित

लातेहार (आजाद सिपाही)। लातेहार उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में पेंशन दरबार-सह-सेवा निवृति विदाई सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय के अधीन अप्रैल 2025 में सेवानिवृत होने वाले शिक्षकों को उपायुक्त ने सेवानिवृत हुए कुल 07 शिक्षकों को मोमेंटो, शाल ओढ़ा कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने सभी सेवानिवृत शिक्षक, शिक्षिकाओं को सेवानिवृत्ति के बाद उनके बेहतर स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन की कामना की। जिला शिक्षा अधीक्षक गौतम कुमार साहू ने बताया कि सेवानिवृत्त शिक्षकों को उनके सेवानिवृत्ति के दिन ही सभी सेवानिवृत्ति पावना (सेवानिवृत्ति लाभ) का भुगतान किया गया।

कैरो अंजुमन के पदाधिकारियों का पगड़ीपोशी सह शपथ ग्रहण समारोह आज

कैरो (आजाद सिपाही)। कैरो प्रखंड मुख्यालय के अंजुमन इस्लामिया कैरो के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण एवं पगड़ी पोशी का कार्यक्रम आज कैरो मकतब में बाद नमाज जुमा आयोजित की जायेगी। अंजुमन चुनाव कमिटी कैरो के अध्यक्ष अलीरजा अंसारी ने बताया कि अंजुमन इस्लामिया कैरो की नयी कमिटी में सदर पद पर इम्तियाज अंसारी, सेक्रेटरी-मुस्लिम अंसारी तथा खजांची पद पर सादाब अंसारी निर्विरोध चुन कर आये हैं। इन सभी पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण एवं पगड़ी पोशी कल जुमा बाद कैरो मकतब में की जायेगी। कार्यक्रम में प्रखंड अंजुमन के पदाधिकारियों को शामिल होने के लिए भी आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कार्यक्रम में समाज के सभी लोगों को ससमय उपस्थित रहने की अपील की है।

तीन दुष्कर्मी को आजीवन कारावास की सजा

पीडीजे राजकमल मिश्रा की अदालत का फैसला

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। सातवीं कक्षा की नाबालिग छात्रा से बलपूर्वक सामूहिक दुष्कर्म करने वाले तीन आरोपियों को प्रधान जिला एंव सत्र न्यायाधीश राजकमल मिश्रा की अदालत ने गुरुवार को सिक्स पोक्सो एक्ट के तहत दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा का फैसला सुनाया है। दुष्कर्मी आरोपियों की पहचान सेन्हा थाना क्षेत्र के गड़गांव सेमरटोली निवासी मंटू सिंह (22 वर्ष), फुल्केश्वर उरांव (24 वर्ष) एवं संतोष उरांव (21 वर्ष) के रूप में की गयी है। सभी आरोपी पूर्व से न्यायिक हिरासत में है। दुष्कर्मियों को अदालत सुनवाई के दौरान साक्ष्य और दलीलें प्रस्तुत कर सजा दिलाने में लोक अभियोजक मिनी लकड़ा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इस संदर्भ में लोक अभियोजक मिनी लकड़ा ने बताया कि, मामला सेन्हा थाना क्षेत्र में वर्ष 2021 का है। पीड़िता द्वारा आरोपियों के विरुद्ध महिला थाना कांड सं 6/2021 में नामजद मामला दर्ज करने के पश्चात पुलिस ने फौरी कार्रवाई करते हुए तीनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। संगीन अपराध के कारण आरोपियों की जमानत याचिका उच्च न्यायालय में पूर्व में भी रिजेक्ट किया गया है। लोक अभियोजक मिनी लकड़ा ने बताया कि, सेन्हा थाना क्षेत्र में रहने वाले नाबालिग छात्रा जब शौच के लिए घर से दूर खेतों में गयी तो, घात लगाये उपरोक्त आरोपियों ने बलपूर्वक उसके साथ झाड़ियां में सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। गंभीर धमकी देने के कारण पीड़ित नाबालिक घटना की जानकारी किसी को नहीं दिया। इससे दुष्कर्मियों के हौसले बढ़ गये। पुनः सामूहिक दुष्कर्म की मंशा से सड़क पर चल रहे पीड़िता का बाइक से उपरोक्त आरोपियों ने अपहरण करने का प्रयास किया। बावजूद, मौके पर हो हल्ला होने और ग्रामीणों के पहुंचने से घबराकर आरोपी फरार हो गये। पीड़िता ने इस दौरान अपने साथ हुई पूरी वारदात परिजनों को बता दिया। परिजनों के साथ पीड़िता ने महिला थाना में आरोपियों के विरुद्ध नामजद मामला दर्ज कर दिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर तत्काल जेल भेज दिया था।

लोक अभियोजक मिनी लकड़ा

बालूमाथ में बालू की अवैध तस्करी जोरों पर, तस्कर मालामाल

प्रफुल्ल पांडेय

मुरपा (आजाद सिपाही)। एक ओर जहां जिले में केंद्र और राज्य सरकार की अति महत्वाकांक्षी आवास निर्माण योजना बालू के अभाव में दम तोड़ता नजर आ रहा है। आवास निर्माण से जुड़े सैंकड़ो लाभुकों को स्थानीय स्तर पर बालू नहीं मिल रहा। यदा-कदा मिल भी रहा तो उसके एवज में आपूर्तिकर्ता लाभुकों से एक हजार से डेढ हजार रुपए प्रति ट्रैक्टर मोटी रकम वसूल रहे हैं। ऐसे में बालू की कालाबाजारी से प्रधानमंत्री और अबुआ आवास निर्माण योजना प्रखंड में दम तोड़ती नजर आ रही है। वहीं दूसरी और खनन विभाग और स्थानीय थानों की मेहरबानी से चंद बालू माफिया सरकार को प्रतिदिन हजारो- लाखों के राजस्व का चूना लगा रहे हैं। हम बात कर रहे हैं लातेहार-रांची सीमा पर स्थित बालूमाथ और राचीं इलाके की। जहां आधी रात बार्डर पर स्थित हाहारो, देवनद, केरी, बलबल, रामघाट इलाके के विभिन्न नदियों से अवैध बालू का उठाव कर सैकड़ो ओवरलोड ट्रैक्टर रवाना होते हैं। सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि माफियाओं के इस कारनामे की जानकारी प्रखंड प्रशासन और पुलिस के साथ-साथ खनन टास्कफोर्स की टीम को भी है। बावजूद ना तो खनन विभाग के अधिकारी, ना ही टास्क फोर्स की टीम, परिवहन विभाग और ना ही स्थानीय पुलिस बालू माफियाओं पर कोई कार्रवाई का जहमत उठा पा रही। ऐसे में इस काले धंधे से जुड़े माफिया सिस्टम के संरक्षण में आराम से सरकार को प्रतिदिन लाखों रुपए के राजस्व का चूना लगा रहे हैं। ये माफिया मुरपा क्षेत्र के नदियों से अवैध बालू का खेप लेकर रांची पहुँच जाते हैं और रास्ते में ड्यूटी पर तैनात पुलिस की पेट्रोलिंग पार्टी की नजर तक इनपर नहीं पड़ती, ये अपने आप में बड़ी विडंबना है। बालू माफिया जिन ट्रैक्टरों का इस्तेमाल अवैध बालू तस्करी में कर रहे हैं, उनमें से ज्यादातर ट्रैक्टर बगैर नंबर संचालित हो रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों नें आजाद सिपाही को बताया कि जिस एक सौ सीएफटी बालू का सरकारी दर सरकार ने सभी टैक्स को जोड़कर करीब नौ सौ रुपए निर्धारित कर रखा है। इसी बालू का अवैध उठाव और चोरी कर बालू माफिया इसे तीन गुना दाम वसूल कर कालाबाजारी कर रहे हैं। ऐसे में मजबूर बिल्डर या अन्य लोग अपना पॉकेट ढीला कर मोटी रकम देकर बालू खरीद रहे हैं। सूत्रों की मानें तो अवैध बालू तस्करी के इस काले धंधे में प्रखंड के कुछ स्थानीय ट्रैक्टर मालिक भी शामिल हैं।

प्रशासन की तत्परता से कुडू में बाल विवाह रुका

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। जिला प्रशासन की सक्रियता व वीरेंद्र कुमार जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी लोहरदगा के मार्गदर्शन मे कुडू प्रखंड के अंतर्गत एक नाबालिग लड़की का बाल विवाह समय रहते रोका गया। चाइल्ड हेल्पलाइन (1098) पर प्राप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने विवाह स्थल पर पहुंचकर विवाह को रुकवाया। यह कार्रवाई बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 और झारखंड बाल विवाह प्रतिषेध नियमावली, 2015 के अंतर्गत की गयी। लड़की और उसके माता-पिता की काउंसलिंग की गयी, जिसमें उन्हें बाल विवाह के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। उन्हें बताया गया कि बाल विवाह न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह लड़कियों के स्वास्थ्य, शिक्षा और आत्मनिर्भर भविष्य के लिए भी अत्यंत घातक है। लड़की के परिजनों से लिखित शपथपत्र लिया गया कि जब तक लड़की 18 वर्ष की आयु पूर्ण नहीं कर लेती, तब तक उसका विवाह नहीं किया जायेगा। लड़के के परिवार को भी कड़े शब्दों में समझाया गया और कानून का हवाला देते हुए चेतावनी दी। जिला प्रशासन ने पुनः अपील की है कि समाज में बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं के खिलाफ सभी लोग एकजुट होकर कार्य करें और कोई भी संदिग्ध विवाह होने की स्थिति में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचना दें। इस संयुक्त अभियान में मुख्य रूप से, प्रखंड विकास पदाधिकारी मधुश्री मिश्रा, पुलिस उपनिरीक्षक मनोज कुमार, कुंती साहू , अध्यक्ष, बाल कल्याण समिति, अनुरंजन कुमार, संरक्षण पदाधिकारी संस्थानिक-देखरेख ,चाइल्ड हेल्पलाइन काउंसलर अर्चना मिश्रा, जितेंद्र कुमार जिला समन्वयक, एलजीएसएस, अभिलाषा कुमारी शामिल थे।

योगी सेना ने भारतीय सेना की कार्रवाई पर मनाया जश्न

आजाद सिपाही संवाददाता

भंडरा। इंडियन आर्मी द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों के ठिकानों पर की गयी सफल कार्रवाई के उपलक्ष्य में योगी सेना भंडरा की ओर से जोरदार जश्न मनाया गया। इस आयोजन का नेतृत्व योगी सेना भंडरा के अध्यक्ष विवेक यादव ने किया। कार्यक्रम के दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से वातावरण गूंज उठा। देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने आतिशबाजी कर सेना की इस कार्रवाई का समर्थन और स्वागत किया। अध्यक्ष विवेक यादव ने अपने संबोधन में कहा, पाकिस्तान खुद भुखमरी की कगार पर है फिर भी वे आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हैं। भारतीय सेना की यह कार्रवाई एक सशक्त संदेश है कि भारत अब बर्दाश्त नहीं करता, सीधा जवाब देता है। उपस्थित सभी लोगों ने भारतीय सेना के शौर्य को सलाम किया और देश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी।

पवन तिग्गा ने एयर स्ट्राइक को ऐतिहासिक कदम बताया

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। भारतीय जनता पार्टी के नेता पवन तिग्गा ने कहा कि भारतीय सेना के द्वारा आतंकियों के विरुद्ध किये गये एयर स्ट्राइक को भारत सरकार का ऐतिहासिक कदम बताया है जिस तरह आतंकवादियों ने अपने देश में आकर निर्ममता से हिंदुओं की हत्या कर चुनौती दी थी। भारतीय सेना ने भी उन आतंकियों के घर में घुसकर मार गिराया है। भारतीय सेना इस ऑपरेशन का नाम सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने 25 मिनट के भीतर लक्ष्य को सटीक भेदने वाली 24 अति आधुनिक तकनीकी वाली मिसाइल पाकिस्तान और गुलाम जम्मू कश्मीर को देखते हुए अपना अभियान पूरा किया।

कल होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद व न्यायमूर्ति अनुभा रावत चौधरी रहेंगी मुख्य अतिथि

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। आगामी 10 मई 2025 को लोहरदगा सदर प्रखंड अंतर्गत न्यू नगर भवन में राष्ट्रीय लोक अदालत का वर्चुअल उद्घाटन एवं राज्य स्तरीय विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का भव्य आयोजन किया जायेगा। इसको लेकर गुरुवार को व्यवहार न्यायालय परिसर स्थित प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) अध्यक्ष राजकमल मिश्रा की अध्यक्षता में एक अहम बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में उपायुक्त सह डालसा उपाध्यक्ष डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण, पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां, सीजेएम केके मिश्रा, डालसा सचिव राजेश कुमार, सिविल जज सीनियर डिविजन टू अभिषेक कुमार, एसडीओ अमित कुमार, एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा सहित अन्य विभागीय पदाधिकारी एवं हिंडाल्को प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियां और अधिक से अधिक सुलह योग्य वादों के निष्पादन पर विशेष चर्चा की गयी। इसके साथ ही शिविर में लाभुकों के बीच वितरित की जाने वाली परिसंपत्तियों की जानकारी ली गयी। कार्यक्रम के दिन मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और प्रशासनिक न्यायाधीश लोहरदगा न्याय मंडल न्यायमूर्ति अनुभा रावत चौधरी उपस्थित रहेंगी। न्यायालय परिसर में लोक अदालत के लिए कुल सात बेंचों का गठन किया गया है, जिनके माध्यम से सुलहनीय योग्य वादों का निष्पादन किया जायेगा। साथ ही सशक्तिकरण शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लाभुकों को परिसंपत्तियों का वितरण किया जायेगा। इस अवसर पर जिले के विभिन्न विद्यालयों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये जायेंगे।

प्रथम कैरम टैलेंट प्रतियोगिता का आयोजन

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के निदेशक अनुसार प्रखंड स्तरीय प्रथम कैरम टैलेंट प्रतियोगिता का आयोजन बीईईओ राजीव रंजन की अध्यक्षता में एकल एवं युगल प्रतिस्पर्धा का आयोजन सी एम एसओई नदिया हिंदू उच्च विद्यालय लोहरदगा के हाल में हुआ। खिलाड़ियों से मुखातिब होते प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी राजीव रंजन ने कहा कि खेल न सिर्फ मनोरंजन का साधन है बल्कि खेल व्यक्तित्व को भी निखारता है। इन्होंने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। बीपीओ मंजू कुमारी ने कहा कि इंडोर गेम में ध्यान केंद्रित कर खेलना चाहिए। शिक्षक शैलेंद्र सुमन ने कहा कि खेल के बिना जीवन अधूरा है, खेल खेलने से शारीरिक के साथ मानसिक शक्ति में भी वृद्धि होती है। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु आरती कुमारी,एल,संजय उरांव,वीरेंद्र यादव रश्मि खेस ,पंकज कुमार, गजाधर महतो,विक्की कुमार, प्रतिभा खलखो,पवन साहू ,त्रिसंघा प्रजापति, सीमा शर्मा, संयुक्त प्रजापति, सबल टोपनो ने अपना योगदान दिया। मौके पर प्रिंसिपल निश्चल मिंज एवं नदिया हिंदू उच्च विद्यालय के शिक्षक अनिल कुमार भी मौजूद थे। अंडर 17 में चुन्नीलाल विद्यालय की छात्रा ने प्रखंड स्तर में अपना स्थान बनाया।

लातेहार में निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन

68 लोगों के बीच उपकरण का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। लातेहार में विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर आज रेडक्रॉस सोसाइटी लातेहार एवं भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, रांची के संयुक्त तत्वावधान में सदर अस्पताल स्थित रेड क्रॉस सोसाइटी परिसर में निःशुल्क अंग प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर माननीय विधायक लातेहार प्रकाश राम, उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के द्वारा दिव्यांग जनों को जरूरत के अनुसार कृत्रिम अंग प्रदान किये गये। इस दौरान सभी को संबोधित करते हुए लातेहार विधायक प्रकाश राम ने कहा कि इस निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण में दूर दूर से आये लाभुक को लाभ मिल रहा है यह सराहनीय कदम है। उन्होंने इसके लिए रेडक्रॉस सोसाइटी एवं भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, रांची के संयुक्त तत्वावधान में आयोजि इस शिविर के सराहनीय कार्य एवं सहयोग के लिए पूरी टीम को धन्यवाद दिया। आगे उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य वैसे सभी जरूरतमंदों की सेवा करना है जो आर्थिक तंगी की वजह से कृत्रिम हाथ पैर नहीं लगा पाते हैं। इस शिविर के माध्यम से कई दिव्यांग जनों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराये गये, जिनके हाथ या पैर किसी कारणवश कट गये हैं या फिर वे जन्म से ही शारीरिक रूप से असमर्थ हैं। इस दौरान उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने कहा कि कुल 68 जरूरत मंदो को निःशुल्क कृत्रिम उपकरण वितरण किया गया हैं। तीन दिवसीय शिविर में अब तक कुल 68 दिव्यांगों का पंजीकरण हुआ है। इस निशुल्क शिविर के माध्यम से दिव्यांग जनों को बैसाखी एवं किसी तरह के दुर्घटना में अपना हाथ या पर गंवाने वाले दिव्यांग जनों को कृत्रिम अंग का भी निशुल्क रूप से प्रत्यारोपण का लाभ दिया गया। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार अजय कुमार रजक, सिविल सर्जन अवधेश कुमार सिंह, रेडक्रॉस सोसाइटी के सभापति महेंद्र प्रसाद गुप्ता, उप सभापति विनीत मधुकर, सचिव जावेद अख्तर, कोषाध्यक्ष विशाल चंद्र साहू, स्टेट मेंबर सुशील कुमार अग्रवाल, विनोद कु महलका, विशाल शर्मा, रेडक्रॉस सोसाइटी के सदस्य और अन्य लोग उपस्थित थे।

हरैया ठाकुरबाड़ी मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा और भंडारा आज

आजाद सिपाही संवाददाता

चंदवा। चंदवा के हरैया में नवनिर्मित श्री श्री 108 श्री ठाकुरबाड़ी मंदिर में देवी-देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा शुक्रवार को की जायेगी। प्राण प्रतिष्ठा पश्चात भंडारा का आयोजन भी किया जायेगा। प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तीसरे दिन गुरूवार को रूद्राभिषेक और देवी-देवताओं का पूजन किया गया। बुधवार को कुलदेवी पूजन एवं क्षत्रपाल पूजन किया गया था। बनारस से आये आचार्य पंडित गोपाल शास्त्री, पं वैभव सारस्वत, पं शिवन गौड़, पं प्रमोद गरोनकर, पं मोहित शर्मा व पं राघव शर्मा के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बतौर यजमान डॉ मनीष कुमार और डॉ प्रिया कुमारी के साथ अन्य पूजा-अर्चना में हिस्सा ले रहे हैं। अनवरत की जा रही पूजा-अर्चना और वैदिक मेंत्रोच्चार के बीच वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। श्रद्धालुओं द्वारा श्री श्री 108 श्री ठाकुर जी भगवान की जय, जय श्री राम, जय श्री कृष्ण, सिद्धि विनायक की जय समेत अन्य नारे लगाये जा रहे हैं।

बिजली चोरी के आरोप में पांच पर नामजद प्राथमिकी

सेन्हा/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। विद्युत ऊर्जा चोरी मामले में बिजली विभाग ने बुधवार को सेन्हा थाना क्षेत्र के सेन्हा में छापेमारी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान सेन्हा खास में पांच नामजद पर विद्युत ऊर्जा चोरी करने तथा राजस्व क्षति करने का आरोप लगाते हुए सेन्हा थाना कांड संख्या 52/25 दर्ज आरोपी के विरुद्ध कराया गया। गौरतलब हो कि लोहरदगा जिला अंतर्गत सेन्हा थाना क्षेत्र के सेन्हा में गठित टीम सहायक विद्युत अभियंता के नेतृत्व में बुधवार को छापेमारी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पांच लोगों को बिजली चोरी करते हुए पकड़ा गया और विभागीय अग्रतर कारवाई करते हुए सभी के अवैध कनेक्शन को काट तार जब्ती कर पांचों के विरुद्ध सेन्हा थाना में कांड संख्या 52/25 दर्ज करवाया गया। और विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135/137 के तहत नामजद सेन्हा निवासी कैमूल अंसारी के 39 वर्षीय पुत्र मुजामिल अंसारी, तौकिर अंसारी के 36 वर्षीय पत्नी अनीसा खातून, उस्मान गनी के 42 वर्षीय पुत्र जाकिर हुसैन,साबिर अंसारी के 30 वर्षीय पुत्र दानिश अंसारी,तथा असलम अंसारी के 34 वर्षीय पुत्र अफसर आलम के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराया गया। विद्युत ऊर्जा चोरी का लिखित शिकायत करते हुए सहायक विद्युत अभियंता अजू कच्छप ने बताया कि बकाया राशि अधिक होने के कारण विभाग की ओर से पूर्व में कनेक्शन काट दिया गया था। उसके बाद भी विद्युत ऊर्जा चोरी कर फर्नीचर दुकान व्यवसायिक हेतु इस्तेमाल किया जा रहा था। जबकि कुछ लोग टोका लगा कर विद्युत ऊर्जा चोरी कर रहे थे तो कुछ लोग बिजली मीटर से पहले सर्विस तार में टैप कर अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने का आरोप लगते हुए प्राथमिकी दर्ज कराया गया। साथ ही आरोपियों पर बकाया के साथ क्षतिपूर्ति जुर्माना लगाया गया है।

पेयजल संकट पर प्रशासन सख्त : एसडीओ ने किया मुरूमदाग पंचायत का निरीक्षण, कहा-

10 दिनों में खराब जलमीनारों की मरम्मत की जाये

आजाद सिपाही संवाददाता

खराब पड़े नल की जांच कर जरूरी निर्देश देते एसडीओ आशीष गंगवार।

छतरपुर/पलामू। एसडीओ आशीष गंगवार की अगुवाई में गुरुवार को मुरूमदाग पंचायत में पेयजल समस्या एवं उसके समाधान के उद्देश्य से क्षेत्र का भ्रमण किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को समझा। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से एसवीइस (सिंगल विलेज स्कीम) अंतर्गत पंचायत मुरूमदाग के चिल्हो कला में पांच एवं भिकही गांव में 9 जलमीनार (प्रत्येक की क्षमता 4000 लीटर) का निर्माण कराया गया था। निरीक्षण में अधिकांश जलमीनार खराब पाए गए। इसपर संज्ञान लेते हुए एसडीओ ने पीएचडी विभाग के कनीय अभियंता कुंदन कुमार को सभी जलमीनारों की मरम्मति कार्य 10 दिनों के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही संबंधित अभिकर्त्ता को भी इस दिशा में सख्त चेतावनी दी गई। वहीं, मौके पर उपस्थित मुखिया, जल सहिया एवं ग्रामीणों को समझाया गया कि मरम्मति के उपरांत जलमीनारों के रख-रखाव पूरी जिम्मेवारी से करें। इस्तेमाल किए गए मोटर और अन्य उपकरणों की देखरेख ऐसे करें जैसे अपनी निजी संपत्ति की करते हैं, ताकि योजना का लाभ लंबे समय तक मिल सके। इसके अतिरिक्त, मुरूमदाग पंचायत के मुखिया को 14वें वित्त आयोग की निधि से निर्मित सभी चापाकलों की मरम्मति भी 10 दिनों के भीतर सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। इस मौके पर छतरपुर बीडीओ आशीष कुमार, एई, जेइ, मनरेगा के जीआरएस आदि उपस्थित रहे।

विस अध्यक्ष और वित्त मंत्री ने पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉ कौशल किशोर को किया सम्मानित

- रांची के बीएनआर होटल में 'जोहर टॉक्स' कार्यक्रम का हुआ आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। रांची के होटल बीएनआर में गत मंगलवार को 'जोहार टॉक्स' नामक कार्यक्रम का आयोजित किया गया। राज्य के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक पहलुओं पर केंद्रित उक्त आयोजन में सत्तारूढ़ और विपक्ष के कई दिग्गज नेताओं, मंत्रियों, विशेषज्ञों और सामाजिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। जोहार टॉक्स के मंच पर केवल राजनीति ही नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण और युवा सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो, वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी, श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव, शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन, पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार अनुराग ठाकुर ने सभी अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। वहीं, विस अध्यक्ष रविंद्रनाथ महतो ने कहा कि झारखंड अब नई ऊर्जा और नई सोच के साथ विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में झारखंड उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। इस दौरान पर्यावरणविद डॉ कौशल किशोर जायसवाल को राज्य के वित्तमंत्री राधा कृष्ण किशोर ने शॉल ओढ़ाकर एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। कहा कि कौशल जी हमारे क्षेत्र से आते है और इनकी पर्यावरण को बचाने की मुहिम एवं पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करना हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने झारखंड सरकार की प्राथमिकताओं और चुनौतियों पर खुलकर बात की। कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और गरीब वर्ग को योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए गंभीरता से काम कर रही है। इस मौके पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बावरी, सिमरिया विधायक उज्जवल दास, हटिया विधायक नवीन जायसवाल, रांची विधायक सीपी सिंह और कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने अपने-अपने विचार रखे।

नगर निगम की उदासीनता की बलि न चढ़ जाये मेंरीन ड्राइव : अरुणा शंकर

- नगर आयुक्त से टीम बनाकर पार्कों एवं विकास कार्यों की निगरानी करने की अपील

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। प्रथम महापौर अरुणा शंकर के कार्यकाल में निर्मित कोयल रिवर फ्रंट नगर निगम की उदासीनता और लापरवाही की बलि चढ़ता दिख रहा है। असामाजिक तत्वों द्वारा लगातार मेंरीन ड्राइव को क्षति पहुंचायी जा रही है। कभी ग्रील तो कभी बाउंड्री तोड़ दी जा रही है। बुधवार की रात को भी कैनोपी तोड़ दिया गया। जबकि शहर की सुरक्षा के लिए चप्पे-चप्पे पर लाखों रुपये खर्च कर सीसीटीवी कैमरा लगाए गए हैं। बावजूद इसके शहर का खुबसुरती को नुकशान पहुंचाया जा रहा है। उधर, गुरुवार को प्रथम महापौर अरुणा शंकर खुद कोयल रिवर फ्रंट पहुंची और टूटे कैनेपी को देखा। इसके बाद अपने निजी कर्मियों को बुलाकर उसे बनाने का आदेश दिया। कहा कि शहर के रखरखाव को मैं अगर निजी स्तर से ना देखूं तो धीरे-धीरे शहर की खूबसूरती विलुप्त हो जाएगी। अरुणा शंकर ने कहा कि मुझे आश्चर्य है ग्रील तोड़ते हुए लोग पकड़े जाते हैं। थाना से नोटिस भी जाता है. लेकिन सरकारी संपत्ति नष्ट करने का केस या फाइन तक नहीं होता है। खोज खबर लेने पर बताया जाता है कि ऊंची पैरवी के कारण सभी को शांत होना पड़ता है। प्रथम महापौर ने कहा कि अगर अब भी निगम इसी तरह मौन रहा तो मेरे कार्यकाल का पारित ग्रीन जोन, लता मंगेशकर चौक, चैनपुर सूर्य मंदिर उद्यान जिसका निर्माण तेजी से चल रहा है जिसका अस्तित्व समाप्त होने में कोई समय नहीं लगेगा। सिर्फ निगम का पैसा बर्बाद होकर रह जाएगा। प्रथम महापौर ने नगर आयुक्त से अनुरोध किया है कि जितनी दिलचस्पी शहर को सुंदर बनाने में ली जा रही है निगम को एक टीम बनाकर रखरखाव भी करना होगा अन्यथा अंबेडकर पार्क (बड़ा तालाब) की तरह सभी बनाए जा रहे पार्क, ग्रीन जोन, कोयल रिवर फ्रंट प्रशासन द्वारा संचालित निगम की बलि ना चढ़ जाए।

पारिवारिक विवाद में महिला ने फांसी लगा कर की आत्महत्या

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। रेहला थाने क्षेत्र के कधवन केवाल टोला में बुधवार की शाम 50 वर्षीय एक महिला का शव उसके ही घर में फंदे से लटकता पाया गया। ग्रामीणों की माने तो पारिवारिक विवाद से तंग आकर महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। उधर, घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची रेहला पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये मेदिनीनगर एमएमसीएच भेज दिया है। वहीं, थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि कधवन के केवाल टोले पर शंकर भुइयां की पत्नी लालती देवी ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। किसी तरह उसके घर के बंद कमरे को खोल कर शव को फंदे से नीचे उतरा गया। घटना के पीछे पारिवारिक विवाद का मामला सामने आ रहा है। वैसे पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल, हाई अलर्ट के बावजूद नजर नहीं आ रही अलर्ट जैसी स्थिति

धनबाद (आजाद सिपाही)। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को किये गये हमले में 100 आतंकियों की मौत के बाद से युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं। इन परिस्थितियों को देखते हुए रेलवे को हाई अलर्ट पर रखा गया है। सुरक्षा को लेकर सभी स्टेशन पर कड़ी निगरानी की जा रही है। धनबाद रेल मंडल में भी अलर्ट जारी कर दिया गया है। आरपीएफ कमांडर अनुराग मीणा ने भी कहा है कि सुरक्षा को लेकर अलर्ट जारी है। लेकिन लोगों की मानें तो धनबाद स्टेशन पर अलर्ट जैसी स्थिति बिल्कुल नहीं है। यात्री सामान्य दिनों की तरह आराम से आ रहे हैं। यात्रियों के बैग की जांच के लिए स्टेशन परिसर के प्रवेश द्वार पर स्कैनर मशीन लगाई गई है, जो शोभा की वस्तु बनी हुई है। इसमें गंदगी के अलावा और भी कुछ नहीं है। स्टेशन के प्रवेश द्वार पर लगाई गई स्कैनर मशीन पर न तो कोई आरपीएफ जवान नजर आया और न ही इसका संचालन हो रहा है। यात्री स्कैनर मशीन के पास से सामान लेकर स्टेशन में प्रवेश जरूर कर रहे थे, लेकिन उनके सामान की जांच नहीं हो रही थी। स्टेशन परिसर में प्रवेश करने या प्लेटफॉर्म तक पहुंचने के लिए एक-दो नहीं, बल्कि पांच रास्ते हैं, जहां से यात्री आसानी से प्रवेश और निकास कर सकते हैं। कुछ यात्रियों ने बताया कि उन्हें कोई आरपीएफ वाला नहीं मिला जिसने उनके सामान की जांच की। स्कैनर मशीन भी काम नहीं कर रही है। यहां अलर्ट जैसी स्थिति नहीं है। जिस तरह से आतंकी घटना हुई है, उससे रेलवे को अलर्ट रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शायद रेल प्रशासन पूरी तरह से गंभीर नहीं है। यात्री ठाकुर कुमार ने कहा कि धनबाद स्टेशन पर आरपीएफ ने जांच नहीं की है। स्कैनर मशीन पर सामान की जांच नहीं की गयी है। सुरक्षा से संबंधित कोई भी चीज यहां नहीं दिख रही है। उन्होंने कहा कि मेरे हिसाब से सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त होनी चाहिए। हालांकि डीआरएम कौशल किशोर सिन्हा ने कहा कि हम हमेशा अलर्ट मिलते रहते हैं। प्रोटोकॉल के तहत हम कार्रवाई कर रहे हैं। रेलवे हर चीज के लिए हमेशा तैयार है। समय-समय पर अलर्ट आते रहते हैं। हमें जो निर्देश मिलते हैं, हम उस पर काम करते हैं। पहलगाम की घटना ही नहीं, बल्कि सभी तरह की घटनाओं के अलर्ट आते हैं। हर दिन चार से पांच अलर्ट आते हैं। आरपीएफ को अलर्ट पर रखा गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के लिए 20 मई तक करें आवेदन : कार्यपालक पदाधिकारी

छतरपुर (आजाद सिपाही)। नगर पंचायत क्षेत्र के जरूरतमंद परिवारों के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई। कार्यपालक पदाधिकारी फैजुल रहमान ने पत्र जारी कर बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत 'लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण' श्रेणी में ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। इच्छुक लाभार्थी 20 मई तक निर्धारित लिंक या क्यूआर कोड के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन के बाद सभी आवश्यक दस्तावेज कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। बिना दस्तावेज के आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदन करने वाले आवेदक के परिवार में पति-पत्नी और अविवाहित बच्चे ही शामिल होंगे। आवेदक या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर पक्का मकान नहीं होना चाहिए। भारत सरकार या राज्य सरकार से आवास योजना का लाभ नहीं लिया हो। वार्षिक पारिवारिक आय तीन लाख रुपये से अधिक ना हो। ऐसे व्यक्ति आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र की छायाप्रति। भूमि स्वामित्व से संबंधित कागजात एवं नगर कार्यालय द्वारा निर्गत भू-स्वामी प्रमाण पत्र। परिवार के सभी सदस्यों के साथ एक संयुक्त फोटो (वर्तमान मकान सहित) और आधार से लिंक मोबाइल नंबर के साथ पीएमएवाइएमआइएस.जीओवी.इन पर अवेदन कर सकता है।

विश्रामपुर सीओ ने अंचल क्षेत्र के चौकीदारों के साथ की बैठक

- अवैध खनन एवं विधि व्यवस्था पर दिया कई निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। विश्रामपुर सीओ राकेश कुमार तिवारी ने गुरुवार को अंचल कार्यालय सभागार में क्षेत्र के चौकीदारों के साथ बैठक की। जिसमें अवैध खनन, विधि व्यवस्था और भूमि विवाद जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गयी। बैठक का मुख्य उद्देश्य अवैध खनन रोकना और कानून व्यवस्था को मजबूत करना था। सीओ राकेश कुमार तिवारी ने अवैध खनन से होने वाले नुकसान के बारे में बताते हुए चौकीदारों को अवैध खनन की गतिविधियों पर नजर रखने एवं इसकी सूचना तुरंत देने को कहा। साथ ही क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर भी जोर दिया। सीओ द्वारा चौकीदारों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि जिस क्षेत्र से अवैध खनन परिवहन की सूचना मिलेगी वहां के चौकीदार पर कार्रवाई किया जायेगा। सीओ ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में भूमि विवाद जैसी समस्याएं होते रहतीं हैं, जिसे रोकने में चौकीदारों की भूमिका अहम होती है। उन्होंने चौकीदारों को विवादों की जानकारी एकत्र करने एवं उन्हें स्थानीय प्रशासन से साथ साझा करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने चौकीदारों को मिलकर काम करने और क्षेत्र में शांति-व्यवस्था बरकरार रखने के लिये प्रेरित भी किया। साथ ही चौकीदारों की समस्याओं को भी सुना और समाधान के लिये सार्थक पहल करने का भरोसा भी दिया। बैठक में विश्रामपुर अंचल के सभी चौकीदार मौजूद थे।

दाता पीर बख्श रहम के सालाना उर्स पर कव्वाली कल

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। जपला-हैदरनगर मुख्य पथ स्थित हजरत दाता पीर बख्श शाह रहमतुल्लाह अलैह का सालाना उर्स 10 मई को होगा। इसकी जानकारी उर्स कमेटी के अध्यक्ष एजाज हुसैन उर्फ छेदी खां ने दी। उन्होंने बताया कि उर्स को लेकर तैयारी अंतिम चरण में है। बताया कि उर्स पर कव्वाली का मुकाबला कार्यक्रम हैदरनगर के बल्डीहरी गांव निवासी सेठ इब्राहीम के सौजन्य से आयोजित होगा। बताया कि सेठ इब्राहिम के हुसैनाबाद स्थित आवास पर कार्यक्रम को लेकर कमेटी के पदाधिकारियों की बैठक हुई है। इसमें सुरक्षा सहित सभी बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया। इससे प्रशिक्षुआइपीएस एस मोहम्मद याकूब याकूब, एसडीओ गौरांग महतो एवं स्थानीय थाना प्रभारी को भी अवगत करा दिया गया है। वहीं, कमेटी के सचिव आरजू खां ने बताया कि कार्यक्रम के लिए मशहूर कव्वाला रौनक परवीन और टीवी कलाकार कव्वाल बाबू गुलाम साबरी 10 मई को हुसैनाबाद पहुंचेंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक संजय सिंह यादव करेंगे।

पेड़ से लटकता मिला युवक का शव, पुलिस ने शुरू की जांच

धनबाद (आजाद सिपाही)। सरायढेला थाना अंतर्गत एसएनएमएमसीएच कैंपस स्थित पीजी ब्लॉक के पीछे गुरुवार को जंगल में एक युवक का शव पेड़ से लटकता पाया गया। इसकी सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पेड़ से उतार कर पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस की मानें तो पेड़ पर लटका शव सड़ चुका है। पुलिस का मानना है कि शव चार से पांच दिन पुरानी हो सकती है। जिससे तेज दुर्गंध भी आ रही थी। जानकारी के मुताबिक इस दिन कुछ लोग जब जंगल की तरफ गए तो शव को पेड़ पर लटका देखा इसकी जानकारी पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंच गयी और उसकी पहचान में जुड़ गई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि युवक ने आत्महत्या है या उसकी हत्या कर पेड़ से लटका दिया है।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने किया हैदरनगर के आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण

काम में कोताही बरतने वाली सेविकाओं का रुकेगा मानदेय, होगी कार्रवाई: नीता चौहान

आजाद सिपाही संवाददाता

निरीक्षण करती जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान।

हुसैनाबाद। पलामू जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान ने गुरुवार को हैदरनगर बाल विकास परियोजना अंतर्गत संचालित विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने हैदरनगर प्रखंड के चौकड़ी पंचायत की सभी छह आंगनबाड़ी केंद्रों चौकड़ी पूरब, चौकड़ी पश्चिम, चौकड़ी-3, सरगड़ा, बहेरा एवं बहेरा हरिजन टोला का निरीक्षण किया। इस मौके पर बीडीओ सह प्रभारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी विश्व प्रताप मालवा, महिला पर्यवेक्षिका सीमा झा एवं शोभा कुमारी भी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान नीता चौहान ने आंगनबाड़ी केंद्रों में चल रही योजनाओं की प्रगति, सेवाओं की गुणवत्ता और बच्चों को मिलनेवाली सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने केंद्रों में बच्चों को दिये जा रहे पोषण आहार, टीकाकरण, साफ-सफाई और शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। केंद्रों पर उपलब्ध पोषण आहार की गुणवत्ता और वितरण प्रक्रिया की जांच की। वहीं गर्भवती महिलाओं और धातृ माताओं को प्रदान की जा रही सेवाओं की भी जानकारी ली। महिलाओं को सही खान-पान, सही वजन एवं टीकाकरण के महत्व के संबंध में जानकारी भी दी गयी। उन्होंने सरकार की योजनाओं का सही तरीके से क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कहा कि सरकार की योजनाओं का सही तरीके से क्रियान्वयन सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने सेविकाओं को पोषण ट्रैकर ऐप के माध्यम से सभी लाभार्थियों का चेहरा प्रमाणीकरण (फेस औंथेटिफिकेशन) कार्य अविलंब करने का निर्देश दिया। कहा कि इसमें कोताही बरतने वाली सेविकाओं का मानदेय का भुगतान रोकते हुए उनके खिलाफ अग्रेतर कार्रवाई भी की जाएगी। साथ ही समय पर केंद्र संचालन करने एवं केंद्र से संबंधित सभी पंजी प्रतिदिन संधारित करने का निर्देश दिया।

एसडीपीओ ने की सभी थाना प्रभारियों के साथ बैठक

तेनुघाट (आजाद सिपाही)। बेरमो के एसडीपीओ (अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी। वशिष्ठ नारायण सिंह के तेनुघाट कार्यालय कक्ष में गुरुवार को अपराध को लेकर बैठक की गयी। जिसमें अनुमंडल अंतर्गत सभी पुलिस निरीक्षक, थाना प्रभारी एवं ओपी प्रभारी उपस्थित हुऐ। इस दौरान सभी पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए एसडीपीओ ने सभी लंबित कांडों का शीघ्र निष्पादन और चोरी, छिनतई जैसे मामले का शीघ्र उद्भेदन करने पर जोर दिया। कहा कि हाल ही में अंतर राज्य वाहन चोर गिरोह को पकड़ा गया है। और भी कई मामलों का उद्भेदन शीघ्र किया जाएगा। बहुत से लंबित कांडों का निष्पादन किया गया है। और नयी केस का रिव्यू किया जा रहा है। उन्होंने अनुमंडल अंतर्गत सभी पुलिस निरीक्षक, थाना प्रभारी एवं ओपी प्रभारी का हौसला बढ़ाते हुए सराहना की।

भंडारे के साथ सात दिवसीय शतचंडी महायज्ञ का समापन

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। नगर पंचायत क्षेत्र के अररुआ कला गांव में नव निर्मित देवी मंदिर प्रांगण में मां भगवती प्राण प्रतिष्ठा का सात दिवसीय शतचंडी महायज्ञ गुरुवार को भव्य भंडारे के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान यज्ञाचार्य सुधीर दास जी महाराज और कई वाचकों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण से माहौल भक्तिमय रहा। इस महायज्ञ का अनुष्ठान अयोध्या से आए श्री श्री 108 सुधीर दास जी महाराज की देखरेख में संपन्न कराया गया। इस दौरान हरिहरगंज, अंबा, डेमा, अररुआ खुर्द, पाठक बिगहा, पीपरा, बिसुनपुर, कटैया, गिद्दी आदि गांवों से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर सुखमय जीवन की कामना की और प्रसाद ग्रहण किया। इस आयोजन में कमेटी के अध्यक्ष शिव शंकर पासवान, सचिव अभय कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष राम जी पासवान, उप कोषाध्यक्ष बसंत पासवान के साथ ही कृष्ण कुमार सिंह, नवनीत पासवान, प्रमोद कुमार सिंह, विक्की पासवान, आमोद कुमार, अजय पासवान, जयंत पासवान, चंदन कुमार, प्रवीण भगत, बबलू सिंह, पूजा कुमारी, सुरभि कुमारी, छोटू कुमार, रविंद्र, सुशांत आदि का योगदान सराहनीय रहा।

नशीले पदार्थ की बिक्री रोकने की मांग, एसपी को सौंपा ज्ञापन

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। झारखंड प्रदेश प्रतिज्ञा महिला एसोसिएशन की अध्यक्ष देवकी देवी ने गुरुवार की अपराह्न 3 बजे पुलिस अधीक्षक गुमला को ज्ञापन सौंपते हुए शहर में नशीली पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की है। देवकी ने बताया जिले में ब्राउन शुगर, डेंड्राइट, गांजा चुल्लू शराब और कई तरह के नशीली पदार्थों की बिक्री धड़ल्ले से हो रही है। युवक और स्कूली बच्चे इसका तेजी से इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं कई लड़कियों को भी ब्राउन शुगर की लत लग गयी है। गुमला शहर में कई स्थानों पर धड़ल्ले से ब्राउन शुगर की बिक्री की जा रही है। पुलिस द्वारा कई लोगों को इस मामले में जेल भेजा गया है लेकिन जेल से निकलने के बाद पुनः नशे के कारोबार में वे शामिल हो जाते हैं। देवकी देवी ने नशीले पदार्थों की

बिक्री करने वालों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं शहर के कई स्थानों में चुल्लू शराब की बिक्री की जाती है जो काफी खतरनाक है। वह धीरे-धीरे दीमक की तरह शरीर को खोखला कर देता है। जिसकी लत लगने के बाद लोगों की मौत हो रही है। कई महिलाओं की मांग सुनी हो रही है। वहीं शहर में कई स्थानों पर वाहन के अंदर जुआ का खेल भी हो रहा है। टेंपो और पिकअप चालक शहर में जगह-जगह जुआ खेल रहे हैं। मामले की जानकारी गुमला थाना को देने के बाद भी किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जा रही है।

सोमेर गांव की बंजर भूमि पर हो रही है आम बागवानी, रागी, धान और तरबूज की खेती

डीसी ने किया रामतोलिया पंचायत के सोमेर गांव का निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

कामडारा/ गुमला। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी द्वारा क्षेत्रीय भ्रमण के क्रम में कामडारा प्रखंड अंतर्गत रामतोलिया पंचायत स्थित सोमेर गांव का दौरा किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त ने गांव में हुए कृषि एवं अन्य विकासात्मक कार्यों का निरीक्षण किया एवं ग्रामीणों से संवाद कर क्षेत्र की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त की।

गांव भ्रमण के दौरान ग्रामीण महिलाओं ने उपायुक्त को बताया कि पूर्व में यह क्षेत्र पूरी तरह से बंजर था और यहां किसी प्रकार की कृषि नहीं होती थी। परंतु जिला

प्रशासन एवं विभिन्न सहयोगी संस्थाओं विशेषकर जेएसएलपीएस और प्रदान संस्था के संयुक्त प्रयासों से गांव की तस्वीर बदल गयी है। महिलाएं अब सक्रिय रूप से कृषि कार्यों में भागीदारी कर रही हैं तथा उन्होंने उपायुक्त को सामाजिक, जल संसाधन इत्यादि से संबंधित विभिन्न विकासात्मक मानचित्र भी प्रस्तुत किये। ग्रामीणों ने बताया कि वर्तमान में गांव में बंजर भूमि का उपयोग कर आम बागवानी, रागी, धान, तरबूज आदि की खेती की जा रही है। लगभग 7.5 एकड़ बंजर भूमि पर 14 लाभुकों के माध्यम से आम बागवानी का कार्य संचालित है। इसके अतिरिक्त ग्रामीणों ने जानकारी दी कि गांव में अब तक 70 से अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त किया गया है। उपायुक्त श्री सत्यार्थी ने आम बागवानी स्थल सहित अन्य कृषि क्षेत्रों का भी दौरा किया एवं ग्रामीणों को हर संभव प्रशासनिक सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने सड़क, पानी एवं बिजली से संबंधित समस्याओं को भी उपायुक्त के समक्ष रखा, जिस पर उपायुक्त ने त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन के सहयोग हेतु आभार प्रकट किया। उपायुक्त के साथ एसडीओ बसिया, प्रखंड विकास पदाधिकारी कामडारा, अंचल अधिकारी कामडारा सहित अन्य सम्बंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

लोहरदगा ग्राम स्वराज संस्थान ने सिकरी स्कूल में निकाली जागरूकता रैली

जारी (आजाद सिपाही)। लोहरदगा ग्राम स्वराज संस्थान के नेतृत्व में गुरुवार को जारी प्रखंड अंतर्गत आरसी प्राथमिक विद्यालय डूंबरटोली के बच्चों एवं शिक्षको के द्वारा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली मे बच्चों के द्वारा बाल विवाह मिटाना है, बोझ न समझो बेटी को अब आजादी दो बेटी को, शिक्षा जीवन का आधार है इसके बिना जीवन बेकार है, हम सबका है एक विचार बाल विवाह मुक्त परिवार,सुनो गौर से देश वासी अब ना होगी बच्चों की शादी, आओ मिलकर बढ़ाए कदम बाल विवाह मिलकर करें खत्म, बाल विवाह अपराध है लड़का हो या लड़की दोनों के लिए श्राप है जैसे कई नारे लगाये गये। वहीं मौके पर उपस्थित लोहरदगा ग्राम स्वराज संस्थान के सीएसडब्लू नीलम बेक ने कहा कि बाल श्रम बच्चों का अधिकारों का उलघंन है और इसे समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है। मौके पर आरसी प्राथमिक विद्यालय डूंबरटोली के शिक्षक अनिमा मिंज, अश्विन मिंज एवं स्कूल के सभी बच्चे उपस्थित थे।

15 किसानों के बीच बकरियों का वितरण

जारी (आजाद सिपाही)। जारी प्रखंड मुख्यालय मे आज गुरूवार को मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत प्राप्त 15 किसानों के बीच कुल 75 बकरियों का वितरण जारी प्रमुख उर्मिला केरकेट्टा के द्वारा किया गया। वहीं मौके पर उपस्थित टीबीयू रितु टोप्पो ने जानकारी देते हुए बताया कि कुल 15 किसानों के बीच बकरी का वितरण किया गया जिसमे एक लाभुक को चार बकरी और एक बकरा का वितरण किया गया। प्रमुख उर्मिला केरकेट्टा ने कहा कि राज्य सरकार के द्वारा संचालित कल्याणकारी योजना मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत चयनित लाभुको को वितरण किया गया है। साथ ही कहा कि बकरियों का पालन पोषण अच्छा से करें और आपना आय को बढायें। उन्होंने कहा कि समय समय पर बकरियो टीकाकरण करायें ताकि बकरियों मे बीमारी न हो।

उत्पाद विभाग ने दुकानों में मादक और नशीली पदार्थों की तलाशी ली

आजाद सिपाही संवाददाता

बसिया। बसिया एसडीओ जयवंती देवगम के निर्देश पर जिले के उत्पाद अधीक्षक के नेतृत्व में बसिया अनुमंडल क्षेत्र में उत्पाद विभाग के द्वारा कई हाई स्कूलों व मिडिल स्कूलों के समीप दर्जनों दुकानों में मादक और नशीली पदार्थो की बिक्री की तलाशी ली गयी। यह तलाशी संत जोसेफ हाई स्कूल, उर्सुलाइन कॉन्वेंट, मोंटफोर्ड सेकेंडरी हाई स्कूल के आसपास चलाया गया। तलाशी के दौरान उन्हें किसी प्रकार का कोई मादक व नशीली पदार्थ नहीं मिला। इस दौरान मौके पर उपस्थित उत्पाद निरीक्षक प्रदीप कुमार करमाली ने दुकानदारों को कड़ी चेतावनी दी। कहा कि अगर स्कूलों के आसपास किसी भी दुकान में मादक व नशीली पदार्थों की बिक्री की जाती है और वे पकड़े जाते हैं तो उनपर कठोर कानूनी

कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि नशीली पदार्थो की बिक्री स्कूलों के आसपास किये जाने से बच्चो पर बुरा दुष्प्रभाव पड़ता है। उन्होंने लोगो से अपील करते हुए कहा कि अगर किसी स्कूलों के इर्द गिर्द कोई दुकानदार चोरी छुपे नशीली पदार्थो यथा पान, गुटखा, खैनी,बीड़ी सिगरेट आदि की बिक्री करता है तो उन्हें इसकी गुप्त सूचना दें। विभाग फौरन इस पर कार्रवाई करेगी। इस पर दुकानदारों ने भी उन्हें किसी प्रकार का नशीली व मादक पदार्थों के नही बेचे जाने का आश्वासन दिया गया। इसके बाद निरीक्षक ने संत जोसेफ हाई स्कूल में जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान विद्यार्थियों को उन्होंने नशा व मादक पदार्थों से होने वाले नुकसान की विस्तृत जानकारी दी। निरीक्षक ने कहा की कोई भी नशा उनके और आने वाली पीढ़ी के जीवन व तरक्की को बबार्दी की ओर धकेलता है। उन्होंने इसके सेवन भविष्य में नही किये जाने को लेकर बच्चो को संकल्प दिलाया। इस मौके पर विभाग के सहायक अवर निरीक्षक विकास कुमार निराला समेत सिपाही एवं गृह रक्षक और बल के जवान उपस्थित थे।

पालकोट में किशोरी ने कीटनाशक खाया

गुमला (आजाद सिपाही)। पालकोट थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 14 वर्षीय किशोरी ने गुरुवार की सुबह कोबरा नामक कीटनाशक खा लिया। स्थिति खराब होने पर उसे गुरुवार की सुबह 10 बजे सदर अस्पताल गुमला लाया गया जहां उसका इलाज चल रहा है। हालांकि किशोरी ने ऐसा कदम क्यों उठाया इसका स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। परिजनों ने बताया घर में शादी का माहौल है एक दिन पूर्व उसके भाई की शादी हो गई। वहीं गुरुवार को उसकी बड़ी बहन की शादी है। इसी बीच लड़की ने कीटनाशक खा लिया। किशोरी आठवीं तक पढ़ाई कर पिछले साल ही पढ़ाई छोड़ चुकी है और घर पर ही रहती है। किशोरी से कारण पूछने पर उसने कुछ नहीं बताया। परिजन भी घटना को लेकर स्पष्ट कुछ नहीं बता पाये। कोबरा नामक कीटनाशक का उपयोग दिमक को मारने के लिए किया जाता है।

केन और बांस के प्रशिक्षणार्थियों के बीच ऑनलाइन टूल किट का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

बिशुनपुर। विकास भारतीय स्थित महात्मा गांधी सभागार में गुरुवार को केन एवं बांस के 80 प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन टूल कीट वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मुंबई कार्यालय से संचालित किया गया। कार्यक्रम के अतिथियों का स्वागत संबोधन पूर्वी क्षेत्र के सदस्य मनोज कुमार सिंह के द्वारा किया गया। केवीआइसी के अध्यक्ष मनोज कुमार द्वारा संस्था के उपलब्धि के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गयी। एमएसएमइ के मंत्री जीतनराम मांझी द्वारा युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार युक्त करने की दिशा में केवीआइसी के कार्यों की प्रशंसा की गयी। उनके द्वारा सांकेतिक रूप में मुंबई कार्यालय से टूल कीट एवं प्रमाण पत्र वितरित किया गया। विकास भारती बिशुनपुर में खादी और आयोग रांची के सहायक निदेशक सुनील कुमार सिंह और गैर विभागीय प्रशिक्षण केंद्र के प्राचार्य पंकज कुमार सिंह के द्वारा टूल कीट और प्रमाण पत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर केन और बांस के 80 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

18 वर्ष के नये मतदाताओं का नाम जोड़ें : बीडीओ

घाघरा (आजाद सिपाही)। ब्लॉक परिसर के सभागार में बीडीओ दिनेश कुमार ने बीएलओ कर्मी के साथ बैठक किया। बैठक में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्राप्त निर्देश के आलोक में बीएलओ कर्मी के संपूर्ण विवरणी एरो नेट में संपादित कराया गया। जहां 50 फीसदी बीएलओ का संपूर्ण विवरण एयरोनॉट में संपादित किया गया। वही बीडीओ दिनेश कुमार ने सभी बीएलओ को प्रपत्र 6,7,8 भरने हेतु कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया। साथ ही कहा कि मृत व्यक्तियों का नाम हटाये। 18 वर्ष के नये मतदाताओं का नाम जोड़े। सभी बीएलओ कर्मी इमानदारी पूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। मौके पर निर्वाचन कंप्यूटर सहायक ज्योति लाल महतो सहित कई बीएलओ कर्मी उपस्थित थे।

अवैध खनन के विरुद्ध प्रशासन ने की सख्त कार्रवाई

खनन टास्क फोर्स ने एक ट्रैक्टर और हाइवा पकड़ा

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुरुवार को सिलाफरी पंचायत के नवाटोली चौक के समीप एक ट्रैक्टर और एक हाइवा वाहन को खनन टास्क फोर्स ने अवैध रूप से बालू लोड करते हुए पकड़ा लिया। जिला खनन पदाधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 08 मई की सुबह गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गयी। जैसे ही खनन टास्क फोर्स वहां पहुंची, ट्रैक्टर और हाइवा चालक मौके से भाग निकले। जांच में पाया गया कि उक्त स्थल पर किसी प्रकार का वैध लाइसेंस निर्गत नहीं है और बालू का अवैध भंडारण एवं उत्खनन किया जा रहा था। दोनों वाहनों को जब्त कर लिया गया है और संबंधित

धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई प्रारंभ की जा चुकी है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि झारखंड खनिज नियमावली 2004 और झारखंड खनिज अधिनियम के तहत दोषियों को सख्त सजा दी जायेगी। जिला प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे अवैध खनन संबंधी किसी भी गतिविधि की जानकारी तुरंत संबंधित अधिकारियों से साझा करें।

दो बाइकों की टक्कर में बुजुर्ग महिला घायल

सिसई (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र स्थित महुआडीपा भगत पेट्रोल पंप के समीप एनएच फोरलेन पर गुरुवार सुबह लगभग 10:45 बजे दो बाइक की जोरदार टक्कर में एक 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला गंभीर रूप से घायल हो गयी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अम्बुआ निवासी राहुल कुमार अपनी भाभी को पैशन प्रो बाइक पर बैठाकर तेज गति से सिसई बाजार की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहे शिवनाथपुर निवासी एक बुजुर्ग व्यक्ति, जो लूना मोपेड चला रहे थे, से टक्कर हो गयी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों लोग सड़क पर गिर पड़े। इस दुर्घटना में अंबुआ निवासी दुष्यंत साहू की पत्नी लीलावती देवी गंभीर रूप से घायल हो गयी। उनके कान के अंदरूनी हिस्से में गहरी चोट आयी जिससे खून बहने लगा। वहीं लूना चालक बुजुर्ग व्यक्ति को पैर में हल्की चोटें आयी और बाइक चालक राहुल भी मामूली रूप से घायल हुआ।

अष्टम वेतनमान में शामिल नहीं करने पर पेंशनरों ने जताया रोष

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। जिला पेंशनर समाज की मासिक बैठक अध्यक्ष तेजपाल राम की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में 1 जनवरी 2026 से प्रस्तावित अष्टम वेतनमान में जनवरी 2026 से पूर्व सेवानिवृत्त कर्मियों को शामिल न किये जाने की संभावित सूचना से पेंशनरों में गहरा असंतोष देखने को मिला। उपाध्यक्ष महेश प्रसाद गुप्ता ने चेतावनी दी कि यदि सभी पेंशनरों को समुचित लाभ नहीं दिया गया तो राष्ट्रव्यापी आंदोलन की रणनीति बनायी जायेगी। बैठक में नगर परिषद के चार सेवानिवृत्त कर्मियों और एक पारिवारिक पेंशनभोगी ने सात माह से पेंशन न मिलने की शिकायत की। इस पर सचिव महावीर प्रसाद मिश्र ने इसे गंभीर मामला बताते हुए कहा कि एक शिष्टमंडल जल्द ही नगर

परिषद प्रशासक से मिलकर त्वरित भुगतान की मांग करेगा। बैठक में समाज की आर्थिक संरचना पर भी चर्चा हुई और सदस्यों से समय पर सहयोग राशि जमा करने का आग्रह किया गया। इस दौरान सिसई से एक और गुमला से सात नए सदस्यों ने समाज की सदस्यता ली, जिनका सभी ने स्वागत किया। वहीं जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा करते हुए ऑपरेशन सिंदूर की सराहना की गयी। अंत में वरिष्ठ सदस्य हीरालाल सिंह को श्रद्धांजलि स्वरूप दो मिनट का मौन रखा गया। मौके पर डोमन राम मोची, चन्द्र नाथ प्रसाद, रंथू साहू, सदाशिव नन्द, कालिदास उरांव, जगतपाल भगत, रीक्षपाल राम, पाण्डो देवी, बिमला देवी, जितिया उरांव, रामचंद्र साहु, तेरेसा बखला, नंदलाल उरांव, कोरोलिना एक्का, मेलानी एक्का, आन्ददित कुजूर, मेझरेन मिंज, अगस्तुस एक्का, महिन्द्र बेक, बंधन उरांव, तारामणि एक्का, सोहन मिंज, लीलावती देवी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

देवाकी में युवक ने लगायी फांसी

घाघरा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के देवाकी ग्राम निवासी लगभग 22 वर्षीय सूरज उरांव ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त की। जानकारी के अनुसार देवाकी ग्राम निवासी सूरज उरांव का शव गुरुवार को उसके घर से लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर जब लोग शौच करने के लिए गये थे तब झाड़ी कुदुर नामक जगह पर पेड़ में फंदे से झूलता हुआ देखा। जिसके बाद इसकी सूचना परिजन ओर घाघरा थाना को दी गयी। घाघरा पुलिस घटना स्थल पहुंच शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार मृतक के पिता कृष्णा उरांव ने बताया कि सूरज का 11 मई को शादी था। आज लड़की के घर मुंह देखवनी कार्यक्रम में जाना था। शादी की तैयारी को लेकर बीते रात हम सभी मिठाई बना रहे थे इसी दौरान सूरज घर आया और अपने कमरे में चला गया हम लोगों ने सोचा कि वह पहले की तरह अपने रूम में सोया होगा। अचानक ही सुबह सूचना मिल की उक्त स्थल पर सूरज का शव फंदे के सहारे झूल रहा है जिसके बाद हम सभी पहुंचे। इस संबंध में थानेदार पुनीत मिंज से पूछने पर उन्होंने कहा सूचना मिलने पर घटनास्थल पहुंच शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

शहीद फौजी टी किंडो को सीआरपीएफ ने दी श्रद्धांजलि

रायडीह (आजाद सिपाही)। त्रिपुरा में शहीद फौजी टी किंडो को श्रद्धांजलि देने सीआरपीएफ बटालियन 158 लोहरदगा की टीम रायडीह प्रखंड के कांसीर गमहर टोली पहुंची। इस संबंध में बताया गया कि सीआरपीएफ के अधिकारी सुमित कुमार रायडीह पहुंच कर शहीद के परिजनों से मुलाकात की और उनका हाल जाना। तत्पश्चात सीआरपीएफ ने रायडीह प्रखंड के कांसीर गमहर टोली स्थित उनकी समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि उपरांत उन्होने बताया कि शहीद टी किंडो 7 मई 1997 को शहीद हुए थे। त्रिपुरा में आईडी ब्लास्ट में उनकी मौत हुई थी। उस समय वे सीआरपीएफ के 33 बटालियन में अपनी ड्यूटी निभा रहे थे। मौके पर रायडीह थाना के सुनील कुमार भी मौजूद थे।

फरार अभियुक्त के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

गुमला (आजाद सिपाही)। पालकोट पुलिस ने गुरुवार को वर्ष 14 के आर्म्स एक्ट के मामले के फरार अभियुक्त अरविंद कीड़ो ग्राम देवगांव थाना पालकोट के घर मे न्यायालय के आदेश पर इश्तहार चिपकाया। एएसआई प्रमोद कुमार और पुलिस बल ने इस्तेहार चिपकाने के बाद अरविंद कीड़ो के परिजनों से कहा कि परिजन जल्द से जल्द अरविंद कीड़ों को न्यायालय में सरेंडर कराये अन्यथा पुलिस कुर्की जब्ती की कार्रवाई करेगी।

स्पोर्ट्स

चैंपियनशिप में झारखंड राज्य के विभिन्न जिलों से 500 से ज्यादा कराटे प्लेयर्स भाग ले रहे है दिनांक 9 मई को 12 वर्ष एवं 13 वर्ष के बालक और बालिकाए कारटे प्लेयर्स भाग लेंगे।

झारखंड राज्य कराटे चैंपियनशिप आज से

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन ऑफ झारखंड के तत्वावधान में 09 मई से तीन दिवसीय झारखंड स्टेट सब जूनियर कैडेट एवं जूनियर कराटे चैंपियनशिप खेल गांव स्थित ताना भगत इंडोर स्टेडियम में प्रारंभ होने जा रहा है इस चैंपियनशिप में झारखंड राज्य के विभिन्न जिलों से 500 से ज्यादा कराटे प्लेयर्स भाग ले रहे है दिनांक 9 मई को 12 वर्ष एवं 13 वर्ष के बालक और बालिकाए कारटे प्लेयर्स भाग लेंगे।

10 मई को 6 वर्ष से 11 वर्ष बालक एवं बालिकाए और 11 मई को 14 वर्ष से 17 वर्ष के

बालक -बालिकाए प्लेयर्स भाग लेंगे।

झारखंड स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन के अध्यक्ष हांसी मानस सिन्हा ने बताया कि इस चैंपियनशिप में वही भाग ले सकते है जो कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन से मान्यता प्राप्त स्टाइल है और स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन ऑफ झारखंड के सदस्य है। इस चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले सभी बालक और बालिका प्लेयर्स देहरादून में होने वाले नेशनल कराटे चैम्पियनशिप में झारखण्ड राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता को सफल बनाने में एसकेएजे सीईओ के के सिंह, हांसी मानस सिन्हा, सचिव सेंसाई हेजाज असदक, शिहान नप्पु सिन्हा, शशि पांडे, रंजीत मेहता, संजय मिश्रा, मनोज शर्मा, संजय सोनकार एवं लगभग केआइओ से मान्यता प्राप्त 30 कराटे रेफरी और जज अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे।

झारखंड पुरुष हॉकी टीम को मणिपुर से मिली जीत

रांची (आजाद सिपाही)। 07 से 13 मई 2025 तक राजगीर,बिहार में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 (यू 18) में आज खेले गये महिला वर्ग के हॉकी मैच में झारखंड पुरुष हॉकी टीम ने हॉकी मणिपुर को 1-0 से पराजित किया। इस मैच में झारखंड टीम की ओर एक मात्र गोल जोलेन टोपनो ने की। वन्हीं झारखंड महिला हॉकी टीम आज ओडिसा के खिलाफ गोल करने में असफल रही और 0-0 की बराबरी खेला अपना मैच। झारखंड पुरुष टीम की जीत और महिला टीम की ड्रॉ रहने पर खेल विभाग झारखंड सरकार और हॉकी झारखंड के समस्त पदाधिकारियों बधाई दी है।

फुलेरा में युवक ने लगायी फांसी

पालकोट (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के फुलेरा टोली निवासी बरम नायक का पुत्र 20 वर्षीय रोहित नायक ने अपने घर में ही फांसी लगा कर आत्म हत्या कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार मृतक रोहित नायक अपने घर से कुछ दूरी पर अपने दोस्तों के साथ बैठा था अचानक वहां से अपने घर चला गया। घर पहुंच कर लगभग 1:30 बजे तौलिए का फन्दा बना कर आत्महत्या कर लिया। कुछ देर बाद जब लोगों ने मृतक रोहित को बुलाने के लिए उसके घर गये तो देखा की रोहित फंदे से लटका हुआ है आनन फानन में रोहित को सामुदायिक स्वास्थय केंद्र लाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है की मामला प्रेम प्रसंग का हो सकता है। पालकोट पुलिस जाच उपरांत कार्यवाही की बात कर रही है।

सीएम हेमंत और कल्पना सोरेन ने अनाया को दिया आशीर्वाद

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन मुर्मू ने अपने आवास पर कांग्रेस नेत्री अनूपमा सिंह एवं बेरमो विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह की बड़ी बेटी अनाया सिंह को आइएसी 12वीं में 99.25 फीसदी अंक लाकर उत्तराखंड में अध्यनरत यूनिसन वर्ल्ड स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर आशीर्वाद देने के साथ मुंह मिठा कराकर शुभकामनायें दी। कहा कि अनाया ने बेहतह प्रदर्शन कर झारखंड का नाम गौरवान्वित किया है। उसने कड़ी मेहनत कर जो मुकाम हासिल किया है वह सराहनीय है। इस मौके पर कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह और छोटी बेटी अस्मिता सिंह भी उपस्थित थी।

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर जिला जज ने दिये दिशा-निर्देश

धनबाद (आजाद सिपाही)। शहर में आगामी 10 मई को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में है। इसी कड़ी में गुरुवार को धनबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के चेयरमैन वीरेंद्र कुमार तिवारी ने बैंक, इंश्योरेंस कंपनी एवं अन्य विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा मामलों का निस्तारण हो इसके लिए कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस बाबत अवर न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि सभी बैंक अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि ज्यादा से ज्यादा मात्रा में बैंक ऋण संबंधित वादों का निपटारा करने में योगदान दें। जिससे लोक अदालत में आए जनता को ज्यादा से ज्यादा लाभ मिले और उनके वादों का त्वरित निपटारा हो सके। ताकि राष्ट्रीय लोक अदालत की परिकल्पना को सार्थक किया जा सके।

जेपी कॉलेज ऑफ नर्सिंग में राष्ट्रीय नर्स सप्ताह के तीसरे दिन रोचक खेलों का हुआ आयोजन

धनबाद (आजाद सिपाही)। मांझीलाडीह के कोला कुसमा के बलियापुर रोड के जेपी अस्पताल एंड रिसर्च सेंटर परिसर स्थित जेपी कॉलेज ऑफ नर्सिंग कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय सप्ताह के तीसरे दिन गुरुवार को नर्सिंग के प्रशिक्षु विद्यार्थियों के बीच रोचक खेल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसका नेतृत्व जेपी ग्रुप की निदेशक डॉ किमी नित्यानंद मंडल ने किया। उन्होंने बताया कि यह खेल का आयोजन विद्यार्थियों को अपने एथलीट कौशल दिखाने एवं विभिन्न खेलों में एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करने का मंच प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया। यह खेल केवल शारीरिक फिटनेस प्रतिस्पर्धा के बारे में नहीं, बल्कि खेल भावना और टीम वर्क जिसमें समन्वय और सहयोग कौशल विकसित करने में मदद मिलेगी। कॉलेज के शिक्षिकाओं ने भी खेल आयोजन में विद्यार्थियों संग भाग लिया। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को रंगोली प्रतियोगिता, 10 मई को नर्सेज डे थीम पर स्पीच एवं अंतिम दिन 12 मई को अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्म दिवस पर केक काटकर राष्ट्रीय नर्स सप्ताह का समापन किया जाएगा। इस आयोजन में जेपी कॉलेज आफ नर्सिंग की प्राचार्या शोभना भट्टाचार्य, जेपी ग्रुप ऑफ फार्मेसी की प्राचार्या नीलम सिंह, वर्षा रानी, शिल्पा कुमारी, लक्ष्मी कुमारी आदि उपस्थित थी।

एसएनएमएमसीएच की बाउंड्री के निर्माण पर मचा भारी बवाल

ग्रामीणों-दुकानदारों के बीच हुई नोकझोंक

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। शहर के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एसएनएमएमसीएच की बाउंड्री वॉल निर्माण को लेकर गुरुवार को जमकर बवाल हो गया। यह विरोध एसएनएमएमसीएच के समीप कोचाकुली बस्ती के पास हुआ। बतातें चलें कि अस्पताल और छात्रों की सुरक्षा के मद्देनजर रास्ते को बंद कर बाउंड्री वॉल का निर्माण किया जा रहा है। इसे लेकर स्थानीय निवासियों और दुकानदारों में आक्रोश है। इस दिन सड़क के मुहाने को बंद करने पहुंची प्रशासन की टीम पर स्थानीय लोग भड़क गए। बाउंड्री वॉल निर्माण का ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए काम रुकवाने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हुए। बताया जा रहा कि बाउंड्री वॉल करने से आम जनता एवं दुकानदारों को परेशानी होगी। इस दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। भारी हंगामें के बीच रास्ते के मुहाने को बंद करने का काम जारी है। इस मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि प्रदर्शनकारियों को रोका जा सके।

आक्रोशित लोगों-दुकानदारों को रोकती पुलिस।

पेयजल आपूर्ति योजनाओं की समस्याओं के निष्पादन को लेकर हुई समीक्षा बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

डुमरी/बेरमो। गिरिडीह डीसी के निर्देश पर गुरुवार को प्रभारी एसडीओ जीतराय मुर्मू की अध्यक्षता में डुमरी अनुमंडल कार्यालय सभागार में समीक्षा बैठक हुई। जिसमें अनुमंडल क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति योजनाओं और पेयजल से संबंधित समस्याओं के निष्पादन को लेकर जरूरी दिशा निर्देश दिया गया। बैठक में बीडीओ अन्वेषा ओना, पीरटांड़ बीडीओ मनोज मरांडी, जेई जयप्रकाश यादव, डुमरी बीपीआरओ विजय महतो, बीपीआरओ पीरटांड़ इंद्रजीत महतो, बीसी 15वीं वित्त आयोग डुमरी लेखराज प्रसाद, बीसी 15वीं वित्त आयोग पीरटांड़ सचिन कुमार आदि उपस्थित रहे। इस दौरान पंचायत स्तर पर पेयजलापूर्ति योजनाओं (जल जीवन मिशन, मल्टी विलेज स्कीम, सिंगल विलेज स्कीम) के क्रियान्वयन में तेजी लाने, पेयजल से संबंधित समस्याओं का त्वरित निष्पादन करने को लेकर निर्देशत किया गया। वहीं क्षेत्र में खराब पड़े चापाकलों की मरम्मति, चापाकल मरम्मति से संबंधित प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। लगे हाथ ग्रीष्मकाल को देखते हुए पेयजलापूर्ति से संबंधित सभी संचालित योजनाओं को समयावधि में पूर्ण करने के साथ ही पेयजल आपूर्ति से संबंधित प्राप्त जनशिकायतों का शिकायत पंजी बना कर सयम पर निष्पादन करने का निर्देश दिया गया।

हत्या के विरोध में निकला कैंडल मार्च

आजाद सिपाही संवाददाता

पिछरी/बेरमो। पेटरवार प्रखंड अंतर्गत पिछरी पंचायत के बस्ती में विपुल मिश्रा की हत्या के विरोध में गुरुवार को कैंडल मार्च निकाला गया, जो दुर्गा मंदिर परिसर से तुरी टोला होते हुए फुसरो जैनामोड़ मुख्य मार्ग, पिछरी मेन रोड, प्योर ढोरी मोड़ से महतो टोला होते हुए मंदिर परिसर पहुंचा। इसमें बड़ी संख्या में युवक-ग्रामीण शामिल हुए। सभी ने हाथों में मोमबत्तियां और विपुल की तस्वीरें लेकर उसकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किये। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जल्द से जल्द अपराधियों को फांसी की सजा मिले। विपुल की हत्या निर्मम तरीके से की गई है, जिससे पूरे गांव में आक्रोश है। लोगों ने सरकार और प्रशासन से मांग की कि ऐसे अपराधियों को जल्द से जल्द सजा दी जाए, ताकि समाज में ऐसा जघन्य अपराध दोबारा ना हो। इस मौके पर सोमनाथ मिश्रा, ओम मिश्रा, अभिषेक मिश्रा, आर्यन मिश्रा, बिट्टू ठाकुर, दिलीप कुमार, सत्यम मिश्रा, रितिक मिश्रा, विश्वजीत मिश्रा, आदर्श मिश्रा, अभिराम मिश्रा, रंजीत मिश्रा, सुमित मिश्रा, संकेत मिश्रा, देव मिश्रा, बबलू मिश्रा, अभीराम मिश्रा, रंजीत मिश्रा, नेहाल मिश्रा, गिरधारी मिश्रा, पिंटू मिश्रा और अरविंद मिश्रा आदि मौजूद थे।

पूर्व मंत्री बेबी देवी चुनी गयीं झारखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष

भंडारीदह/बेरमो (आजाद सिपाही)। राज्य सरकार की ओर से बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम 2005(2006 का 4) की धारा 18 के तहत पूर्व मंत्री बेबी देवी को झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग का अध्यक्ष चुना गया है। इस आलोक में गुरुवार को राज्य सरकार की समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग को अधिसूचना जारी की गई है। उधर, बेबी देवी को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर डुमरी विधानसभा क्षेत्र की जनता में काफी खुशी है। वहीं, बेबी देवी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है, उसे ईमानदारी पूर्वक निभाऊंगी।

उपायुक्त का कार्यालय, कोडरमा
(विधि शाखा)

-: आम सूचना :-

निदेशानुसार, एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, उपायुक्त, कोडरमा के न्यायालय में प्रतिबंधित सूची से विमुक्त करने हेतु दायर विविध वाद संख्या–119/2022 मिन्हाज खान बनाम् राज्य में मौजा–चिलोडीह, थाना नं०–284 के खाता संख्या–26, प्लॉट संख्या–187, रकवा–0.06ए० भूमि की सुनवाई उपायुक्त, कोडरमा के न्यायालय में की जा रही है।

अतः प्रश्नगत् वाद से संबंधित प्रस्तावित भूमि पर यदि किसी व्यक्ति को कोई दावा अथवा आपत्ति हो, तो वे उपायुक्त, कोडरमा के न्यायालय में उक्त वाद की आगामी निर्धारित तिथि दिनांक 27.05.2025 को उपरोक्त भूमि से संबंधित आवश्यक कागजात के साथ उपस्थित होकर अपना पक्ष रखना सुनिश्चित् करेंगे।

राजस्व ग्राम का नाम	पुलिस थाना	थाना नं०	खाता संख्या	प्लॉट संख्या	रकवा
चिलोडीह	चन्दवारा	284	26	187	0.06डी०

प्रभारी पदाधिकारी
विधि शाखा, कोडरमा

PR 351955 District(25-26).D

समाहरणालय, खूँटी
(समेकित जनजाति विकास अभिकरण)

अल्पकालीन निविदा
निविदा सूचना संख्याः– 01/2025–26

आदिवासी कल्याण आयुक्त, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 1380 दिनांक 29.07.2024 एवं पत्रांक 2292 दिनांक 12.12.2024 के द्वारा वित्तीय वर्ष 2023–24 तथा 2024–25 के लिए सरना स्थल, जाहेर स्थल आदि के लिए पूजन सामग्री योजनान्तर्गत प्राप्त आवंटन के आलोक में सरना स्थल, जाहेरस्थान आदि के लिए पूजन सामग्रियों के आपूर्ति हेतु दिनांक 24.05.2025 को 11.30 बजे पूर्वाह्न तक निबंधित एवं प्रतिष्ठित थोक विक्रेताओं से मुहरबन्द निविदा (तकनीकी एवं वित्तीय बीड अलग–अलग) आमंत्रित की जाती है। निविदा परियोजना निदेशक, आई0टी0डी0ए0, खूँटी के कार्यालय कक्ष में निर्धारित तिथि तक कार्यदिवस में कार्यालय अवधि में जमा किया जायेगा। प्राप्त निविदाओं को दिनांक 24.05.2025 को अपराह्न 3.00 बजे जिला क्रय समिति के सदस्यों के समक्ष अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में खोला जाएगा। निविदा खोलते समय निविदादाता या उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते हैं। निविदा की शर्त्तें एवं सामग्रियों की सूची खूँटी जिले के वेवसाईट www.khunti.nic.in एवं परियोजना निदेशक, आई0टी0डी0ए0 कार्यालय, खूँटी के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

परियोजना निदेशक,
आई0टी0डी0ए0,खूँटी

PR 351919 District(25-26).D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, लोहरदगा

प्रेस विज्ञाप्ति

एतद् द्वारा संवेदक श्री संजार अंसारी, इस्लाम नगर, लोहरदगा को सूचित किया जाता है कि आपके द्वारा ग्रा0का0वि0, कार्य प्रमण्डल, लोहरदगा के अधीन प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (RCPLWEA) के अन्तर्गत पीलर मोड़ से (शाहीघाटी) मन्हें पार्ट तक लम्बाई– 5.10 कि0मी0 पथ निर्माण कार्य का एकरारनामा किया गया था। पथ निर्माण कार्य का एकरारनामा दिनांक 04.09.2022 को किया गया था। जिसका एकरारनामा संख्या– JH/LOH/17/2022-23 है। एकरारनामा के अनुसार कार्य समाप्ति की तिथि 30.03.2023 निर्धारित थी, जो समाप्त हो चुका है। अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय पत्रांक– 218 दिनांक– 29.01.2024, पत्रांक–337 दिनांक– 20.02.2024, पत्रांक–437 दिनांक–12.03.2024 के द्वारा कार्य को पूर्ण करने के लिए आपको निदेशित किया गया था। आपके द्वारा उक्त कार्य को बंद रखा गया है, जो कार्य के प्रति लापरवाही एवं उदासीनता को दर्शाता है। आपको निदेश दिया जाता है कि सूचना प्रकाशन के तीन दिनों के अन्दर कार्य को गुणवत्ता एवं विशिश्टियों के अनुरूप करना सुनिश्चित करें एवं इसकी सुचना अधोहस्ताक्षरी को देंगे। अन्यथा बाध्य होकर उक्त योजना का अंतिम मापी लेते हुए एकरारनामा को विखंडित कर दिया जायेगा एवं SBD की कंडिका 52.1 एवं 52.2 के तहत् कार्रवाई करते हुए अग्रधन एवं जमानत की राशि जब्त कर ली जायेगी एवं काली सूचि में डालने हेतु विभाग को अनुशंसा कर दी जायेगी। जिसके लिए आप स्वंय जिम्मेवार होंगे।

क्र0 सं0	संवेदक का नाम	योजना का नाम	एकरारनामा संख्या	एकरारनामा के अनुसार कार्य समाप्ति की तिथि
1	श्री संजार अंसारी, इस्लाम नगर, लोहरदगा।	प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (RCPLWEA) के अन्तर्गत पीलर मोड़ से (शाहीघाटी) मन्हें पार्ट तक लम्बाई– 5.10 कि0मी0 पथ निर्माण कार्य।	JH/LOH/17/ 2022-23	30.03.2023

कार्यपालक अभियंता,
ग्रा0का0वि0, कार्य प्रमण्डल, लोहरदगा

PR 351948 Lohardaga (25-26)_D

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान/महिला/कुडू/कुजरा/कैरो, लोहरदगा
(Email Id- principalitilohardaga@gmail.com)

नामांकन सूचना औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक सत्र 2025–26–27 में नामांकन से संबंधित सूचना

निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक– 639 एवं पत्रांक–640 दिनांक–07.05.2025 के आलोक में NCVT/SCVT से मान्यता प्राप्त लोहरदगा जिला के सभी सरकारी (LWE सहित), औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, यथा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कुजरा/कुडू/महिला/कैरो, लोहरदगा के शैक्षणिक सत्र 2025–26–27 में नामांकन के लिए योग्य आवेदकों से जो झारखण्ड राज्य के स्थायी/स्थानीय निवासी की श्रेणी में आते हैं और नीचे दिये गये शैक्षणिक योग्यता धारित करते हैं, उनसे ऑनलाईन (https://iti.jharkhand.gov.in Admission Tab) आवेदन–पत्र आमंत्रित किये जाते है।

2. न्यूनतम शैक्षणिक योग्यताः–

क). वायरमैन, मेशन (बिल्डिंग कन्स्ट्रक्टर), पेन्टर (जेनरल) पलम्बर, वेल्डर, वेल्डर (GMAW & GTAW), वेल्डर (Fabrication & Fitting), सीविंग टेक्नोलॉजी, काटिंग एण्ड सीविंग, कारपेन्टर (New Name- Wood Work Technician), एवं वीबिंग टेक्नीशियन फॉर सिल्क एण्ड वुलन फैब्रिक्स व्यवसायों में नामांकन के लिए आवेदक को आठवीं (8वीं) कक्षा में उत्तीर्णता आवश्यक है।

ख) उपरोक्त कंडिका में अंकित व्यवसायों को छोड़कर शेष अन्य सभी व्यवसायों में नामांकन के लिए आवेदक को दसवी (10वीं) कक्षा में उत्तीर्णता आवश्यक है।

3. महत्वपूर्ण तिथियाँ

क्र0सं0	विवरणी	तिथि
1	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की प्रारंभिक तिथि	20.05.2025
2	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की अन्तिम तिथि	13.06.2025 अपराह्न 5:00 बजे तक।
3	औपबंधिक मेधा सूचियों (आठवीं एवं दसवीं कक्षा) का प्रकाशन	16.06.2025 अपराह्न 5:00 बजे
4	औपबंधिक राज्य मेधा सूचियों में शामिल आवेदकों द्वारा प्राप्तांक/प्राप्तांक प्रतिशत, कोटि एवं अन्य प्रविष्टियों में त्रुटि सुधार की अवधि	17.06.2025 से 19.06.2025
5	अंतिम मेधा सूचियों (आठवीं एवं दसवीं कक्षा) का प्रकाशन	21.06.2025

Time Schedule for 1st Round of online Counseling

Sl No.	Activity	Date	
		Date	To
1	Choice filling of Trade (s) and/or ITI (s)	24.06.2025	01.07.2025
2	Seat Allotment and Downloading provisional seat Allotment Letter	04.07.2025	21.07.2025
3	Admission in the concerned ITI	04.07.2025	21.07.2025

Time Schedule for 2nd Round of online Counseling

Sl No.	Activity	Date	
		Date	To
1	Choice filling of Trade (s) and/or ITI (s)	24.07.2025	30.07.2025
2	Seat Allotment and Downloading provisional seat Allotment Letter	04.08.2025	14.08.2025
3	Admission in the concerned ITI	04.08.2025	14.08.2025

उक्त सूचना को Jharkhand के ITI webportal (https://iti.jharkhand.gov.in) के Download Section के Notification Tab में देखा/Download किया जा सकता है।

ह0/–
प्राचार्य
नोडल औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान,
कुजरा, लोहरदगा

PR 351960 (Lohardaga)25-26*D

विश्व थैलेसीमिया दिवस पर संयुक्त रक्तदान शिविर का आयोजन, 30 यूनिट रक्त संग्रह

रक्तदान मानवता की सेवा का श्रेष्ठतम रूप है : विधायक चंद्रदेव महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

गोविंदपुर। विश्व थैलेसीमिया दिवस पर मारवाड़ी युवा मंच की तीन सक्रिय शाखाएं गोविंदपुर, सरायढेला एवं उन्नति के संयुक्त तत्वावधान में बालाजी मेडिकल्स में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें करीब 30 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप में सिंदरी के विधायक कॉमरेड चंद्रदेव महतो उपस्थित रहे, जिन्होंने रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का श्रेष्ठतम रूप है। मारवाड़ी युवा मंच के युवाओं का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। वहीं, डॉ अभिनव गौरव एवं डॉ नीतू श्रीवास्तव ने थैलेसीमिया के प्रति जागरूकता और रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला। जबकि असर्फी अस्पताल की ओर से बलबीर कुमार ने रक्त संग्रहण प्रभारी की भूमिका निभाई और संपूर्ण प्रक्रिया का तकनीकी संचालन किया। वहीं, प्रतिभागी शाखाओं का नेतृत्व मारवाड़ी युवा मंच, गोविंदपुर शाखा के अध्यक्ष शैलेश बंसल, सचिव आशीष मित्तल, मंडल उपाध्यक्ष आदित्य अग्रवाल, सदस्य बजरंग अग्रवाल, हरीश अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, मारवाड़ी युवा मंच, सरायढेला शाखा अध्यक्ष अभिषेक अग्रवाला, सचिव विकास अग्रवाल, उपाध्यक्ष विशाल सावरिया, आइपीपी प्रवीण केजरीवाल, विकास अग्रवाल (सचिव, सरायढेला शाखा) ने किया। साथ ही मारवाड़ी युवा मंच उन्नति शाखा अध्यक्ष ज्योति अग्रवाल, पायल मित्तल, सहयोगी संस्था नागरिक समिति, गोविन्दपुर अध्यक्ष नंदलाल अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी में रक्तदान शिविर का आयोजन

धनबाद (आजाद सिपाही)। विश्व रेडक्रास दिवस पर गुरुवार को भारतीय रेडक्रास सोसाइटी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। साथ ही प्राथमिकता चिकित्सा प्रशिक्षण एवं सीपीआर का प्रशिक्षण भी दिया गया। रक्तदान शिविर में सोसाइटी के संयुक्त सचिव दिलीप सिंह सहित 20 सदस्यों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। रक्तदान शिविर के आयोजन में चेयरमैन कौशलेंद्र कुमार सिंह, वाइस चेयरमैन धनेश्वर महतो, कोषाध्यक्ष श्वेतांबरा पाठक, (सचिव) कार्यपालक दंडाधिकारी रविंद्र नाथ ठाकुर, संयुक्त सचिव दिलीप सिंह, कार्यकारिणी सदस्य सह चेयरमैन सलाहकार कुमार मधुरेंद्र सिंह, ब्लड डोनेशन प्रोग्रामर बेनजीर परवीन, नोडल स्वास्थ्य डॉक्टर जिम्मी अभिषेक, देवेंद्र कुमार, राधेश्याम गोस्वामी, बिजेंद्र कुमार, मनीष रंजन, सुधीर वर्णवाल, अरूण कुमार वर्णवाल, रंजीत सिंह, रंजीत कुमार, इरशाद, बिल्लू, लीला मांजी, ललिता सिंह, प्रीति सिंह, रियासत अली, कृष्ण कुमार वर्मा, कलीम अंसारी, गोपाल भट्टाचार्य, सतीक अंसारी, नरेन्द्र कुमार त्रिवेदी और विजय वर्मा आदि ने सक्रिय सहयोग किया।

पालाजोड़ी ब्लॉक में महिला प्रमुख के साथ बीडीओ ने की बदसलूकी

विरोध में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। बीडीओ द्वारा की गयी बदसलूकी के विरोध में प्रखंड के सभी पंचायत समिति सदस्यों ने पालोजोड़ी प्रखंड कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। बीडीओ आमिर हमजा पर प्रमुख उषा किरण मरांडी ने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रखंड में चल रहे भ्रष्टाचार और मनमानी को लेकर जब वह बीडीओ के पास शिकायत करने गई तो बीडीओ आमिर हमजा द्वारा यह कहकर कार्यालय से बाहर निकाल दिया कि आपका चेहरा देखते ही उनका दिमाग खराब हो जाता है। यह कहते हुए बीडीओ साहब उन पर आग बबूला हो गए और उन्हें कार्यालय से बाहर निकाल दिया। शिकायतकर्ता उषा किरण मरांडी ने बताया कि बीडीओ आमिर हमजा आए दिन स्थानीय लोगों के साथ बदसलूकी करते हैं और उनकी शिकायत भी आते रहती है। इसीलिए गुरुवार को पंचायत समिति सदस्य के लोगों ने प्रखंड कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन धरना दिया है और यह मांग कर रहे हैं कि जब तक इस बीडीओ को नहीं हटाया जाएगा तब तक धरना समाप्त नहीं होगा। वहीं पंचायत समिति सदस्यों के धरना प्रदर्शन को मजबूत करते हुए स्थानीय विधायक चुन्ना सिंह ने कहा कि बीडीओ आमिर हमजा की शिकायत उनके पास भी कई बार आई है। वह ब्लॉक के कई मीटिंग में पदाधिकारी के साथ गलत भाषा में बात भी करते हैं। बीडीओ के इस तरह के व्यवहार को देखते हुए विधायक द्वारा भी कई बार उन्हें फटकार लगायी गयी है, लेकिन बीडीओ आमिर हमजा अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहे हैं। स्थानीय लोगों ने जो विरोध प्रदर्शन शुरू किया है, यह जायज है।

विधायक चुन्ना सिंह ने कहा कि वह सरकार से मांग करेंगे कि बीडीओ अमीर हमजा को अपने पद से हटाकर कहीं पर पारा शिक्षक बना दिया जाए।वह कहीं से भी राज्य के अधिकारी बनने लायक नहीं है। वहीं विधायक चुन्ना सिंह ने आक्रोश जाहिर करते हुए कहा कि जिस तरह से बीडीओ आमिर हमजा आए दिन स्थानीय लोगों के साथ बदसलूकी कर रहे हैं। उन्हें तुरंत बर्खास्त किया जाये उसके बाद उनसे शो काउज पूछा जाये। बता दें कि धरना प्रदर्शन में बैठे पंचायत समिति के सदस्यों ने कहा कि बीडीओ आमिर हमजा पर जब तक कार्रवाई नहीं होगी तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

रेडक्रॉस के संस्थापक हेनरी ड्यूनेट की जयंती मनायी गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

मधुपुर। शहर के पनाहकोला मोहल्ला स्थित दत्ता चेरीटेबल परिसर में स्थित रेडक्रॉस सोसाइटी मधुपुर के प्रांगण में गुरुवार को विश्व रेडक्रॉस दिवस मनाया गया। मौके पर रेड क्रॉस के संस्थापक जीन हेनरी डियूनेंट तसवीर पर फूल माला अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। मौके पर विभिन्न सामाजिक क्षेत्र में संस्था के सदस्यों के द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्य के लिए उन्हें सम्मानित किया गया। इसमें ग्रामीण चिकित्सा सिविल एवं टीवी मरीज को गोद लेकर उन्हें सहायता पहुंचाना तथा कंबल वितरण में सहयोग तथा ब्लड डोनेशन कार्यक्रम में सहयोग के कारण लोगों को सम्मानित किया गया।

वहीं संस्था के पैटर्न और वाइस पैटर्न को भी सम्मानित किया गया। मौके पर एसडीओ राजीव कुमार ने कहा कि विश्व रेड क्रॉस दिवस पर सभी संकल्प ले कि जरूरत मंद मरीज को मदद के लिए आगे आये। रक्त दान शिविर आयोजित कर सेवा भावना से काम करें।

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मधुपुर सतेंद्र प्रसाद, कार्यपालक दंडाधिकारी मधुपुर विनय कुमार पांडे, अनुमंडल अस्पताल उपाधीक्षक डॉ शाहिद, संजय शर्मा समेत कार्यक्रम के पदाधिकारी कन्हैयालाल कन्नू, कार्यक्रम संयोजक अरविंद कुमार, बालमुकुंद बथवाल आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन प्रेम पाठक और अजय पाठक के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में धन्यवाद सीओ यामुन रवि दास ने दिये।

हनुमान मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कलश यात्रा

मधुपुर। केलाबगान में नवनिर्मित हनुमान मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कलश यात्रा निकाली गयी। इसमें शामिल महिलाओं ने प्रातः पूजा अर्चना के बाद शहर के थाना रोड, गांधी चौक, स्टेशन रोड, रजवाड़ी रोड, नगर पालिका रोड होते हुए विभिन्न मार्गो का भ्रमण कर पूरा मंदिर पहुंचकर विधि विधान पूर्वक कलश को स्थापित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में भुवनेश्वर सिंह, परमेश्वर सिंह, सियाराम राय, उत्तम भैया मौजूद थे।

देवघर में भूजल का अवैध दोहन

राइस मिल पर कठोर कार्रवाई करे सरकार : संजय भारद्वाज

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। मौसम में बदलाव के साथ देवघर में पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है। तापमान बढ़ने के साथ-साथ भूजल स्तर में गिरावट के कारण आम जनता त्राहिमाम करने लगी है। प्रदेश राजद सचिव सह पूर्व प्रत्याशी मधुपुर विधानसभा संजय भारद्वाज ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर देवघर में भूजल के अवैध और अनियमित दोहन को अमानवीय कृत्य बताते हुए पीडीआरडी राइस मिल के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। भारद्वाज ने कहा कि दुनिया में भूजल के लिए संघर्ष हो रहा है, लेकिन देवघर एवं निकटवर्ती क्षेत्र में दबंग पूंजीपतियों और बाहुबलियों द्वारा भूगर्भ जल के गैर कानूनी तरीके से दोहन और अपव्यय किया जा रहा है। कई इलाकों में पानी खत्म हो चुका है लेकिन बाहुबली राइस मिल मालिक कानून को ताक पर रखके लाखों लीटर पानी बर्बाद कर गन्दा पानी अपने से कमजोर लोगों के खेतों में दबंगता के साथ बहा रहे हैं, जबकि ड्राई जोन में राइस मिल के लिए पानी का प्रयोग फिल्टर प्लांट लगाकर किया जाना है लेकिन वर्षों से वार्ड नंबर-27,बंधा मौजा में कई राइस मिलमालिक गरीब, आदिवासी, पिछड़े और दलित सहित आम जनता के हिस्से के भूजल का नाजायज तरीके से दोहन कर बर्बाद कर रहे हैं। यह कृत्य अमानवीय एवं अवैधानिक है। राजद नेता ने दोषी राइस मिल मालिक के विरुद्ध कार्यवाही करने की मांग करते हुए कहा कि मरुस्थलीकरण से प्रभावित झारखंड की भूमि को बंजर होने से बचाने और गरीब जनता को त्रासदपूर्ण स्थिति से निजात दिलाने के लिए दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की जरूरत है। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा भूजल वृद्धि और जल उपलब्धता के लिए किए जा रहे तमाम प्रयासों को धता बताकर प्रभावशाली लोगों द्वारा कानून के विरुद्ध भूमिगत जल का अपव्यय राज्य सरकार की नीतियों और आम जनता के व्यापक हितों के विरुद्ध है। इस प्रकार की असंवेदनशील कार्यवाही पर रोक न लगाए जाने से जहां गरीब जनता त्राहिमाम कर रही है वहीं महागठबंधन सरकार की छवि भी धूमिल हो रही है और सतत विकास के लक्ष्य प्राप्ति पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है।

बाबा मंदिर प्रांगण स्थित सभी दानपात्रों को मंदिर प्रशासन की देखरेख में खोला गया

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विशाल सागर द्वारा जानकारी दी गयी गुरुवार को बाबा मंदिर प्रांगण स्थित 18 दानपात्र को मंदिर प्रशासन की देखरेख में खोला गया। साथ ही गिनती के पश्चात दानपात्र से कुल आय 15,45,606 रुपये के अलावा नेपाली नगद - 4935 सिंगापुर डॉलर - 10, यूएइ 10 दिरहम दान स्वरूप प्राप्त हुआ। इससे अलावा मंदिर के दान पात्र को कड़ी सुरक्षा के बीच खोला गया। पात्र से निकले पैसे को गिनती के लिए मंदिर प्रशासनिक भवन में रखा गया।

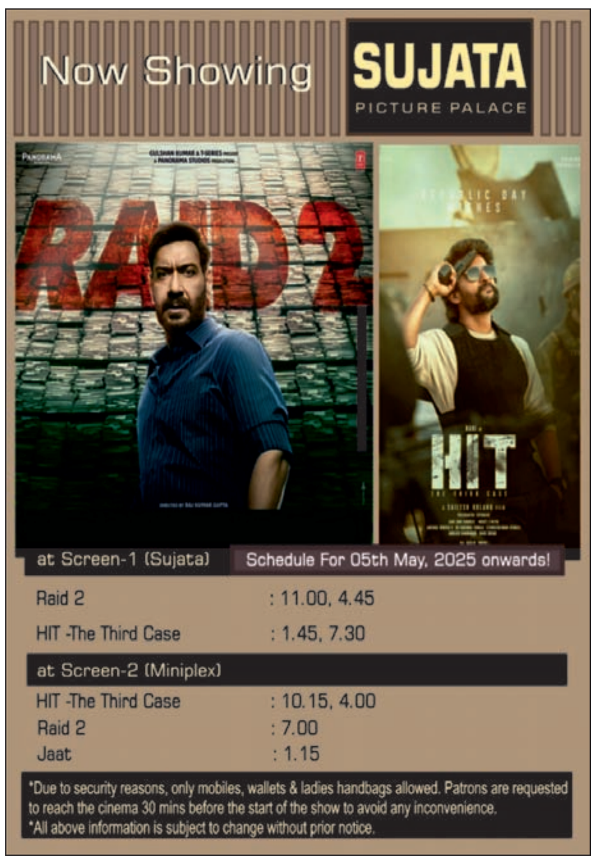

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**